



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

### **NATIONAL SEMINAR ON UNION BUDGET ON 4.04.2018**

College of Commerce Arts & Science in collaboration with the Indian Economic Association, organised a one- day National Seminar on Union Budget on 4.04.2018. The distinguished guest of the seminar was chairperson of Indian economic association and Vice Chancellor of gird Professor Mahendra Dev. Mahendra Dev emphasised that time to time, the budget should be reviewed. Vice chancellor of Patna University Professor Ras Bihari Singh mentioned that the budget is a social responsibility. Professor Gulab Chandra Ram Jaiswal emphasised on the improvement of education system. The other distinguished guests who graced the occasion were Prof. Hemant Kumar from Gujarat University, Prof. Sudhansu Bhusan, Prof. Amir Thorate, and Prof. Aatwir Singh. Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the Seminar and he stressed on a cashless economy. He further mentioned that advocating for a cashless economy promotes efficiency and transparency in financial transactions. Electronic payments not only reduce the reliance on physical currency but also foster a more secure and convenient financial ecosystem.

The centre of discussion at the seminar was on how the budget 2018-19 reflected a strategic approach to economic growth, emphasizing key sectors such as infrastructure, healthcare, and agriculture. The allocation of resources demonstrated a commitment to fostering innovation and addressing social needs. Additionally, the emphasis on fiscal consolidation and prudent financial management showcased a responsible economic strategy. Overall union budget aimed at achieving a balanced and inclusive development trajectory for the nation.

The agenda for the Indian Economic Association included discussions on economic policies, research findings, and emerging trends in the Indian economy. Scholars and economists gathered to deliberate on strategies for sustainable development, addressing challenges such as unemployment, inflation, and income inequality. The agenda also focussed on global economic dynamics and their implications for India. Furthermore, topics related to inclusive growth, technological advancements, and policy reforms were central to the discussions, reflecting the association's commitment to fostering informed economic discourse and contributing to the nation's progress. The total number of participants in the seminar was 186.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig: photograph of the seminar entitled union budget 4.04.2018



Fig: photograph of the seminar entitled union budget 4.04.2018

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig: photograph of the seminar entitled union budget 4.04.2018

## केंद्रीय बजट 2018-19 भारत के समेकित विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा

साक्षर रिपोर्टर @ घटना

कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस और भारतीय आर्थिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को केंद्रीय बजट-2018 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार के मुख्य वक्ता भारतीय आर्थिक परिषद के अध्यक्ष तथा आईजीआरडी के कुलपति प्रो महेंद्र देव ने भारत की अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि समय-समय पर बजट की समीक्षा की जाये. उन्होंने कहा कि भारत एक विकसरशील देश है और इसकी अर्थव्यवस्था निजी से आगे बढ़ रही है. उन्होंने केंद्रीय बजट 2018-19 को प्रारंभिक बजट बताया और कहा कि यह बजट भारत के समेकित विकास का मार्ग प्रशस्त करने में सहायक सिद्ध होगा. सेमिनार को संबोधित करते हुए करते हुए पटना यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो रास विहारी सिंह ने कहा कि बजट एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व तथा दूरगामी अर्थ व्यवस्था का दस्तावेज होता है.

उन्होंने कहा कि वर्ष 2018-19 का केंद्रीय बजट में राष्ट्रीय जीवनशैली दिशादर्श दी है. उन्होंने कहा कि वही बजट अच्छा कहा जाता है जिसमें 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के लोगों के उत्थान को प्राथमिकता दी जाये. पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो गुलाब चंद राम जायसवाल केंद्रीय बजट की विजयरी बजट बताया हुए कहा कि इस में देश की शिक्षा व्यवस्था को उठा और देश में सुधार लाने की संभावना है. उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को स्वावलंबता और नयी शिक्षा नीति का प्रभावकारी कार्यान्वयन हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए. बीटन



सेमिनार में उपस्थित आईजीआरडी के कुलपति प्रो महेंद्र देव व अन्य.

मंडल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो अरविश केशव राव ने बजट में शिक्षा के आधुनिकरण पर विशेष जोर दिया जाने को स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षकों को यह शिक्षकों को जवाबदेही है कि छात्र को कक्षाओं तक लाने का प्रयास करें.

सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए मुख्य यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो कम्मर अहमद ने विचार से छात्रों के पलायन पर चिंता व्यक्त करते हुए बजट में शिक्षा के लिए स्वीकृत राशि का राज्यों में उच्च श्रेणी के तकनीकी संस्थान खोलने तथा

टेकनोलॉजी के व्यापक इस्तेमाल को आवश्यकता पर जोर दिया. कॉलेज के प्राचार्य प्रो तपन कुमार शाहिल्य ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2018-19 पर आयोजित सेमिनार में विद्वानों ने प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा, कृषि, रेलों, बेरोजगारी और फिनलैंडिंग के क्षेत्रों में अपने महत्वपूर्ण विचार रखे हैं. भारतीय आर्थिक परिषद विद्वानों के विचारों से सरकार को अवगत करावेगी ताकि इन विद्वानों को बजट में समाहित किया जा सके.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig: newspaper clipping of the seminar entitled union budget 4.04.2018



Fig: Newspaper clipping of the seminar entitled union budget 4.04.2018



Fig: Newspaper clipping of the seminar entitled union budget 4.04.2018

*[Signature]*  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



# केंद्रीय बजट 2018-19 भारत के समेकित विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा

साहारा टिप्पेटर 4 घटना

कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस और भारतीय आर्थिक परिषद् के संयुक्त संव्यवसाय से आयोजित केंद्रीय बजट-2018 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार के मुख्य अतिथि भारतीय आर्थिक परिषद् के अध्यक्ष तथा आईजीआरडी के कुलपति प्रो महेंद्र देव ने भारत की अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि आवश्यकताएं और बातें हैं कि समय-समय पर बजट की समीक्षा की जाए. उन्होंने कहा कि भारत एक विकासशील देश है और इसकी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है. उन्होंने केंद्रीय बजट 2018-19 को प्राथमिकी बजट बताया और कहा कि यह बजट भारत के समेकित विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा. उन्होंने कहा कि सरकार को संवर्धित करी हुए करों से प्राप्त युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो एस विजय सिंह ने कहा कि बजट एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व तथा दूरगामी अर्थ व्यवस्था का दस्तावेज होता है.



सेमिनार में उपस्थित आईजीआरडी के कुलपति प्रो महेंद्र देव व अन्य.

उन्होंने कहा कि वर्ष 2018-19 का केंद्रीय बजट में गांधी की जयंती का दिवस है. उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसमें 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के लोगों के उत्थान को प्राथमिकता दी जाए. पाटलिपुत्र युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो मूलानंद चंद्र राम जायसवाल केंद्रीय बजट की विजयरी बजट बताया हुए कहा कि इस में देश की शिक्षा व्यवस्था को उत्साह और दिशा में सुधार देने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं को उद्योगपति और नयी शिक्षा नीति का प्रभावकारी कार्यान्वयन हमारी प्राथमिकता बनने चाहिए. बंगल

मंडल युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो अशोक शिखर पांडे ने बजट में शिक्षा के आधुनिकरण पर विशेष जोर देने जाने का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षकों को यह शिक्षकों की जवाबदारी है कि छात्र को कक्षाओं तक लाने का प्रयास करें. समेलन की अध्यक्षता करते हुए मुख्य युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो कमल अलम ने विचार से छात्रों के फलदायक पर शिक्षा व्यवस्था को बजट में शिक्षा के लिए स्वीकृत राशि का बजट में उचित अंशों को तकनीकी संस्थान खोलने तथा

टेकनोलॉजी के व्यापक इस्तेमाल की आवश्यकता पर जोर दिया. कॉलेज के प्राचार्य प्रो तपन कुमार साहोपाय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2018-19 पर आयोजित सेमिनार में विद्वानों ने प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा, कृषि, पर्यटन, बेरोजगारी और किसान कर्षीकरण पर अपने-अपने विचार रखे हैं. भारतीय आर्थिक परिषद् विद्वानों के विचारों से सरकार को अवगत कराने में मदद करेगी. विद्वानों को बजट में समायोजित किया जा सके.

Fig: Newspaper clipping of the seminar entitled union budget 4.04.2018

राष्ट्रीय युवा दिवस

विद्यार्थी से छात्रों तक परामर्श विभाजनक है। केंद्रीय बजट में शिक्षा के लिए स्वीकृत राशि राशियों में उच्च होती है तकनीकी संस्था खोलने और टेकनोलॉजी के विकास को प्रोत्साहन पर जोर देना। — प्रो. सुभाष अहवाल, कुलपति, राशट्रिय साहारा

घटना : सुभाष अहवाल • 5 अप्रैल • 2018

सहारा | www.rashtriyasaahara.com

## केन्द्रीय बजट की समय-समय पर समीक्षा जरूरी : महेंद्र देव

कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना और भारतीय आर्थिक परिषद् की ओर से आयोजित सेमिनार में विद्वानों ने व्यक्त की राय

पटना (एनएस)।

भारतीय आर्थिक परिषद्, अहमदाबाद और राशट्रिय युवा दिवस के संयुक्त संव्यवसाय से आयोजित केंद्रीय बजट-2018 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि भारतीय आर्थिक परिषद् के अध्यक्ष तथा आईजीआरडी के कुलपति प्रो महेंद्र देव ने भारत की अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि आवश्यकताएं और बातें हैं कि समय-समय पर बजट की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि भारत एक विकासशील देश है। इसकी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने केंद्रीय बजट 2018-19 को प्राथमिकी बजट बताया और कहा कि यह बजट भारत के समेकित विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को संवर्धित करी हुए करों से प्राप्त युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो एस विजय सिंह ने कहा कि बजट एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व तथा दूरगामी अर्थ व्यवस्था का दस्तावेज होता है। बंगल

उन्होंने कहा कि वर्ष 2018-19 का केंद्रीय बजट में गांधी की जयंती का दिवस है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसमें 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के लोगों के उत्थान को प्राथमिकता दी जाए। पाटलिपुत्र युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो मूलानंद चंद्र राम जायसवाल केंद्रीय बजट की विजयरी बजट बताया हुए कहा कि इस में देश की शिक्षा व्यवस्था को उत्साह और दिशा में सुधार देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं को उद्योगपति और नयी शिक्षा नीति का प्रभावकारी कार्यान्वयन हमारी प्राथमिकता बनने चाहिए। बंगल

मंडल युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो अशोक शिखर पांडे ने बजट में शिक्षा के आधुनिकरण पर विशेष जोर देने जाने का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षकों को यह शिक्षकों की जवाबदारी है कि छात्र को कक्षाओं तक लाने का प्रयास करें। समेलन की अध्यक्षता करते हुए मुख्य युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो कमल अलम ने विचार से छात्रों के फलदायक पर शिक्षा व्यवस्था को बजट में शिक्षा के लिए स्वीकृत राशि का बजट में उचित अंशों को तकनीकी संस्थान खोलने तथा

टेकनोलॉजी के व्यापक इस्तेमाल की आवश्यकता पर जोर दिया. कॉलेज के प्राचार्य प्रो तपन कुमार साहोपाय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2018-19 पर आयोजित सेमिनार में विद्वानों ने प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा, कृषि, पर्यटन, बेरोजगारी और किसान कर्षीकरण पर अपने-अपने विचार रखे हैं. भारतीय आर्थिक परिषद् विद्वानों के विचारों से सरकार को अवगत कराने में मदद करेगी. विद्वानों को बजट में समायोजित किया जा सके.

Fig: Newspaper clipping of the seminar entitled union budget 4.04.2018

Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**SEMINAR ON CASHLESS ECONOMY ON 11.04. 2018.**

A one-day seminar on cashless economy was organised by department of economics college of commerce arts and science dated 11.04. 2018.

The distinguished speaker of the one- day seminar was Prof. (Dr.) Tapan Kumar Shandilya. He mentioned that the cashless economy brought numerous benefits, streamlining transactions, reducing fraud, and fostering financial inclusion. Electronic payments became the norm, enhancing convenience and efficiency for businesses and individuals alike. Professor Umesh Prasad Head Department of Economics, Prof. K. N Yadav, Prof. Ramesh Chowdhary, Prof. Mridula Kumari, Prof. Sanjay Pandey and Prof. Baikunth Roy etc., shared their views on the cashless economy.

The centre of discussions on the cashless economy was cashless transactions which offer the ease of making payments anytime and anywhere, reducing the need to carry physical cash. Digital transactions are often more secure, with built-in-encryption and authentication measures, minimizing the risk of theft or loss compared to physical cash. A cashless economy can provide access to financial services for those without traditional banking facilities, fostering greater financial inclusion. Digital transactions leave a traceable record, promoting transparency and reducing the likelihood of corruption or illicit activities. A cashless system can help in curbing the circulation of black money and illicit transactions, as electronic trails make it more challenging to engage in illegal financial activities. The total number of participants in the seminar was 194.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

न कहा कि असारा न दा।

NEWS के 2018, 11, 11

## कैशलेस अर्थव्यवस्था भ्रष्टाचार रोकने में सहायक

पटना (एसएनबी)। कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना में बुधवार को अर्थशास्त्र विभाग की ओर से कैशलेस अर्थव्यवस्था पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने देश के आर्थिक विकास को गति देने के लिए कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लोगों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रों को डिजिटल वॉलेट, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग, प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कैशलेस अर्थव्यवस्था आतंकवाद, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग पर रोक लगाने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

अध्यक्षीय भाषण में अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो उमेश प्रसाद ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था विकासशील



सेमिनार को संबोधित करते कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ तपन कुमार शांडिल्य।

अर्थव्यवस्था है और भारत में कैशलेस अर्थव्यवस्था को पूरी तरह लागू करने के लिए हमें लोगों को जागरूक करने के माध्यम से इंटरनेट समेत आधारभूत संरचनाओं को विकसित करने की जरूरत है। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा प्रो केएन यादव, प्रो रमेश चौधरी, प्रो मुदुला कुमारी,

प्रो संजय पांडेय और डॉ वैकुण्ठ राय, कॉलेज मीडिया सेल के डॉ तारिक फातमी समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र-छात्राये उपस्थित थे।

**सांस्कृतिक समारोह में लूमे छात्र-छात्राएं**  
पटना। कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना में बुधवार को स्नातकोत्तर

कॉलेज ऑफ कॉमर्स में हुआ  
व्याख्यान का आयोजन

अर्थशास्त्र विभाग के फाइनेल ईयर के छात्र-छात्राओं को विदाई देने और प्रथम वर्ष छात्र-छात्राओं के स्वागत के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वेस्टर्न नृत्य में नीरज, सुमित, सुचि, रोहित, विट्ठी और विकास ने अपनी परतुति से लोगों का मन मोह लिया जबकि संगीत में माया, अमिका, अभिलाषा और निर्मला के गीतों ने दर्शकों को झुमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की सफल एंकरिंग शिबु राज, सौरभ और अविना ने की। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो तपन कुमार शांडिल्य, विभागाध्यक्ष प्रो उमेश प्रसाद, प्रो केएन यादव, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो कुमारी लक्ष्मी, प्रो मुदुला कुमारी, कुलतन्त्रास्सक डॉ मनोज कुमार समेत विभाग के शिक्षकों और छात्रों के अलावा बड़ी संख्या में अन्य विभागों के शिक्षक और छात्र-छात्राये उपस्थित थे।

Fig: newspaper clipping of the seminar on cashless economy on 11.04.2018

## कैशलेस सिस्टम भ्रष्टाचार रोकने में सहायक



पटना। कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में बुधवार को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा कैशलेस अर्थ व्यवस्था पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रधानाचार्य प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने देश के आर्थिक विकास को गति देने के लिए कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में कैशलेस अर्थ व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रों को डिजिटल वॉलेट, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग, प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) के इस्तेमाल करने का सुझाव दिया।

Fig: newspaper clipping of the seminar on cashless economy on 11.04.2018



पटना

गुरुवार, १२ अप्रैल, २०१८

6

## कैशलेस अर्थ व्यवस्था आतंकवाद और भ्रष्टाचार रोकने में सहायक

पटना (आससे)। कालेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइंस पटना में बुधवार को अर्थ शास्त्र विभाग द्वारा कैशलेस अर्थ व्यवस्था पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रधानाचार्य प्रोफेसर डा तपन कुमार शॉडिल्या ने देश के आर्थिक विकास को गति देने के लिए कैशलेस अर्थ व्यवस्था को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में कैशलेस अर्थ व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लोगों विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रों को डिजिटल वॉलेट एंजिनियरिंग, नेट बैंकिंग, प्वाइंट ऑफ सेल, पीओएस के

इस्तेमाल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कैशलेस अर्थ व्यवस्था आतंकवाद, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग पर रोक लगाने में सहायक सिद्ध हो सकती है। अपने अध्यक्षीय भाषण में अर्थ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उमेश प्रसाद ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था विकासशील अर्थव्यवस्था है और भारत में कैशलेस अर्थ व्यवस्था को पूरी तरह लागू करने के लिए हमें लोगों को जागरूक करने के साथ साथ इंटरनेट समेत आधारभूत संरचनाओं को विकसित करने के जरूरत हैं। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा प्रो. एन यादव, प्रो. रमेश चौधरी, प्रो. मुदुला कुमारी, प्रो. संजय पांडेय और डॉ. बैकुंठ राय समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

### आईस मेक का सौर ऊर्जा संचालित शीत कक्ष

पटना (आससे)। आईस मेक रेफेरीजेशन लिमिटेड, कूलिंग इक्विपमेंट मैनुफैक्चरिंग कम्पनी ने बिहार के आंतरिक क्षेत्रों जहां भंडारण के लिए उचित तापमान और पर्याप्त बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं है के लिए एक सौर ऊर्जा संचालित पोर्टेबल कोल्ड स्टोराज शीत कक्ष लॉन्च किया है। लगभग ४-५ मीट्रिक टन की भंडारण क्षमता व ११-१२ लाख रुपये की लागत वाले इस शीत कक्ष के उपयोग से फल, सब्जी व अन्य पदार्थों की गुणवत्ता, ताजगी, शेल्फ-लाइफ को बनाए रखने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। बिहार में मुख्य रूप से उत्पादन लगभग १५ मिलियन मीट्रिक टन होता है लेकिन पर्याप्त मात्रा में शीत भंडारण सुविधाओं की कमी के कारण इन उत्पादों का लगभग ३० से ४० प्रतिशत नाश होने से किसानों को भारी नुकसान होता है।

Fig: newspaper clipping of the seminar on cashless economy on 11.04.2018

### NATIONAL SEMINAR ON "IMPACT OF CLIMATE CHANGE ON INDIAN ECONOMY: AN ANALYSIS" ON 17.04.2018.

A one-day National Seminar was organised by Department of Economics, College of Commerce Arts and Science on "Impact of Climate Change on Indian Economy: An Analysis" on 17.04.2018. The seminar presided by Prof. (Dr.) Tapan Kumar Shandilya, Principal. Dr. Dalip Kumar, Head of National Council of applied Economic Research, New Delhi was the main speaker. He emphasized that climate change has significantly impacted the economy, causing disruptions in various sectors. Extreme weather events, rising sea levels, and shifts in agriculture patterns have led to increased costs for businesses and governments. The need for adaptation measures and the potential for damage to infrastructure pose challenges, affecting economic stability and growth. The total number of participants in the seminar was 67.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





fig: photograph of the national seminar entitled "impact of climate change on Indian Economy: an analysis.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



# जलवायु परिवर्तन से इकोनॉमी पर पड़ रहा असर

सिटी भास्कर | पटना

कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस में मंगलवार को अर्थशास्त्र विभाग की ओर से भारतीय अर्थव्यवस्था पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर लेक्चर में मुख्य वक्ता के रूप में नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लाइड इकोनॉमिक्स रिसर्च के प्रो. दिलीप कुमार आए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण न केवल प्रकृति का संतुलन प्रभावित हो रहा है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। जलवायु परिवर्तन के परिणाम स्वरूप



भारत की मानसूनी प्रणाली और कृषि व्यवस्था में बदलाव आया है। किसान लगातार सूखे और बाढ़ की समस्या से त्रस्त हो रहे हैं। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्या ने कहा कि

वैज्ञानिकों ने भविष्य में जलवायु परिवर्तन की घटनाओं में बढ़ोतरी की आशंका जताई है। भविष्य में यह देश के लिए एक गंभीर चुनौती की स्थिति हो सकती है क्योंकि भारत की लगभग 50 फीसदी

जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश प्रसाद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के वर्ल्ड इकोनॉमिक्स आउटलुक की ओर से जारी एक अध्ययन में स्पष्ट बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत जैसे कृषि आधारित विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर सर्वाधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। व्याख्यान के दौरान प्रो. प्रवीण कुमार, डॉ. वैकुण्ठ राय, प्रो. महेंद्र प्रताप सिंह, प्रो. केबी पद्मदेव, प्रो. रमेश चौधरी, प्रो. मृदुला कुमारी, डॉ. संजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

fig: newspaper clipping of the national seminar entitled "impact of climate change on Indian Economy: an analysis.

## NATIONAL SEMINAR ON 'SAHITYA KE YUGPURUSH DINKAR' ON 26.04.2018.

A one-day national seminar was organised by college of commerce arts and science in collaboration with Dinkar Sanskriti Sangam Nyaas on 'Sahitya Ke Yugpurush Dinkar' dated 26.04.2018. A tribute ceremony was held at the college of commerce arts and science in memory of the national poet Dinkar. Former head department of Hindi Prof. Siyaram Tiwari of shanti niketan University presided the seminar. Prof. Sidheswar Prasad former governor of Tripura said Dinkar was a literary stalwart. "Inspiring Youthful consciousness in the minds of people is the primary objective of his poems," stated parliamentarian Dr. Arun Kumar. Dr. Tapan Kumar Shandilya stated that Dinkar, a renowned Hindi poet, played a pivotal role in shaping literature. Vidhaan parshad Dr. Ram Bachaan Rai stated "his impactful verses and Profound themes resonated with readers, reflecting societal nuances. His legacy endures, leaving an indelible mark on Indian poetry. The total number of participants in the seminar was 203.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig: photograph of the national seminar entitled sahyta ke yug purush dinkar on 26.04.2018



Fig: newspaper clipping of the national seminar entitled sahyta ke yug purush dinkar on 26.04.2018

*[Signature]*  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



### **SEMINAR ON EMPLOYMENT GENERATION ON 10.05.2018**

NIIT visited the college of commerce arts and science on 10.05.2018 to motivate students, providing them with opportunities to enhance their skills and find employment inspiring and guiding them towards future success.

Guidelines provided by NIIT, which visited the college, are as follows:

Investing in vocational training programs equips youth with practical skills, aligning their expertise with industry demands and fostering employability.

Encouraging entrepreneurship among youth through financial support, mentorship, and skill building programs can create job opportunities and contribute to economic growth.

Strengthening ties between educational institutions and industries ensures that academic curricula align with the current job market requirements, enhancing the employability of graduates.

In the era of technology, providing training in digital skills enhances the adaptability of youth, making them competitive in a digital workplace.

Facilitating internships and apprenticeships connects youth with real-world work experience, enhancing their practical skills and increasing their chances of securing employment.

implementing targeted government schemes and subsidies for businesses that actively hire and train youth can stimulate job creation and skill development.

Creating platforms for networking and collaboration within industries allows young Professionals to connect with potential employers, fostering a dynamic job market.

Alongside technical skills, focusing on soft skills such as communication, teamwork, and problem-solving enhances the overall employability and effectiveness of the youth workforce.

Establishing specialized training centres for industries in high demand can ensure that youth are equipped with the specific skills required for those sectors.

Encouraging a culture of continuous learning through workshops, online courses and seminars enables youth to stay updated with industry trends, enhancing their long term employability.

The total number of participants in the symposium was 158.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig: photo of seminar entitled employment generation on 10.05.2018**

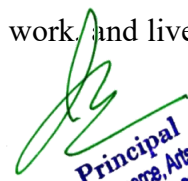


**Fig: photo of seminar entitled employment generation on 10.05.2018**

### **SEMINAR ON EMPLOYMENT AND SKILL DEVELOPMENT IN THE FIELD OF INFORMATION TECHNOLOGY (SOFTWARE) ON 15.05. 2018.**

A seminar on employment and skill development in the field of information technology (software) was organized at the college of commerce arts and science on 15.05. 2018.

Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the Seminar. Vikash Swarup was the guest of honour of seminar. Experts share insights on it solutions and innovations. They mentioned that information technology is transformative, shaping how we communicate, work, and live.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

It accelerates progress but also raises concerns about privacy and security. Balancing innovation with ethical considerations is crucial for a sustainable and inclusive it landscape. Skill development is essential for personal and Professional growth. Continuously acquiring new abilities enhances adaptability in a rapidly evolving world. Training, education, and practical experience contribute to a well-rounded skill set, empowering individuals to navigate diverse challenges and opportunities. Attendees gain practical skills for the evolving digital landscape.

Professor Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar. Mr. A. K Sharma was the Guest of Honour of the Seminar. The experts stated that in the competitive landscape of the software industry, possessing strong employability skills is crucial for securing jobs. Proficiency in programming languages, problem-solving abilities, and a solid understanding of software development methodologies are fundamental. Effective communication, teamwork, and adaptability are also highly valued traits. Continuous learning and staying updated with industry trends shoe case a candidate's commitment to Professional growth. Employers seek individuals who not only excel in technical aspects but also demonstrate a holistic skill set that aligns with the dynamic nature of the software field, making them valuable contributors to a successful team. The total number of participants in the seminar was 219.



**Fig: photo of seminar entitled employment and skill development in the field of information technology (software) on 15.05.2018.**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig: photo of seminar entitled employment and skill development in the field of information technology (software) on 15.05.2018.

youth  
केपस



कौशल संपन्न छात्रों के लिए रोजगार के अवसर कल भी थे और आज भी हैं। आवश्यकता इस बात की है कि छात्रों को समय पर रोजगार की जानकारी उपलब्ध करायी जाए।

— प्रो. तपन कुमार शाहिल्य, प्रिंसिपल

पटना। बुधवार • 16 मई • 2018

# अच्छी नौकरी के लिए व्यावहारिक ज्ञान जरूरी

शुभ  
विविध  
ह  
की  
सठने  
सोजित  
व  
पत्र  
ग की  
से  
दे  
स्य के  
दर से  
ने  
ने  
छात्र  
शिक्ष  
लें को  
टीन  
में

पटना (एसएनई)। कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना और प्रोग्नोज टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार और कौशल विकास विश्व पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रोग्नोज टेक्नोलॉजी, मुंबई के प्रबंध निदेशक विकास स्वस्व ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य व्यावहारिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों के छात्रों को अच्छी

कॉलेज ऑफ कॉमर्स में 'सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार और कौशल विकास' विषय पर आयोजित सेमिनार में विशेषज्ञ ने दिये सुझाव

नौकरी प्राप्त करने के लिए परिश्रम देना और बहुदलीय कंपनियों में उनके चयन के लिए मार्ग प्रदर्शन करना है। पटना केंद्र के निदेशक प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि अच्छी नौकरी पाने के लिए तीन चीजों का होना आवश्यक है, एक डिग्री, दूसरा कम्युनिकेशन स्किल और तीसरा डिग्री से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान। उन्होंने कहा कि अगर छात्र इन चीजों का ध्यान रखें तो उन्हें



सेमिनार को संबोधित करते बजला।

बेहतर नौकरी पाने में कोई कठिनाई नहीं होगी। सेमिनार की अध्यक्षता प्रिंसिपल प्रोफेसर तपन कुमार शाहिल्य ने की। उन्होंने कहा कि कौशल संपन्न छात्रों के लिए रोजगार के अवसर कल भी थे और आज भी हैं। आवश्यकता इस बात की है कि छात्रों को समय पर रोजगार की जानकारी उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने छात्रों के प्लेसमेंट पर जोर देते हुए कहा कि आईटी के क्षेत्र में रोजगार की अभी भी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय यह सुनिश्चित करेगा कि छात्र छात्राओं को प्लेसमेंट में कोई कठिनाई न हो। सेमिनार में

पावर प्वाइंट की सहायता से छात्रों को रोजगार हासिल करने संबंधी बारीकियां बताई गयीं। सेमिनार में अरुण कुमार शर्मा, सुशील मिश्र, प्रो संतोष कुमार, प्रो संजय पांडे, प्रो केपी वादव, प्रो जेपी गटकर और प्रो मृदुला कुमारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रो सलोनी कुमार, प्रो मनोज कुमार, प्रो तारिक परतवी, प्रो रश्मि आखौरी, प्रो अरुण अशरफ़ी, डॉ मुन्ना फजल और डॉ वैकुण्ठ राय समेत बड़ी संख्या शिक्षक और विभिन्न व्यावहारिक और परम्परागत पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं उपस्थित थे।

शिक्षा की गुणवत्ता और मूल्य दोनों पर ध्यान देना जरूरी : कुलपति

पटना (एसएनई)। इंद्रिय मेमोरियल एजुकेशन एंड रिसर्च संस्थान, पटना विश्वविद्यालय की ओर से इंद्रिय मिश्र स्मृति व्याख्यान पटना ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित हुआ। कुलपति प्रो. राम विश्वी प्रसाद मिश्र ने स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़े मुद्दों पर बर्त करते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता एवं मूल्य दो अलग मुद्दे हैं और दोनों पर उचित ध्यान देना आवश्यक है। अधिबन्ध के लिए पाठ्यचर्चा एवं संसाधन का बचन संदर्भ के अनुसार करना आवश्यक है।

जेपी शिबि, छपरा के कुलपति प्रो. हरिकेश मिश्र ने शिक्षा में राज्य और लोक भूमिका पर चर्चा की। एएन विद्या संस्थान के निदेशक प्रो सुनील रे ने शिक्षा में प्रभावकारिता, समता व धार्मिकता पर प्रकाश डाला। प्रो कुमार सुरेश ने मौलिक अधिकार के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा पर वृत्त चर्चा की। व्याख्यान में शिक्षा संकाय के अध्यक्ष प्रो खुशेद कुमार, डॉ गोपाल प्रसाद, डॉ अर्पिता कुमर ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुपाकर मिश्र और पंचकद तपन पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ ललित कुमार ने किया।

Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig: newspaper clipping of the seminar entitled employment and skill development in the field of information technology (software) on 15.05.2018.**

**WORKSHOP ON ‘THE ROLE OF TEACHER’S IN SHAPING YOUNG MINDS’ ON 16.05.2018.**

In honour of the teachers, students of History Department, College of commerce arts, and science conducted a workshop on ‘the role of teacher’s in shaping young minds’ on 16.05.2018. They mentioned that teacher’s play a pivotal role in shaping minds and fostering a love for learning. Their guidance goes beyond textbooks, influencing character development and instilling valuable life skills. The impact of a dedicated teacher extends far beyond the classroom, leaving a lasting imprint on students’ lives. The total number of participants in the workshop was 74.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



# शिक्षकों के सम्मान में छात्रों ने की थैंक्स गिविंग पार्टी



कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित सम्मान समारोह में मौजूद शिक्षक।

पटना (एसएनटी)। कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना में इतिहास विभाग के वर्ड ईयर के छात्रों ने शिक्षकों के सम्मान में थैंक्स गिविंग पार्टी का आयोजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य प्रोफेसर तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि विद्यार्थी से ही शिक्षण संस्थानों की पहचान बनती है। महाविद्यालय में योग्य शिक्षकों की कमी नहीं है। छात्र इनसे जितना हो सके ज्ञान अर्जित करें।

इतिहास विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुशीला सहाय ने कहा कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में अनुशासन और प्रतिभा की कमी नहीं है। यही कारण है कि इतिहास के छात्र विहार ही नहीं बल्कि पूरे देश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। कुलानुशासक प्रो. मनोज कुमार ने छात्रों को

अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखने की सलाह दी। छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये जिसमें प्रिया के घुमर घुमर... और आयशा के छम छम छम... पर क्लासिकल नृत्य ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं निशिन, आमिन और समीर द्वारा कॉलेज लाइफ पर आधारित नाटक को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इनके अलावा प्रियंका, अर्चना, सलोनी और पूनम ने भी

फिल्मी गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किये। मौके पर इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. उषा प्रसाद, प्रो. राजेश शुक्ला, प्रो. सुनीता लाल, प्रो. गिरिश कुमार समेत बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अरणव और नेहा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राजीव रंजन ने किया।

कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित  
समारोह में पेश किये गये नृत्य  
और संगीत के रंगारंग कार्यक्रम

Fig: newspaper clipping of workshop entitled 'the role teachers in shaping young minds' on 16.05.2018.



**NATIONAL SEMINAR ON “MODERN PERSPECTIVES IN MATHEMATICS” ON 29.05.2018.**

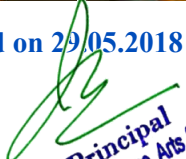
The Bihar mathematical society, in collaboration with the college of commerce arts and science, Patna, organized a one-day national seminar on “modern perspectives in mathematics” dated 29.05.2018. The seminar highlighted that the contemporary era is an it era where mathematics serves as the heart of this period.

Pro VC of Patliputra University Girish Kumar Chowdhary inaugurated the seminar he emphasized that the contemporary era is an it era, highlighting the crucial role of mathematics, stating that development is impossible without it. The chief guest of the seminar, former VC of Veer Kumar Singh University Azhar Hussain, praised Umar Khyaam as a great mathematician. The keynote speaker, head of the department of mathematics, Professor B. J. Prasad, emphasized the need to remove the fear of mathematics from children. Professor Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar.

The total number of participants in the seminar was 230.



fig: photo of national seminar on modern prospectives in mathematics organised on 29/05.2018

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## गणित के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है

पटना ( आससे )। कालेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एण्ड साइंस में बुधवार को बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी के तत्वावधान में "आधुनिक परिप्रेक्ष्य में गणित" पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन पाटि लिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रतिकूलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने किया। प्रो. चौधरी ने कहा कि वर्तमान युग आईटी का युग है। इसलिए गणित अति आवश्यक है और इस इसके बगैर विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। विशिष्ट अतिथि के रूप में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अजहर हुसैन ने गणित के विकास में उमर खय्याम के योगदान पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें अपने युग का महान गणितज्ञ बताया। मुख्य वक्ता पटना विश्वविद्यालय के गणित के विभागाध्यक्ष प्रो. बी जी प्रसाद ने कहा कि गणित में नया और पुरान कुछ नहीं होता है। आवश्यकता इस बात की है कि बच्चों के दिलों में गणित के भय को



समाप्त करने के लिए गणित को रोचक बनाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय, अमेरिका के प्रो. जेएन सिंह ने बिहार के पाठ्यक्रम में संशोधन करने और गणित की ओर छात्रों को आकर्षित करने के लिए सरल भाषा में गणित को समझाने की आवश्यकता पर बल दिया। सेमिनार की अध्यक्षता प्रिंसिपल प्रोफेसर तपन कुमार शॉडिल्या ने की। प्रो. शॉडिल्या ने

कहा कि गणित का महत्व कल भी था आज भी है और कल भी रहेगा। उन्होंने कहा कि गणित की उपयोगिता जीवन के सभी क्षेत्रों में है। यह मात्र विषय नहीं, एक ऐसी कला है जिसके बिना जीवन सम्पूर्ण नहीं होता। भौतिक के प्रो. संतोष कुमार ने पावर प्वाइंट के माध्यम से भौतिकी समेत जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में गणित के महत्व और उसकी

### 'आधुनिक परिप्रेक्ष्य में गणित' पर सेमिनार

उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

सेमिनार को प्रो. जैनेन्द्र कुमार, प्रो. जेएन सिंह और प्रो. के सी सिन्हा ने भी संबोधित किया। बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी के संयोजक डा. विजय कुमार ने सेमिनार के विषय और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अतिथियों को स्वागत गणित के विभागाध्यक्ष प्रो. एम जेड आलीम ने किया। प्रो. विनोद कुमार मंगलम ने मंच का संचालन किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. प्रतिभा यादव ने किया।

इस अवसर पर प्रो. केएन यादव, प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. अनिल ठाकुर, कुलानुशासक डा. मनोज कुमार, डा. अभय कुमार, डा. इम्तियाज हसन समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र-छात्राध्यक्ष उपस्थित थे।

Fig: newspaper clipping of national seminar on modern perspectives in mathematics organised on 29.05.2018

### WORKSHOP ON "SAVE EARTH" AND PLANTATION ON ENVIRONMENTAL DAY ON 5.06.2018.

Workshop on "save earth" and plantation on environmental day was organized at the college of commerce arts and science Patna on 5.06. 2018. Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar. Prof. Tapan Kumar mentioned that environmental day serves as a crucial reminder of our responsibility to protect and preserve the earth. It's a time to reflect on sustainable practices, promote eco-conscious choices, and collectively work towards a healthier planet for future generations. Every small effort counts in nurturing our environment and fostering a sustainable coexistence. He further mentioned that sustainable development involves meeting the needs of the present without compromising the ability of future generations to meet their own needs. It encompasses economic, social, and environmental considerations. Key aspects include responsible resource management, social equity, and environmental conservation. Achieving sustainable development requires a global commitment to balance progress with environmental

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



preservation and social justice, fostering a resilient and harmonious world current and future inhabitants.

Dr. Manoj Kumar, Prof. Ashutosh Kumar Sinha, Prof. Santosh Kumar, Prof. Mridula Kumari, Dr. Khalid Ahmad, Prof. Tariq Fatmi graced the occasion. The total number of participants in the workshop was 58.



**Fig: photo of workshop on save earth and plantation on environmental day on 05.06.2018**



# घरघर में पेड़ लगाने की प्राचार्य ने की अपील

पटना (एसएनबी)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंगलवार को कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना में वृक्षारोपण किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने महाविद्यालय स्थित वनस्पति उद्यान में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घरघर जाकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि योजनाबद्ध तरीके से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया जाए। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान कुलानुशासक डॉ मनोज कुमार, प्रो आशुतोष कुमार सिंह, प्रो संतोष कुमार, प्रो सलोनी कुमार, प्रो मृदुला कुमारी, डॉ संगीता सिंह, डॉ खालिद अहमद, मीडिया सेल के प्रो तारिक फातमी, छात्र संघ अध्यक्ष विकास कुमार, काउंसिल सदस्य हेम राज समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र-छात्रावें उपस्थित थे।

Fig. Newspaper clipping of workshop on save earth and plantation on environmental day on 05.06.2018

## WORKSHOP ON 'VAN MAHOTSAV' ORGANIZED ON 07.6.2018

Workshop on 'Van Mahotsav' was organized by nss wing of college of commerce arts and science on 07.06.2018. Prof. Tapan Kumar presided over the workshop. He mentioned that van mahotsav or tree plantation day, is an annual celebration in India dedicated to planting trees and raising awareness about the importance of forests. It typically takes place in the first week of July, encouraging communities to come together for afforestation efforts. This initiative aims to combat deforestation, promote environmental sustainability, and instill a sense of responsibility towards nature among citizens. Trees planted during van mahotsav contribute to ecological balance, biodiversity, and the overall well-being of the planet. The total number of participants in the workshop was 63.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**Fig. Photo of workshop on van mahotsav organised on 07.06.2018**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

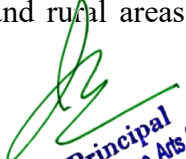


**Fig. Photo of workshop on van mahotsav organised on 07.06.2018**

**SYMPOSIUM ON “ EDUCATION SYSTEM IN BIHAR” ORGANIZED ON  
13.06.2018**

A one- day symposium was organized by the college of commerce arts, and science, on “Education system in Bihar” dated 13.06.2018. Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar. He mentioned that Bihar has a rich cultural and historical background, contributing to a unique educational experience. There have been efforts to enhance educational infrastructure, including schools and colleges in the state. Various government initiatives aimed at improving literacy rates and access to education, such as scholarships and financial aid programs.

Challenges with the overall quality of education, including outdated curricula and insufficient teaching resources. Disparities in educational infrastructure between urban and rural areas,

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



affecting access to quality education. Shortages of qualified and well-trained teachers, impacting the effectiveness of the learning environment. Despite improvements, Bihar's literacy rates remain lower compared to many other states in India, indicating ongoing challenges in the education system. The total number of participants in the symposium was 175.



**Fig. Photo of symposium on education system in Bihar organised on 13.06.2018**

**WEBINAR ON THE TOPIC “CONDONING CORRUPTION: WHO VOTES” ON  
6.07. 2018.**

The madden school of business at le Moyne College, New York, u. S. A, organized a webinar in collaboration with college of commerce arts and science, Patna, on the topic “conditioning

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

corruption: who votes”. The speaker was Dr. Chandan Jha, and the event was presided over by Professor Tapan Kumar Shandilya on 6.07. 2018.

Dr. Chandan Kumar Jha ‘s statement aligns with the widely recognized issue of corruption in various sectors of Indian society, including government, bureaucracy, and business. He mentioned that over the years, there have been efforts to address and curb corruption through legal and institutional measures, but it remains a persistent challenge. Acknowledging and addressing corruption is crucial for fostering a transparent and accountable system in india.

Prof. Tapan Kumar Shandilya in his opening remark mentioned that corruption undermines the democratic process by conditioning voters through illicit means, influencing their choices with bribes or unethical practices. This erodes the fundamental principles of fair elections, compromising the integrity of the voting system. When corruption seeps into electoral processes, it distorts the representation of the people’s will and weakens the foundation of a healthy democracy. Efforts to combat corruption in voting are essential to safeguard the democratic ideals of transparency, accountability, and equal representation. The total number of participants in the webinar was 57.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig. Photo of webinar on the topic condoning corruption: who votes on 06.07.2018

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020

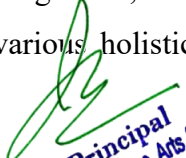


**Fig. Photo of webinar on the topic condoning corruption: who votes on 06.07.2018**

### **INTERNATIONAL SEMINAR ORGANIZED ON STRESS MANAGEMENT AND ENERGIC HEALING DATED 16.07.2018**

P.G. Department of Psychology College of Commerce in collaboration with iqac organized an international seminar on stress management and energetic healing dated 16.07.2018. Invited speaker was Prof. C. N. Daftuar, Pune and Mr. Chin Kheng Boon, Singapore. Dr. Tapan Kumar Shandilya principal of the college presided over the conference.

They emphasised that stress management involves adopting strategies to cope with and reduce stress levels. This can include mindfulness practices, exercise, proper time management, and seeking social support. On the other hand, energetic healing encompasses various holistic

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

approaches aimed at balancing and harmonizing the body's energy systems, such as reiki, acupuncture, or qi gong. While stress management focuses on psychological and lifestyle factors, energetic healing explores the subtle energies believed to influence overall well-being. Both approaches aim to promote physical and mental health through different mechanism. The total number of participants in the seminar was 46.

**IQAC INTERNATIONAL SEMINAR**  
on  
**STRESS MANAGEMENT & ENERGIIC HEALING**  
Invited Speakers  
**Prof. C.N. Daftuar, Pune & Mr. Chin Kheng Boon, Singapore**  
Organised by:  
**P.G. CENTRE OF PSYCHOLOGY**  
**College of Commerce, Arts & Science, Patna - 800 020**

**Date: 16<sup>th</sup> July, 2018      Time : 11.00 AM**

Fig.: Brochure of Stress Management and Energiic Healing organized on 16-7-2018

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig. Photo of international seminar organised on stress management and energetic healing organised on 16.07.2018



Fig. Photo of international seminar organised on stress management and energetic healing organised on 16.07.2018

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig. Newspaper clipping of seminar organised on stress management and energetic healing organised on 16.07.2018

### NATIONAL SEMINAR ON “ THE INCLUSIVE VISION OF SOCIETY” ON 19.07.2018

Department of sociology college of commerce arts, and science, Patna, in collaboration with IQAC organized a one- day national seminar on “The inclusive vision of society” on 19.07.2018. Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar. He emphasized that an inclusive vision of society entails creating a community that embraces diversity, respects individual differences, and equal opportunities for all its members. It emphasizes breaking down barriers based on race, gender, ethnicity, and other characteristics, fostering a sense of belonging for everyone. This approach aims to build a society where everyone has equitable access to resources, opportunities, and participation, fostering a more harmonious and supportive community. The total number of participants in the seminar was 211



**Fig. Photo of national seminar on the inclusive vision of society on 19.07.2018**

**ONE-DAY LECTURE ON 'ULTRA REAL NUMBER' ORGANIZED ON 27.07.2018.**

Department of mathematics, college of commerce arts and science, Patna in collaboration with iqac and Bihar mathematical society organized one-day lecture on ultra-real number on 27.07.2018. The programme was presided over by Dr. Tapan Kumar Shandilya. Dr. Vijay Kumar was distinguished speaker. This is a survey of several approaches to the framework for working with infinitesimals and infinite numbers, originally developed by Abraham Robinson. The total number of participants in the seminar was 51

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**Fig. Photo of one day lecture on ultra real number organised on 27.07.2018**

### **SEMINAR ON “ACHARYA SHIVPUJAN SAHAY: HIS PERSONALITY AND DEEDS” ON 9.08.2018**

The Hindi Department of the college of commerce, arts, and science organized a seminar in collaboration with the internal quality assurance cell iqac of the college on the 125<sup>th</sup> jayanti of Acharya Shivpujan Sahay on “Acharya Shivpujan Sahay: his personality and deeds” dated 09.08.2018. Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar. Hon’ble vice chancellor Prof. Gulabchand ram jaiswal inaugurated the seminar. The distinguished guests was Ushakiran Khan and the keynote speaker was Prof. Mangalmurti.

The main theme discussed in the seminar by various scholars was on aacharya shivpujan sahay’s diverse ideas that could benefit the nation. Acharya shivpujan sahay (1893-1963) was not only a poet and essayist but also a Sanskrit scholar and a distinguished literary figure in Hindi literature. Born in a village in Uttar Pradesh, sahay showed early interest in literature and pursued education in Sanskrit. Sahay served as Professor and later as the head of the Hindi department at Allahabad University. His deep knowledge of Sanskrit and Hindi literature contributed to his academic achievements.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





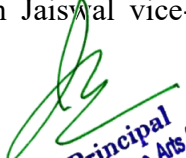
Sahay was a key figure in the chhayavaad literary movement, which emerged in the early 20<sup>th</sup> century. This movement focussed on romanticism, nature, and introspection in poetry. Sahay's poetic works exemplify the essence of chhayavaad. Apart from "satrange par sajati hai" sahay's other notable works include "chhayavaad" and "Hindi Sahitya Ka Itihas" these writings reflect his critical insights into hindi literature and the chhayavaad movement. Sahay received several honors for his contributions to literature. He was awarded the sahitya academy award for his work "chhayavaad". Acharya shivpujan sahay is remembered as a leading figure in the Hindi literary world. His poetry is cherished for its emotional depth, aesthetic appeal, and philosophical reflections. The total number of participants in the seminar was 195.



**fig. Photo of seminar on Acharya Shivpujan Sahay: His Personality and Deeds on 09.08.2018**

### **SYMPOSIUM ON 'RELEVANCE OF GANDHIAN PHILOSOPHY IN THE PRESENT PERSPECTIVE' ORGANIZED ON 09.10.2018**

On the occasion of 150 years of celebrating the mahatma symposium on 'relevance of Gandhian philosophy in the present perspective' was organized in the college of commerce, arts and science Patna-20, dated 09.10.2018. The main speakers were Prof. Hemnath Rao Hanumankar director, development management institute, Patna and Prof. Parmanand Singh hod, Gandhian thought, T.M Bhagalpur University. Prof. Gulab Chand ram Jaiswal vice-

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



chancellor, Patliputra University and Prof. Girish Kumar Chowdhary pro-vice chancellor, Patliputra University attended the symposium and were chairperson of the symposium. Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the symposium.

They emphasized that Gandhian philosophy remains relevant today as it emphasizes non-violence, truth, and social justice. In the present perspective, Gandhi's teachings offer valuable insights for conflict resolution, ethical governance, sustainable development. His emphasis on simplicity, community welfare, and the empowerment of the marginalized is particularly pertinent in addressing contemporary challenges such as environmental sustainability, social inequality, and global harmony. Gandhi's principles continue to inspire movements and leaders striving for a more just and compassionate world. The total number of participants in the symposium was 187.



Fig. Photo of symposium on relevance of Gandhian Philosophy in the present perspective organised on 09.10.2018

**SEMINAR ON “THE ROLE OF MATHEMATICS IN THE DEVELOPMENT OF SOCIETY “ ON 14.10.2018**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



The Bihar mathematical society organized a seminar at the college of commerce arts and science, Patna, on “the role of mathematics in the development of society” dated 14 .10. 2018. On this occasion, the website of the mathematical society was launched. The mathematician Lalji Prasad was honoured with a lifetime achievement award. Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar. K.C. Sinha, Prof. D.N. Singh, Dr. Vijay Kumar, Prof. B.G Prasad, and Prof. P.K.Sharan graced the occasion. The programme was conducted by Prof. Mahendra Prasad.

The intellectuals present at the seminar stated that mathematics is a fundamental tool that goes beyond numbers and equations; it is a key to unlocking understanding in various fields. It fosters critical thinking, problem-solving skills, and logical reasoning. From shaping scientific discoveries to driving technological advancements, mathematics plays a pivotal role in innovation and progress. Its universal language provides a foundation for communication in various disciplines, making it an essential element in education and the development of analytical minds. In essence, mathematics is not just a subject; it is a cornerstone of knowledge and a catalyst for intellectual growth. The total number of participants in the seminar was 227.

## समाज के विकास में 'गणित के योगदान' पर सेमिनार

पटना ( आससे ) । बिहार मैथमैटिकल सोसाइटी के तत्वावधान में रविवार को कालेज ऑफ कामर्स आर्ट्स एण्ड साइंस पटना में रोल आफ मैथमेटिक्स इन द डेवलपमेंट ऑफ सोसाइटी विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया । इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज के विकास में गणित के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

वक्ताओं का कहना था कि मनुष्य आदि काल से ही गणित का उपयोग करता आ रहा है और आज नंबर सिस्टम की बदौलत दूसरे ग्रहों पर भी अपना अधिपत्य जमाने में लगा है । वक्ताओं ने गणित के पाठ्यक्रम में संशोधन की आवश्यकता पर भी जोर दिया । इससे पहले अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने समाज के विकास में गणित की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

इस अवसर पर सोसायटी की आधिकारिक वेबसाइट की लांचिंग भी की गई । समारोह के दौरान वरिष्ठ गणितज्ञ प्रो. लाल जी प्रसाद को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया । सेमिनार में प्रो. के सी सिंहा, प्रो. डी एन सिंह प्रो. गणेश कुमार प्रो. एन सिंह सेमिनार के संयोजक डा. विजय कुमार प्रो. बी जी प्रसाद और प्रो. पी के शरण समेत राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए मंच संचालन प्रो. महेंद्र प्रसाद ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञान डा. कृष्ण नन्दन प्रसादन ने किया ।

Fig. Newspaper clipping of seminar on the role of mathematics in the development of society on 14.10.2018

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

# आदि काल से हो रहा गणित का उपयोग

मंथन

पटना | वरीय संवाददाता

बिहार मैथमैटिकल सोसाइटी की ओर से रविवार को कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस में 'रोल ऑफ मैथमैटिक्स इन द डेवलपमेंट ऑफ सोसाइटी' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। वक्ताओं का कहना था कि मनुष्य आदि काल से ही गणित का उपयोग करता आ रहा है। वक्ताओं ने गणित के पाठ्यक्रम में संशोधन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने किया।

मौके पर सोसाइटी की वेबसाइट लान्च की गई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ गणितज्ञ प्रो. लाल जी प्रसाद को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।



बिहार मैथमैटिकल सोसाइटी की ओर से कॉलेज ऑफ कॉमर्स में रविवार को पुस्तक का विमोचन करते प्राचार्य तपन शांडिल्य व अन्य। ● हिन्दुस्तान

सेमिनार में अन्य लोगों के अलावा प्रो. केसी सिन्हा, प्रो. डीएन सिंह, प्रो. गणेश कुमार, प्रो. एन सिंह, सेमिनार के संयोजक डॉ. विजय कुमार, प्रो. बीजी प्रसाद और प्रो. पीके शरण समेत राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों

से आए शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन प्रो. महेंद्र प्रसाद ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कृष्ण नन्दन प्रसाद ने किया। समारोह में प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. आशुतोष कुमार सिन्हा, प्रो. कौशलेन्द्र कुमार सिंह आदि थे।

Fig. Newspaper clipping of seminar on the role of mathematics in the development of society on 14.10.2018

5 youth कैंपस

इंग्लैंड देश का सबसे बड़ा खुला विश्वविद्यालय बन चुका है। सुदूर इलाके में छात्र-छात्राएं इंग्लैंड के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

प्रो. अभिलाष नायक  
क्षेत्रीय निदेशक, इंग्लैंड

---

पटना | सोमवार • 15 अक्टूबर • 2018

## मनुष्य आदिकाल से ही करता रहा है गणित का उपयोग

बिहार मैथमैटिकल सोसाइटी के तत्वावधान में हुए सेमिनार में वक्ताओं ने डाला समाज के विकास में गणित के योगदान पर प्रकाश

पटना (एसएनबी)। बिहार मैथमैटिकल सोसाइटी के तत्वावधान में रविवार को कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना में रोल ऑफ मैथमैटिक्स इन द डेवलपमेंट ऑफ सोसाइटी विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज के विकास में गणित के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि मनुष्य आदि काल से ही गणित का उपयोग करता आ रहा है और आज इसके कदम तेज चल रहे हैं और अपने अधिग्रहण क्षमता में लगे हैं। वक्ताओं ने गणित के पाठ्यक्रम में संशोधन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इससे पहले अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने समाज के विकास में गणित की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर सोसाइटी की आधिकारिक वेबसाइट को लॉन्च भी की गई। समारोह के दौरान वरिष्ठ गणितज्ञ प्रो. लाल जी प्रसाद को लाइफ टाइम अचीवमेंट

वरिष्ठ गणितज्ञ प्रो. लाल जी प्रसाद को किया गया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

समारोह में अन्य लोगों के अलावा प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. आशुतोष कुमार सिन्हा, प्रो. कौशलेन्द्र कुमार सिंह और गणित के विभागाध्यक्ष प्रो. एम जेड अहमद, कुलपति/नायक डॉ. मनोज कुमार, शिक्षक संघ के महासचिव प्रो. अरुण कुमार झा, कॉलेज के सीटिया प्रभारी डॉ. तारिक फारूकी समेत वकी संख्या में शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। सेमिनार के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों में गणित विषय के नए नियुक्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सेमिनार के दूसरे चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भोजपुरी और गजल के जलमेतने गायकों ने अपनी प्रस्तुति दी।

बिहार मैथमैटिकल सोसाइटी की ओर से आयोजित सम्मेलन में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त करते वरिष्ठ गणितज्ञ प्रो. लाल जी प्रसाद।

अवार्ड से सम्मानित किया गया। सेमिनार में अन्य लोगों के अलावा प्रो. केसी सिन्हा, प्रो. डीएन सिंह, प्रो. गणेश कुमार, प्रो. एन सिंह, सेमिनार के संयोजक डॉ. विजय कुमार, प्रो. बीजी प्रसाद और प्रो. पीके शरण समेत राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन प्रो. महेंद्र प्रसाद ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कृष्ण नन्दन प्रसाद ने किया।

Fig. Newspaper clipping of seminar on the role of mathematics in the development of society on 14.10.2018

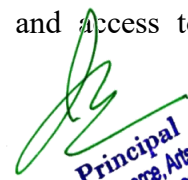
Principal  
 College of Commerce, Arts & Science  
 Patna-800020



Fig. Newspaper clipping of seminar on the role of mathematics in the development of society on 14.10.2018

### SEMINAR ON 'WORLD FOOD DAY' ON 16.10.2018

The college of commerce, arts & science organized a national seminar on 'world food day', sponsored by Bihar state productivity council, on 16.10.2018. Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar. He stated that world food day, observed on October 16<sup>th</sup>, highlights the importance of food security and global hunger. This day serves as a reminder of the need for sustainable agricultural practices, equitable distributions of resources, and access to

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



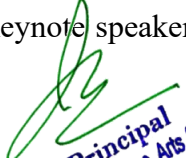
nutritious food for all. It calls for collective efforts to combat hunger, promote agricultural productivity, and ensure a sustainable future where no one goes to bed hungry, world food day emphasizes the crucial role of individuals, communities, and nation in achieving a world free from hunger and malnutrition. The total number of participants in the seminar was 94.



**Fig. Photo of seminar on world food day on 16.10.2018**

### **K.K. SINHA MEMORIAL LECTURE ORGANIZED ON 3.11.2018**

K.K Sinha memorial lecture was organized by department of economics at college of commerce, arts and science, Patna on 3.11.2018. Pravir Krishan (IAS) mentioned that we remember him this day every year with a memorial lecture named after him in Patna, the K.K. Sinha memorial lecture. Dr. Tapan Kumar presided over the lecture and the keynote speaker

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



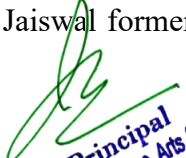
was Kumar Prashant. He mentioned that ethical considerations are vital in ensuring inclusive growth. Policies that address social inequalities and provide opportunities for marginalized communities contribute to a more equitable economy. The total number of participants in the lecture was 177.



**Fig. Photo of K K Sinha memorial lecture organised on 03.11.2018**

### **7<sup>TH</sup> BIHAR SCIENCE CONFERENCE, AN INTERNATIONAL CONFERENCE ON SCIENCE AND TECHNOLOGY ORGANIZED FROM 04.12.2018 To 06.12.2018**

7<sup>th</sup> Bihar science conference an international conference on science and technology was organized at college of commerce arts and science, Patna on 04.06.2018 to 06.12.2018. The chief guest of an international conference was Sri Ravi Shankar Prasad, hon'ble union minister of electronics and information technology, govt. of India. Prof. Gulab Chand Jaiswal former

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

hon'ble vice chancellor of Patliputra University, presided over the inaugural session. Former hon'ble speaker, Bihar vidhan sabha was distinguished guest. Hon'ble chancellor of Nalanda University and father of super computer param Shri Vijay P. Bhatkar was keynote speaker of the seminar. Professor HC Verma IIT Kanpur, former pro VC of mu graced the occasion.

Prof. Tapan Kumar Shandilya welcomed the guests, and Prof. Santosh Kumar conducted the programme.

The honourable minister said, "there is no dearth of talent in Bihar; we need to manifest it. We must minimize the gap between the common people and laboratories" during the seminar the experts emphasized that science and technology play pivotal roles in shaping the contemporary world. Scientific advancements drive technological innovation, leading to breakthroughs in various fields. From medical discoveries and space exploration to communication technologies, the synergy between science and technology continually propels societal progress. This dynamic relationship fosters a cycle of knowledge and application, fuelling advancements the impact our daily lives and the global landscape. The total number of participants in the conference was 253.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4



**7<sup>th</sup> Bihar Science Conference 2018**  
An International Conference on Science & Technology  
**बिहार विज्ञान सम्मेलन 2018**  
04-06 December, 2018

*You are cordially invited to grace the inaugural Function of 7<sup>th</sup> Bihar Science Conference 2018 at College of Commerce, Arts and Science, Patna at 10:00 A.M.*

**CHIEF GUEST**  
**SRI RAVI SHANKAR PRASAD**  
*Hon'ble Union Minister of Electronics and information Technology, Govt. of India*

*Distinguished Guest*  
**Sri Vijay Kumar Choudhary**  
*Hon'ble Speaker, Bihar Vidhan Sabha*

*Keynote Speaker*  
**Shri Vijay P Bhatkar**  
*Hon'ble Chancellor of Nalanda University and Father of Super Computer param*

**Prof. Gulab Chand Ram Jaiswal**  
*Hon'ble Vice-Chancellor Patliputra University will preside the inaugural function.*

  
(Prof. Tapan Kumar Shandilya)

Fig. Invitation card for 7th Bihar science conference, an international conference on science & technology organised from 04.12.2018 to 06.12.2018

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020

## कॉलेज ऑफ कॉमर्स में शुरू हुआ सातवां अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मलेन बिहार की प्रतिभा को पहचानने व निखारने की जरूरत: रविशंकर

छह दिसंबर तक  
चलेगा कार्यक्रम

संवाददाता/पटना

वर्तमान युग सूचना और तकनीक का युग है और आज प्रयोगशाला और आम आदमी के बीच की दूरी कम करने की आवश्यकता है. बिहार में प्रतिभा की कमी नहीं है आवश्यकता है उस प्रतिभा को पहचानने और निखारने की. यह बर्त मंगलवार को केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कही.

मैका था कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस और बिहार ब्रेन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन का. उन्होंने स्टूडेंट्स और शोधार्थी को संबोधित करते हुए बिहार के वैज्ञानिकों को चिकित्सा उपकरणों की नयी तकनीक विकसित करने की सलाह दी. कॉलेज के प्राचार्य प्रो तामन कुमार शांडिल्य ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विज्ञान के शिक्षकों और शोधकर्ताओं से प्रदूषण की समस्या के सम्बन्ध में कार्य करने की सलाह दी. कार्यक्रम की अध्यक्षता पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो गुलाब चंद



तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करते केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद व अन्य .

राम जायसवाल ने की. उन्होंने कहा कि बिहार में प्रतिभा की कमी नहीं है. प्रयास की कमी है. बिहार ब्रेन का लाभ बिहार को नहीं मिल पा रहा है. उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि बिहार के लोग बिहार को साइंस हब के रूप में विकसित करने का प्रयास करें तथा पटना को साइंस सिटी के रूप में विकसित करें.

कॉन्फ्रेंस के फूले दिन पांच टेक्निकल सेशन का आयोजन हुआ.

कॉन्फ्रेंस को नालंदा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति प्रो विजय पी भट्टाकर, डीवाई प्रॉटिल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो प्रभात रंजन, प्रो एचसी वर्मा, बिहार ब्रेन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष विभूति विक्रमादित्य ने संबोधित किया. मंच का संचालन प्रो संतोष कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो एके भास्कर ने किया. कॉन्फ्रेंस का थीम 'साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजुकेशन रिसर्च एंड इनोवेशन फॉर सस्टेनबल डेवलपमेंट'

रखा गया है. इसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक और शिक्षक जुटे हैं. यह कॉन्फ्रेंस छह दिसंबर तक चलेगा. इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा प्रो एके झा, प्रो सलोनी कुमार, प्रो कीर्ति, प्रो एके नाग, प्रो सुरील कुमार, प्रो आशुतोष कुमार सिन्हा, प्रो विजय कुमार, प्रो मुन्वर फजल, कुलानुशासक प्रो मनोज कुमार समेत बड़ी संख्या में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये शिक्षक और शोधकर्ता उपस्थित थे.

Fig. Newspaper clipping of 7th Bihar science conference, an international conference on science & technology organised from 04.12.2018 to 06.12.2018



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig. Photo of 7th Bihar science conference, an international conference on science & technology organised from 04.12.2018 to 06.12.2018**



**Fig. Photo of 7th Bihar science conference, an international conference on science & technology organised from 04.12.2018 to 06.12.2018**

### **NATIONAL SEMINAR ON SRINIVAS RAMANUJAN CONTRIBUTION IN MATHEMATICS ON 22.12.2018**

On the occasion of mathematics day, P.G department of mathematics, college of commerce arts and science, Patna organized a national seminar on “Srinivaas Ramanujan contribution in mathematics” on 22.12.2018. Retd. Prof. P.K Saran, Retd. Prof. D.N. Sharma, Prof. R.K. Verma graced the occasion. Dr. Tapan Kumar Shandilya presided over the seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



During the seminar, the experts emphasized that Srinivasa Ramanujan, an Indian mathematician born in 1887, made ground-breaking contributions to number theory, infinite series, and mathematical analysis. His work includes pioneering results in areas like modular forms and elliptic functions, as well as the discovery of highly unusual and fascinating mathematical identities. Despite facing challenges, Ramanujan's genius significantly influenced the development of modern mathematics. His notebooks, containing continued fractions, continue to be a source of inspiration for mathematicians worldwide. The total number of participants in the seminar was 53.



**Fig. Photo of national seminar on Srinivas Ramanujan contribution in mathematics on 22.12.2018**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig. Photo of national seminar on Srinivas Ramanujan contribution in mathematics on 22.12.2018**

**2019**

**SEMINAR ON CREATIVITY AND ENTREPRENEURSHIP**

**Date: 11.01.2019**

The IQAC of the college organized a seminar dt. 11.01.2019 on the topic “creativity and entrepreneurship” on the occasion of National Youth Day. Chief speaker was Sri Vijay Prakash (Retd. I.A.S.) said that creativity is a skill that can be learned and nurtured. Many people believe that creativity is innate, but this isn't true. Creativity is an important part of the entrepreneurial process because it helps entrepreneurs to solve problems in new ways and come up with original ideas for products or services. He further discussed that how entrepreneurship promotes economic growth, provides access to goods and services, and improves the overall standard of living. Prof. Tapan Kumar Shandilya (Principal, COCAS) said in his presidential address that many entrepreneurs are making positive impact on their

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

communities and improve their well-being by catering to underserved areas and developing environment-friendly products. Overall, 189 participants were participated in this seminar.

**IQAC संगोष्ठी**

**सृजनात्मकता और उद्यमिता**

**मुख्य वक्ता - श्री विजय प्रकाश**  
मा. प्र. से. (से.नि.)

**अध्यक्षता - डॉ० तपन कुमार शांडिल्य, प्राचार्य, COCAS, पटना**

**दिनांक - 11-01-2019**

**स्थान - कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स, एण्ड साइंस, पटना**

Fig.: Poster of the seminar on CREATIVITY AND ENTREPRENEURSHIP on the occasion of National Youth Day on 11.01.2019

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020




**Fig.: Prof. Tapan Kumar Shandilya, Principal, COCAS, Patna giving his presidential address in seminar on CREATIVITY AND ENTREPRENEURSHIP on the occasion of National Youth Day on 11.01.2019**

### **WORKSHOP ON LOK VIGYAN**

**Date: 07/02/2019**

The department of Physics and IQAC of the college conducted one day workshop on 07/02/2019 under a project LoK Vigyan sanctioned by National Academy of Science, India. About 200 students participated in this workshop. 13 Videos related to the science involved in our daily lives were shown to these students and a team of experts interacted about science involved behind them. 15 most interacting students had been selected from this workshop for the second phase called research stories. Total 65 participants were participated in this workshop.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Resource Person Sri Vivek Kumar Singh addressing the participants in WORKSHOP ON LOK VIGYAN organized on 07/02/2019**



**Fig.: Participants and faculty members in WORKSHOP ON LOK VIGYAN organized on 07/02/2019**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





## दैनिक जीवन में विज्ञान का प्रभाव विषय पर हुई कार्यशाला विज्ञान में शोध को समझने के लिए 20 छात्रों का हुआ चयन

साइफ रिपोर्ट, पटना

कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस में गुरुवार को लोक विज्ञान पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. यह आयोजन नेशनल अकादमी ऑफ साइंस के सहयोग से किया गया था. कार्यशाला का उद्घाटन राज्यपाल के प्रधान सचिव विवेक कुमार सिंह ने किया. उन्होंने छात्रों को विज्ञान विशेष रूप से भौतिकी के महत्व और योग्यता को जिनकी में इसके प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला. कार्यशाला की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो तपन कुमार शाहिल्य ने की. कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों के दो सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. इस अवसर पर छात्रों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का विशेषज्ञों ने उत्तर दिया. इसके साथ कॉलेजों के माध्यम से विज्ञान विशेष रूप से भौतिकी के महत्व को दर्शाया गया.



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल के प्रधान सचिव विवेक कुमार सिंह को सम्मानित करते कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर तपन कुमार शाहिल्य व अन्य.

प्रथम चरण में छात्रों को दैनिक जीवन में विज्ञान के प्रभाव से संबंधित जानकारी दी गयी. कार्यशाला में डेस्कटॉप प्रदर्शन करने वाले बीस चयनित छात्र दूसरे चरण में विज्ञान में शोध की बारीकियों पर आधारित कार्यशाला में भाग लेंगे. दूसरे चरण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले

छात्रों को आइआइटी में प्रोजेक्ट वर्क करने का अवसर मिलेगा. इस अवसर पर प्रो एफके झा, प्रो अशुतोष कुमार सिन्हा, प्रो संतोष कुमार, प्रो किशोर झा, प्रो एमजेड आलम और कुलनुरासक प्रो मनोज कुमार समेत बड़ी संख्या शिक्षक उपस्थित थे.

Fig.: Newspaper coverage of the event WORKSHOP ON LOK VIGYAN organized on  
07/02/2019

## SEMINAR ON VERTICAL ECONOMY FOR PRODUCTIVITY AND STABILITY

Date: 14.02.2019

The college organized one day seminar on the occasion of Productivity Week Celebration-2019 on 14.02.2019. This seminar was organized in the collaboration with Bihar State Productivity Council. It depicted that the vertical market is a market in which vendors offer goods and services specific to an industry, trade, profession, or other group of customers with specialized needs. Dr. Ashutosh Upadhyay, Vice President, ICAR, discussed that we should focus on the economies of vertical integration and suggested vertical integration can be produced by achieving lower operating costs by owning all components of production and sometimes sales outlets rather than contracting with companies in the outside marketplace. Presidential address was given by Principal Prof. T.K. Shandilya. Prof. Sanjay Pandey, Mithila University, Prof.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



N.K.Yadav, Veer Kunwar Singh University were also shared their views. Overall, 51 participants were actively participated in this seminar.



**Fig.: Dr. Ashutosh Upadhyay, Vice President, ICAR addressing the participants in SEMINAR ON VERTICAL ECONOMY FOR PRODUCTIVITY AND STABILITY organized on 14.02.2019**



**Fig.: Other experts and participants in SEMINAR ON VERTICAL ECONOMY FOR PRODUCTIVITY AND STABILITY organized on 14.02.2019**

पता: पश्चिम अखण्ड भारता, पश्चिम गंगा नदी, पश्चिम अखण्ड भारता, पश्चिम अखण्ड भारता

## आधुनिकता प्रकृति के विनाश का कारण : तपन

पटना. राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के अवसर पर बिहार राज्य उत्पादकता परिषद पटना को ओर से गुरुवार को कालेज ऑफ कामर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना में संगोष्ठी का आयोजन किया गया. 'उत्पादकता और स्थिरता के लिए वर्तुलाकार अर्थव्यवस्था' विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने की. प्रो शांडिल्य ने कहा कि सुख-सुविधाओं के नाम पर आर्थी आधुनिकता प्रकृति के विनाश का मुख्य कारण है. उन्होंने उत्पादकता के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया. इस अवसर पर राष्ट्रीय उत्पादकता



परिषद के सदस्य जेके सिंह ने भारत में पैसा बचाने-पैसा कमाने को अपनाने की सलाह दी. आईसीएआर के उपाध्यक्ष डॉ आशुतोष उपाध्याय ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि के क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं. संगोष्ठी में प्रो संजय पाण्डेय मिथिला विश्वविद्यालय के

प्रो एनके यादव, वीर कुंवर सिंह विवि के प्रो वीके मिश्रा, प्रो रामजी राय, पटना विवि के प्रो एलएन राय, बसंत कुमार सिंह, एमके दत्त, प्रो अरुण कुमार झा, प्रो रश्मि अखौरी, प्रो एमपी सिंह और प्रो आरके शर्मा समेत अन्य वक्ताओं ने प्रकृति संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये.

## उत्पादकता के क्षेत्र में भी हो शोध : प्रो. शांडिल्य

पटना ( आससे )। राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के अवसर पर बिहार राज्य उत्पादकता परिषद पटना द्वारा गुरुवार को कालेज ऑफ कामर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना में उत्पादकता और स्थिरता के लिए वर्तुलाकार अर्थ व्यवस्था विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो. शांडिल्य ने सुख सुविधाओं के नाम पर आई आधुनिकता को प्राकृति के विनाश का मुख्य कारण बताया। उन्होंने उत्पादकता के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के सदस्य जे के सिंह ने भारत में पैसा बचाने पैसा कमाने और वर्तुलाकार अर्थ व्यवस्था को अपनाने की सलाह दी। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए आईसीएआर के उपाध्यक्ष डा. आशुतोष उपाध्याय ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि के क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। संगोष्ठी में प्रो. संजय पाण्डेय मिथिला विश्वविद्यालय के प्रो. एन के यादव वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. वी के मिश्रा, प्रो. राम जी राय, पटना विश्वविद्यालय के प्रो. एल एन राय, बसंत कुमार सिंह समेत अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए प्राकृति संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

**Fig.: Newspaper coverage of the SEMINAR ON VERTICAL ECONOMY FOR PRODUCTIVITY AND STABILITY organized on 14.02.2019**

## SEMINAR ON NATIONAL SCIENCE DAY: SCIENCE FOR THE PEOPLE AND PEOPLE FOR SCIENCE

**Date: 28.02.2019**

On 28.02.2019 the department of Physics and IQAC of the college organized one day seminar on National Science Day to commemorate the discovery of RAMAN'S effect for which the renowned Indian Physicist Sir CV Raman had been adorned with Nobel Prize. A noted scientist of International Repute Prof. Sangam Banerjee working as senior Professor at SAHA institute

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



of Nuclear Physics, Kolkata delivered keynote address at the occasion on the topic “Science for the People and People for Science” and the other resource person was Dr. A.K. Thakur from IIT-Patna.

Prof. Sangam Banerjee said that National Science Day is celebrated as one of the main science festivals in India every year with a suitable theme. He further said that it is universally accepted that scientific research is the finest outcome of human intellect and fundamental for the progress of society and understanding of nature, universe, matter and whatever constitutes these. Dr. A.K. Thakur pointed out that creating scientific curriculum that are focused on research is one of the finest methods to enhance our performance in research. The development of autonomous and critical thinking skills in graduate and undergraduate students must be our main priority. An emphasis on critical thinking and problem solving is crucial in a nation like India, which faces several socioeconomic and development obstacles. 172 participants from various departments were participated in this seminar.



**Fig.: Lightening of the lamp by the distinguished guests in SEMINAR ON NATIONAL SCIENCE DAY: SCIENCE FOR THE PEOPLE AND PEOPLE FOR SCIENCE Organized on 28.02.2019**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Prof. Sangam Banerjee with T.K. Shandilya (Principal) and others in SEMINAR ON NATIONAL SCIENCE DAY: SCIENCE FOR THE PEOPLE AND PEOPLE FOR SCIENCE**

**Organized on 28.02.2019**

## 'विज्ञान एक जुनून है, इसे विकसित करने की जरूरत'

पटना(एएसएनबी)। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर गुरुवार को पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय और कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस, पटना के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय में लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में अपने विचार व्यक्त करते हुए साहू इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स कोलकता के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो संगम बनर्जी ने कार्बन से बने मटेरियल फ्लोरिन के विभिन्न गुणों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान समय में आम आदमी के उपयोग के लिए फ्लोरिन का डिवाइस एप्लीकेशन कहाँ कहाँ और कैसे उपयोग किया जा सकता है। 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' विषय पर प्रो. बनर्जी ने कहा कि किस प्रकार सतहों की प्रॉपर्टी को उपयोगिता के हिसाब से मैनिपुलेट कर हम भींगने और नहीं भींगने वाली सतह विकसित कर सकते हैं। भौतिकी के प्रो. वीसी राय ने रमन के प्रभाव और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. संतोष कुमार ने कहा कि विज्ञान एक जुनून है तथा इसकी परम्परा और वैज्ञानिक सोच विकसित करने की जरूरत है। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शॉडिल्य ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों विशेष तौर पर विद्यार्थियों को विज्ञान की ओर आकर्षित करना है। व्याख्यान में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के डीन विज्ञान प्रो. अश्वि कुमार झा और डीन वाणिज्य प्रो. एमपी सिंह समेत अन्य शिक्षकों और शोधकर्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। धनवाद ज्ञापन भौतिकी के विभागाध्यक्ष प्रो अशुतोष कुमार सिन्हा ने किया। इस अवसर कॉलेज के मीडिया प्रभारी



व्याख्यान को संबोधित करते वकाल।

प्रो. तारिक फारमी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्राएं उपस्थित थे।

### तारामंडल में विज्ञान दिवस मन

पटना। बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने अ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस मौके पर तारामंडल आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आई-जीएससी-मैनेटोरि के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ चंद्रशेखर सिंह थे। कार्यक्रम में टीपी कॉलेज, गंगा देवी महिला कॉलेज, जेडी वीमेन्स, अर्रा महिला,आईआईटी पटना,लोवल हाई स्कूल, संत कैरे पोलटेक्निक कॉलेज एवं अन्य संस्थानों के छात्र-छात्राओं भाग लिया। जिसमें टीपीएस कॉलेज छात्र संघ काउंसिल में सह छात्र जदयू के बिहार प्रदेश सचिव चंदन कुमार चंचल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य पर लोगों के लिए विज्ञान विज्ञान के लिए लोग टॉपिक पर भाषण भी दिया।

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**

A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

**Fig.: Newspaper coverage of the SEMINAR ON NATIONAL SCIENCE DAY:  
SCIENCE FOR THE PEOPLE AND PEOPLE FOR SCIENCE  
Organized on 28.02.2019**

**SEMINAR ON STRESS MANAGEMENT**

**Date: 13.03.2019**

The IQAC of the college organized one day seminar on stress management dt 13.03.2019. The resource person was from I.V. Panchtasha, Assam Ms. Lalita and Sri. Shankar. During the seminar Ms. Lalita said that people nowadays are getting Irritable, angry, impatient or easily wound up, over-burdened, overwhelmed, anxious, nervous and depressed due to heightened level of stress. She proceeded that stress is a mental reaction to our body's experiences due to a demanding circumstance or event requiring immediate attention. This reaction initiates the nervous system to produce adrenaline and cortisol hormones and release them in the blood system; gradually, it suppresses the functions of the immune, digestive, and reproductive systems. That is why it becomes essential to handle our stress levels effectively to keep ourselves physically and mentally fit.

Sri. Shankar said that stress management is a process that helps an individual to control stress levels by practicing self-care relaxation and also imparts some techniques to handle stress when it occurs. He suggested that the techniques of stress management offer a range of ways to help people better deal with stress and difficulty, adversity, in the life. Further they discussed several stress management techniques such as, time management, self-limitation, having a friendly social network, reducing the noise, having healthy diet, doing exercise, meditation, and following good sleeping habits. Overall, 197 participants from numerous departments were participated in this seminar.


  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Resource person from I.V. Panchtasha, Assam Ms. Lalita with T.K. Shandilya (Principal, COCAS, Patna) and others in the SEMINAR ON STRESS MANAGEMENT organized on 13.03.2019

## कालेज ऑफ कॉमर्स में स्ट्रेस मैनेजमेंट पर व्याख्यान

(आज समाचार सेवा)

पटना। कालेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना में मंगलवार को स्ट्रेस मैनेजमेंट पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने की। इस अवसर पर असम की आई वी पंचतशा, ललिता बहन और शंकर भाई ने अपने व्याख्यान में आम लोगों विशेष कर छात्रों को तनाव मुक्त रहने तथा तनाव से बचने तथा तनाव को नियंत्रित करने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। व्याख्यान को मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. कुमारी लक्ष्मी सिंह ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मुद्दला कुमारी ने किया। इस अवसर पर प्रो. सलोनी कुमार और प्रो. खालिद अहमद समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और शिक्षक उपस्थित थे।

## अपने लिए आधा घंटा समय निकालें हो जायेंगे स्ट्रेस फ्री



कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित सेमिनार में मौजूद अतिथि.

पटना. कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में मंगलवार को स्ट्रेस मैनेजमेंट पर सेमिनार का आयोजन हुआ। इस अवसर पर असम की आई वी पंचतशा, ललिता बहन और शंकर भाई ने अपने व्याख्यान में छात्रों को तनाव मुक्त रहने, तनाव से बचने तथा तनाव को नियंत्रित करने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाग-दौड़ भरी जिंदगी में स्ट्रेस हावी हो गया है। स्ट्रेस से चिड़चिड़ेपन की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसलिए जरूरी है कि आप एक बार अपनी दिनचर्या देखें और सोचें कि कहीं आपका लाइफ स्टाइल ही तो स्ट्रेस का कारण नहीं है। आपको स्ट्रेस से फ्री होने का उपाय करना होगा। हर रोज आधा घंटा समय देकर अपने आप को स्ट्रेस फ्री हो सकते हैं। सुबह और समय के समय वॉक पर निकलने से आप रिलैक्स महसूस करेंगे। रात के खाने के बाद भी वॉक पर निकल सकते हैं।

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





**Fig.: Newspaper coverage of the SEMINAR ON STRESS MANAGEMENT organized on 13.03.2019**

**WORKSHOP ON SCIENCE IN OUR DAILY LIVES**

**Date: 25.03.2019**

A day long workshop was organized by the department of Physics and IQAC on the topic Science in our Daily Lives. The resource persons were Smt. Pragya Nopany from Delhi and Sh. Amit Kumar Vajpai from Shiksha Sopan, Kanpur. Both were well known science propagators of India. During the workshop they portrayed and demonstrated that science is everywhere in our life and many aspects of modern life are impacted by scientific knowledge. They suggested that the foundation of scientific knowledge provide ways of exploring the world and sciences pervade so many aspects of our lives – from health care, to the environment, to debates about stem cell research and genetic testing. 63 participants were participated in this workshop.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Smt. Pragya Nopany with Participants in the WORKSHOP ON SCIENCE IN OUR DAILY LIVES organized on 25.03.2019**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**Fig.: Sh. Amit Kumar Vajpai from Shiksha Sopan, Kanpur with Participants in the WORKSHOP ON SCIENCE IN OUR DAILY LIVES organized on 25.03.2019**



REDMI NOTE 5 PRO  
MI DUAL CAMERA

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

**Fig.: Participants during the WORKSHOP ON SCIENCE IN OUR DAILY LIVES organized on 25.03.2019**




**Fig.: Newspaper coverage of the WORKSHOP ON SCIENCE IN OUR DAILY LIVES organized on 25.03.2019**

## SEMINAR ON MOLECULES WITH CELEBRITY STATUS FOR HUMAN WELLBEING

**Date: 27.03.2019**

The College organized a one-day seminar in the association with Infosys Science Foundation on “Molecules with celebrity status for human wellbeing”. The resource person was Dr. Srivari

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

Chandrasekhar, Director CSIR-Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad. He said that life as a scientist is more exciting than a short-lived movie star as he impressed upon youngsters to become scientists. Prof. T.K. Shandilya (Principal, COCAS) shared his views in his presidential address. Overall, 199 participants participated in this seminar.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949

NAAC Re-Accredited

With Grade - A | CGPA of 3.10/4


**Fig.: Dr. Srivari Chandrasekhar, Director CSIR-Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad with T.K. Shandilya, Principal, COCAS, Patna in the SEMINAR ON MOLECULES WITH CELEBRITY STATUS FOR HUMAN WELLBEING organized on 27.03.2019**



**Fig.: T.K. Shandilya, Principal, COCAS with Dr. Srivari Chandrasekhar and other distinguished guests in the SEMINAR ON MOLECULES WITH CELEBRITY STATUS FOR HUMAN WELLBEING organized on 27.03.2019**

**SEMINAR ON GENDER AND MIGRATION IN INDIA: THE STORY SO FAR**

**Date: 30.03.2019**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



The IQAC of the college organized one day seminar on “Gender and Migration in India: The Story So Far” dt. 30.03.2019. The resource person was Indrani Mazumdar, Centre for Women’s Development Studies, New Delhi. She said that we should focus on the changes in women's lives during the era of liberalization and globalization. She further stressed that mass organization workers are calling for further research on women's migration due to the connection between heightened vulnerability of migrating women, the agrarian crisis, and social differentiation in the era of liberalization/deregulation. The crisis, which has led to large-scale farmer suicides, is seen as aggravating vulnerability and distress in migration. Existing gender-sensitive studies on women's migration have focused on survival migration by tribal and poor women, but rarely connected with policy frameworks or macro contexts. Total, 197 participants participated in this seminar.

Link of the Seminar: <https://www.youtube.com/watch?v=vtoH-sBShns>

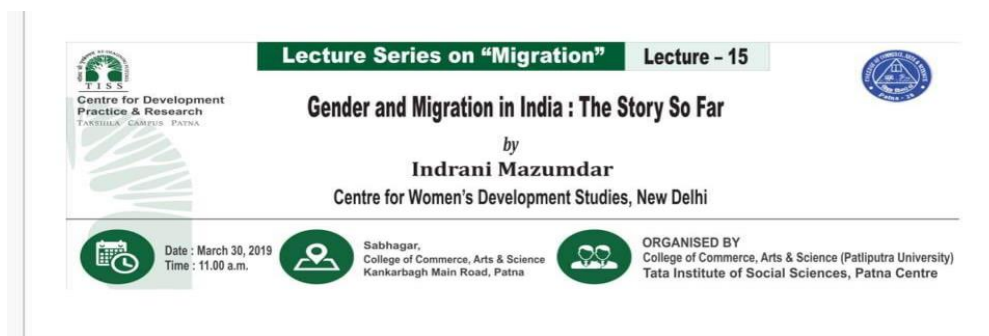


Fig.: Brocher of the SEMINAR ON GENDER AND MIGRATION IN INDIA: THE STORY SO FAR organized on 30.03.2019

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



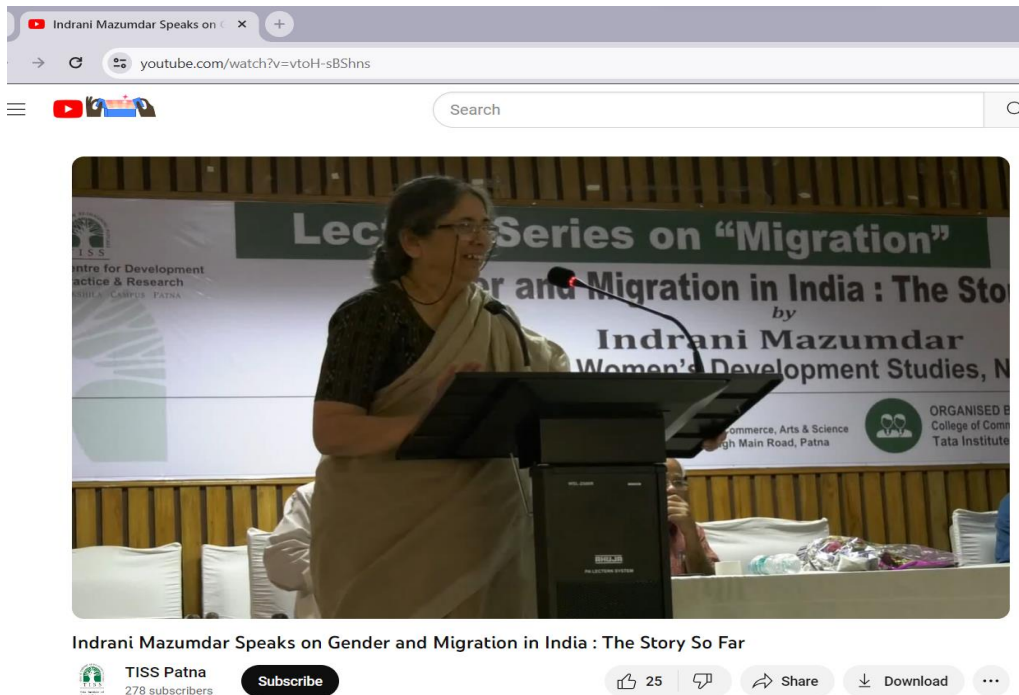
**Fig.: Indrani Mazumdar, Centre for Women's Development Studies, New Delhi in the SEMINAR ON GENDER AND MIGRATION IN INDIA: THE STORY SO FAR organized on 30.03.2019**



**Fig.: Indrani Mazumdar and T.K. Shandilya with other distinguished guests in the SEMINAR ON GENDER AND MIGRATION IN INDIA: THE STORY SO FAR organized on 30.03.2019**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





**Fig.: Screenshot of the event from YouTube channel of the SEMINAR ON GENDER AND MIGRATION IN INDIA: THE STORY SO FAR organized on 30.03.2019**

## **TSTM OLYMPIAD SEMINAR ON ROLE OF MATHEMATICS FOR SCHOOL GOING STUDENTS**

**Date: 10.04.2019**

The college organized a seminar in the collaboration with Bihar Mathematical Society on the topic “Role of Mathematics for School going Students”. The seminar begun with lightening the lamp and a cultural event. The resource person Dr. D. Singh (Former professor, IIT Mumbai) said that mathematics is a fundamental part of human thought and logic, and integral to attempts at understanding the world and ourselves. He further put his deliberation on progression number theory and pythagoras theorem. He concluded that mathematics provides an effective way of building mental discipline and encourages logical reasoning and mental

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020




rigor. D.N. Singh, BMA Secretary, Prof. D. N. Sharma, Prof. A. K. Jha were also shared their views. Total 238 participants actively attended the seminar.



**Fig.: Cultural event during the TSTM OLYMPIAD SEMINAR ON ROLE OF MATHEMATICS FOR SCHOOL GOING STUDENTS organized on 10.04.2019**



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Participants of the TSTM OLYMPIAD SEMINAR ON ROLE OF MATHEMATICS FOR SCHOOL GOING STUDENTS organized on 10.04.2019**



## हमारे जीवन के हर क्षेत्र में गणित का है महत्व

**पटना।** बिहार मैथमैटिकल सोसाइटी के तत्वावधान में बुधवार को कॉलेज ऑफ कामर्स आर्ट्स एंड साइंस में 'रोल ऑफ मैथमैटिक्स फॉर स्कूल गॉइंग स्टूडेंट्स' विषय पर सेमिनार में वक्ताओं ने जीवन के हर क्षेत्र में गणित के महत्व और योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उद्घाटन विधान पार्षद केदार नाथ पांडेय ने किया। स्वागत करते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने जीवन के हर क्षेत्र में गणित के महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर आईआईटी मुंबई के पूर्व प्रोफेसर डॉ. डी. सिंह ने प्रोगेशन, नंबर थ्योरी और पाइथागोरस थ्योरी पर विस्तार से चर्चा की। सेमिनार में बीएमएस के महासचिव डी. एन सिंह, प्रो. डी. एन. शर्मा, प्रो. ए. के झा, प्रो. एम. जेड. आलम, प्रो. प्रतिभा यादव और बीएमएस के संयुक्त सचिव डॉ. विजय कुमार ने भी अपने विचार रखे।

तपन कुमार शांडिल्य ने जीवन के हर क्षेत्र में गणित के महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर आईआईटी (मुंबई) के पूर्व प्रोफेसर डॉ. डी. सिंह ने प्रोगेशन, नंबर सिद्धांत, और पाइथागोरस सिद्धांत पर विस्तार से प्रकाश डाला। सेमिनार में बीएमएस के महासचिव डीएन सिंह, प्रो. डीएन शर्मा, प्रो. एके झा, प्रो. एमजेड आलम, प्रो. प्रतिभा यादव और बीएमएस के संयुक्त सचिव डॉ. विजय कुमार ने भी अपने विचार रखे।

सेमिनार का उद्घाटन विधान पार्षद केदार नाथ पांडेय ने किया। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य प्रो.

**Fig.: Newspaper coverage of the TSTM OLYMPIAD SEMINAR ON ROLE OF MATHEMATICS FOR SCHOOL GOING STUDENTS organized on 10.04.2019**

### SEMINAR ON PERSONALITY DEVELOPMENT AND CHARACTER BUILDING

**Date: 22.05.2019**

The college organized one- day seminar on Personality Development and Character-Building. The resource person was Sri. Atul Kothari, New Delhi. Prof. G.C.R. Jaisawal, Vice Chancellor, Patliputra University, Patna presided over the seminar. The Chief Guest was Prof. Vijay Kant Das, Member, University Service Commission, Patna. Sri. Atul Kothari discussed in the seminar that an individual's character is actually an amalgamation of his/her qualities which makes him unique and helps him stand apart from the rest. The personality development is not

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



only about looking good and wearing expensive brands. It is also about developing one's inner self and being a good human being. Overall, 183 participants participated in this seminar.



**Fig.: Prof. T.K. Shandilya (Principal), Sri. Atul Kothari (Resource Person), Prof. G.C.R. Jaisawal (Vice Chancellor, Patliputra University) and Chief Guest Prof. Vijay Kant Das (Member, University Service Commission, Patna) in the SEMINAR ON PERSONALITY DEVELOPMENT AND CHARACTER BUILDING organized on 22.05.2019**



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**

A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

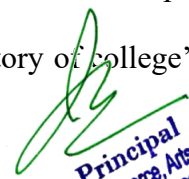
**Fig.: Prof. T.K. Shandilya (Principal) felicitating Chief Guest Prof. Vijay Kant Das (Member, University Service Commission, Patna) in the SEMINAR ON PERSONALITY DEVELOPMENT AND CHARACTER BUILDING organized on 22.05.2019**

**NATIONAL SEMINAR ON ANCIENT INDIAN EDUCATION AND ITS IMPACT ON ASIAN CULTURE: RETROSPECT AND PROSPECT**

**Date: 10.06.2019 to 11.06.2019**

A National Seminar on “Ancient Indian Education and its Impact on Asian Culture: Retrospect and Prospect” was jointly organized by the Department of History, College of Commerce, Arts & Science, Patna & Maulana Abul Kalam Azad Institute for Asian Studies, Kolkata in collaboration with Itihas Sankalan Samiti, Bihar on dt. 10 & 11 June, 2019. There were about 150 participants which included eminent academicians from different parts of India, young scholars and students who actively participated in academic deliberations. The vibrant presentation made by different scholars on the topic of the Seminar made it a successful event. The National Seminar which was held for two days, began with an inaugural session followed by 06 (Six) technical sessions in which 37 (Thirty-Seven) papers were presented and a valedictory function in the Vanijya Sabhagar of the college. The participants came from abroad & different states of the country and presented their papers.

The inaugural function started with the lighting of lamp followed by Mangalacharan. The Inaugural session of seminar was presided over by the Hon’ble Vice-Chancellor of Patliputra University Prof. Dr. Gulab Chand Ram Jaiswal. The theme of the seminar was introduced by Prof. Sujit Ghosh, Chairman, MAKAIAS. The keynote address was delivered by Prof. K. T. S. Sarao, Head, Dept. of Buddhist Studies, University of Delhi. The Principal Prof. Tapan Kumar Shandilya in his welcome address highlighted a short history of college’s

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

academic growth and stressed the importance of seminar and symposia. The Chief Guest Prof. B. Labh, Vice Chancellor, Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda recalled the glorious history of education of India and even gasped at its splendid past though with a touch of remorse. He however believed that the space to progress is not blocked. Prof. K. T. S. Sarao while tracing the genesis of Buddhism recognized its divided periods of origin and in the same vein admitted that Buddhism is fundamentally an idea and succour of the oppressed. The Vice Chancellor of the university in his piercing speech held Buddhism as a religion of humanity and recognized its austerity as its driving impulse. Dr. Bal Mukund Pandey, Organising Secretary, Akhil Bhartiya Itihas Sankalan Yojna, New Delhi kept nodding his head in approbation of what was said. A large number of teachers, research scholars and students were present. There were representations from all over country and about two hundred delegates participated in the Seminar.

The valedictory session of the seminar was engrossing and enlightening as two key speeches were delivered by two eminent historians, Prof. Rajiva Sinha, Head, Dept. of History, T. M. Bhagalpur University, Bhagalpur and Prof. Jaidev Mishra, A.I. H & Arch., Patna University, Patna respectively. The two historians stressed the Ancient Indian Education and its Impact on Asian Culture while tracing its genesis. Prof Rajiva Sinha opined that Buddhism flourished more outside India rather than to stay confined to this country while Prof. Jaidev Mishra saw Buddhism as an alternative route to redemption from the chaos of the world around. He billed Buddhism as less of a religion and more of a philosophy. The Chairperson of all the sessions summarized focal points of their sessions in brief. The Chief Guest of the session Pro-Vice Chancellor of Nalanda Open University, Patna, Prof. Kriteshwar Prasad basically agreed with Prof. Jaidev Mishra's point of view while questioning the exodus of Buddhism from India. The Principal of the College Prof. T. K. Shandilya chaired the final session and applauded the

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



efforts of the History department for such great initiative and hoped that the tradition of academic discourse will continue much the same way even in future. The organizing secretary Prof. Rajeev Ranjan presented the secretary report while Prof. Rajesh Shukla, Professor & Head, Dept. of History College of Commerce, Arts & Science, Patna proposed the vote of thanks. Total 191 participants were participated in this seminar.

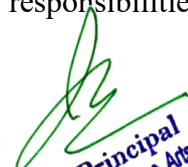


**Fig.: Prof. T.K. Shandilya with distinguished guest Sri Sanjay Paswan in the NATIONAL SEMINAR ON ANCIENT INDIAN EDUCATION AND ITS IMPACT ON ASIAN CULTURE: RETROSPECT AND PROSPECT organized on 10.06.2019 to 11.06.2019**

### **SEMINAR ON IMPORTANCE OF LEGAL KNOWLEDGE**

**Date: 9.07.2019**

One day seminar was organized by College of Commerce, Arts & Science in association with Justice for Society on the topic “Importance of Legal Knowledge” dt. 09.07.2019. Hon’ble Justice Rajendra Prasad (Retd. Justice, High Court, Patna) was the resource person. He said that legal knowledge empowers individuals to understand their rights and responsibilities

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



within society. It allows people to make informed decisions and take appropriate actions to protect their interests. He concluded that legal awareness helps to promote consciousness of legal culture, participation in the formation of laws and the rule of law. 186 participants were participated in the seminar.



**Fig.: Resource Person Justice Rajendra Prasad (Retd. Justice, High Court, Patna) and Prof. T.K. Shandilya (Principal, COCAS, Patna) with others in the SEMINAR ON IMPORTANCE OF LEGAL KNOWLEDGE organized on 9.07.2019**

### **SEMINAR ON A BRIEF HISTORY OF PRESENT DAY UNIVERSE**

**Date: 25.07.2019**

A seminar on “A Brief History of Present Day Universe” was organized today in the college the resource person was Prof. Sri Ram, an emeritus Professor of Mathematics, IIT BHU and

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





fellow of “Royal Astronomical Society of London”. This seminar was organised by Bihar Mathematical Society in collaboration with Department of Mathematics, College of Commerce, Arts & Science, Patna. Dr. Vijay Kumar, Department of Mathematics, College of Commerce, Arts & Science, Patna took initiative for organising this seminar. 57 participants were participated in this seminar and other faculty members were also graced the event.




**Fig.:** Resource Person Prof. Sri Ram (Emeritus Professor of Mathematics, IIT BHU) with Prof. T.K. Shandilya (Principial, COCAS, Patna) Dr. Vijay Kumar (Department of Mathematics, COCAS, Patna) in the SEMINAR ON A BRIEF HISTORY OF PRESENT DAY UNIVERSE organized on 25.07.2019



**Fig.: Resource Person Prof. Sri Ram (Emeritus Professor of Mathematics, IIT BHU) with Prof. T.K. Shandilya (Prinicpal, COCAS, Patna) in the SEMINAR ON A BRIEF HISTORY OF PRESENT DAY UNIVERSE organized on 25.07.2019**



**Fig.: Dr. Santosh Kumar (Department of Physics), Dr. Vijay Kumar (Department of Mathematics) Prof. T.K. Shandilya (Prinicpal, COCAS, Patna) and Resource Person**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Prof. Sri Ram in the SEMINAR ON A BRIEF HISTORY OF PRESENT DAY  
UNIVERSE organized on 25.07.2019**

**WORKSHOP ON COMMUNITY POLICING**

**Date: 29.07.2019**

A workshop on Community Policing was organised at the college in collaboration with RPF. DGP, Bihar Shri Gupteshwar Pandey inaugurated the function as Chief Guest. He said that community policing believes that Police must build lasting relationships that encompass all elements of the community and centre around the fundamental issues of public safety and quality of life. Overall, 63 participants were actively participated in this workshop.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Prof. T.K. Shandilya (Principal), Shri Gupteshwar Pandey, DGP, Bihar (Chief Guest), Dr. A.K. Bhaskar (Department of Physics) in the WORKSHOP ON COMMUNITY POLICING organized on 29.07.2019**




**Fig.: Prof. T.K. Shandilya (Principal), Shri Gupteshwar Pandey, DGP, Bihar (Chief Guest) and other dignitaries in the WORKSHOP ON COMMUNITY POLICING organized on 29.07.2019**

### **IQAC SEMINAR ON GLOBALIZATION AND INDIAN ECONOMY**

**Date: 30.07.2019**

A one- day seminar on the topic 'Globalization and Indian Economy' was organized by IQAC of the College dt. 30.07.2019. The chief Speaker was Dr. Ravindra Brahme, Professor & Head, School of Studies in Economics, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. He explained that

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



globalization is the growing interconnectedness of countries and economies, facilitated by advancements in technology, transportation, and communication.

He narrated that globalization, facilitated by technology, transportation, and communication, has significantly impacted the Indian economy, attracting foreign investment, expanding market access, fostering technological advancements, creating job opportunities, and improving infrastructure. It has also led to increased competition, reduced unemployment rates, and increased foreign exchange reserves, while fostering a skilled workforce and generating revenue. In the presidential remarks Prof. T.K. Shandilya, Principal COCAS, said that globalization has enhanced competitiveness, encouraging Indian businesses to improve their products, services, and operational efficiency. Total 59 participants participated in this event.



**Fig.: Dr. Ravindra Brahme, (School of Studies in Economics, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur), Prof. Chandradeep (Department of English), T.K. Shandilya (Principal, COCAS) in IQAC SEMINAR ON GLOBALIZATION AND INDIAN ECONOMY organized on 30.07.2019**

## **SEMINAR ON THE MYSTERY OF UNIVERSE**

**30/07/2019**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

A Seminar was organized by IQAC and Department of Physics on the topic “The Mystery of Universe”. Prof. Rajmal Jain, Physical Research Laboratory, Ahmedabad was the resource person. Prof. Rajmal Jain was the leader scientist of Chandrayan-I Mission. It was the first Indian lunar probe under the Chandryaan Programme. It was launched by the Indian Space Research Organization (ISRO) in October 2008, and operated until August 2009. He said that since its origin in the big bang 13.8 billion years ago, the cosmos has unfurled a story of majesty and wonder. There’s much we think we grasp, but so much more that leaves us in the dark. Overall, 182 participants were participated in this seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Prof. Rajmal Jain, Physical Research Laboratory, Ahmedabad and others in SEMINAR ON THE MYSTERY OF UNIVERSE organized on 30/07/2019**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**Fig.:** Prof. Rajmal Jain (Physical Research Laboratory, Ahmedabad), Prof. Manoj Kumar (Department of Botany), Prof. Chandradeep (Department of English), Prof. Ashutosh (Department of Physics) with others in SEMINAR ON THE MYSTERY OF UNIVERSE organized on 30/07/2019



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





**Fig.: Prof. Rajmal Jain (Physical Research Laboratory, Ahmedabad with Participants in SEMINAR ON THE MYSTERY OF UNIVERSE organized on 30/07/2019**

**SEMINAR ON IMPACT OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND GAMING IN OUR  
DAILY LIFE**

**Date: 19.08.2019**

A seminar was organized by IQAC and department of English on the topic of Impact of Artificial Intelligence and Gaming in our Daily Life. The resource person was Orion Sandeep (Dubai). The inaugural address was given by Prof. T. K. Shandilya, Principal. The resource person said Artificial Intelligence is revolutionizing daily activities through algorithms that outperform human execution, enhancing efficiency in factories and workplaces. Total, 176 participants were participated in this seminar.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**Fig.: Orion Sandeep (Dubai), Prof. Chandradeep (Department of English), Prof Jainendra Kumar (Department of Botany) Prof. T. K. Shandilya (Principal), Dr. A.K. Bhaskar (Department of Physics and Dr. Santosh Kumar (IQAC, Coordinator) in the SEMINAR ON IMPACT OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND GAMING IN OUR DAILY LIFE organized on 19.08.2019**



**Fig.: Orion Sandeep (Resource Person) addressing the participants in the SEMINAR ON IMPACT OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND GAMING IN OUR DAILY LIFE organized on 19.08.2019**

**SEMINAR ON SARTHAK JEEVAN**

**Date: 26.08.2019**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



A seminar was organized by IQAC on Sarthak Jeevan. The speaker was Shri. D.N. Gautam, Former D.G.P. The session was chaired by Prof. Tapan Kumar Shandilya, Principal, COCAS. The resource person said that a meaningful life is a construct having to do with the purpose, significance, fulfilment, and satisfaction of life. Living a meaningful life requires challenging oneself, slowing down, deep thinking, and deliberate actions. Giving time or resources to others can also provide meaning. Total 156 participants participated in the seminar.



**Fig.: Shri. D.N. Gautam, Former D.G.P. and Prof. Tapan Kumar Shandilya, Principal, COCAS in the SEMINAR ON SARTHAK JEEVAN organized on 26.08.2019**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

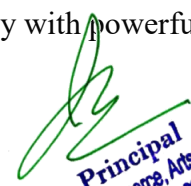


**Fig.:** Prof. Ashutosh Kumar (Department of Physics), Prof. Tapan Kumar Shandilya (Principal, COCAS), Prof. Kaushlendra Kumar (Department of Sociology), Prof. B.C. Rai (Department of Physics) in the SEMINAR ON SARTHAK JEEVAN organized on 26.08.2019

### **AWARENESS WORKSHOP ON CERVICAL CANCER**

**Date: 27.08.2019**

The IQAC and Department of Zoology, COCAS, Patna in collaboration with Rotary Club of Chanakya organized an awareness workshop on Cervical Cancer dt. 27.08.2019. the resource person Dr. Shrawan, Director, New Born Care Centre, Rajendra Nagar, Patna discussed that cervical cancer is a growth of cells that starts in the cervix which is the lower part of the uterus that connects to the vagina. Various strains of the human papillomavirus, also called HPV, play a role in causing most cervical cancers. It was suggested that people can reduce their risk of developing cervical cancer by having screening tests and receiving a vaccine that protects against HPV infection. When cervical cancer happens, it's often first treated with surgery to remove the cancer. Other treatments may include medicines to kill the cancer cells. Options might include chemotherapy and targeted therapy medicines. Radiation therapy with powerful

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



energy beams also may be used. Sometimes treatment combines radiation with low-dose chemotherapy. Overall, 70 participants actively participated in this workshop.



**Fig.: Dr. Shrawan (Director, New Born Care Centre, Rajendra Nagar, Patna), Prof. Bindu (Department of Zoology) Prof. T. K. Shandilya (Principal) and others in the AWARENESS WORKSHOP ON CERVICAL CANCER organized on 27.08.2019**

### **FIT INDIA AWARENESS PROGRAMME**

**Date: 29.08.2019**

The college organized the Fit India Movement which is a campaign launched by Indian Prime Minister Narendra Modi to encourage Indians to become more active and healthier. The campaign focused on promoting fitness and healthy living habits and encouraged people to get involved. Prof. T.K. Shandilya (Principal), Prof. A.K. Nag (Patliputra University) Prof. Munawwar Fazal, Prof. Sunita Lal, Prof. Kirti, Dr. Shambhu Sharan and many other faculty members also took part in this initiative. Other University officials were also joined this movement. Total 56 participants participated in this awareness programme.

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**Fig.:** Prof. T. K. Shandilya (Principal), Prof. A.K. Nag (Patliputra University) Prof. Munawwar Fazal, Prof. Sunita Lal, Prof. Mangala Rani, Prof. Vijay Kumar and others in FIT INDIA AWARENESS PROGRAMME organized on 29.08.2019

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Other Participants of the event in FIT INDIA AWARENESS PROGRAMME  
organized on 29.08.2019**

### **INDUSHEKHAR JHA MEMORIAL LECTURE**

**Date: 05.09.2019**

On the occasion of foundation day of the college a seminar was organized. Prof. Shashishekhari Tiwari, former chairman of University Service Commission delivered keynote address on the occasion. It was 5th lecture under Indushekhari Jha memorial lecture series. The presidential

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



remarks were delivered by the Principal Prof. T.K. Shandilya. 179 participants participated in this event.



**Fig.:** Prof. T.K. Shandilya (Principal), Prof. Shashishekhar Tiwari (former chairman of University Service commission in the middle) and others in INDUSHEKHAR JHA MEMORIAL LECTURE organized on 05.09.2019



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





**Fig.: Participants in the event in INDUSHEKHAR JHA MEMORIAL LECTURE**


**organized on 05.09.2019**

**WORKSHOP ON STUDENT MENTAL HEALTH**

**Date: 13.09.2019**

A sensitization workshop was organized by the Department of Psychology and Department of Counselling and Rehabilitation on dt. 13.09.2019. The resource person was Ms. Nidhi Singh, Assistant Professor, Magadh Mahila College, Patna University was a qualified Clinical Psychologist. Guest of honour was Prof. Vijaya Lakshmi, Dean, Social Sciences, Patliputra University, Patna. The resource person said that mental health includes our emotional, psychological, and social well-being. It affects how we think, feel, and act. It also helps determine how we handle stress, relate to others, and make choices. She further suggested way to minimize the stress and other mental health issues. 58 participants participated in this workshop.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

**Fig.: Ms. Nidhi Singh (Patna University) during the sensitization WORKSHOP ON STUDENT MENTAL HEALTH organized on 13.09.2019**



**Fig.: Participants during the WORKSHOP ON STUDENT MENTAL HEALTH organized on 13.09.2019**

**WORKSHOP ON YOUNG AND VIBRANT MINDS**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**Date: 15.09.2019**

The college organized a workshop on dt 15.09.2019 for imparting education to young and vibrant minds from Underprivileged Community. The principal Prof. T.K. Shandilya took the initiative for truly living and propagating the Philosophy for the Education to all.

He deliberated that education promotes gender equality and helps to create a society that empowers the whole nation. Prof. Santosh Kumar, Dept. of Physics, supported his views and said education reduces child labour and can eradicate social evils like child marriage and dowry. Overall, 64 students participated and benefited in the workshop.



**Fig.: Prof. Tapan Kumar Shandilya during the workshop with the participants in the WORKSHOP ON YOUNG AND VIBRANT MINDS organized on 15.09.2019**

**SEMINAR ON WATER HARVESTING**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

**Date: 16/09/2019**

A Seminar was organized by IQAC and Department of Physics on the topic “Water Harvesting” on 16.09.2019. The seminar was focused on scarcity of drinking water as a major concern. The Resource person was Eminent Scientist Dr. Ashutosh Upadhyay, Scientist ICAR. He discussed about Water Harvesting, and said that water scarcity limits access to safe water for drinking and for practising basic hygiene at home, in schools and in health-care facilities. When water is scarce, sewage systems can fail and the threat of contracting many diseases. another Scientist Dr. A. Rahman gave presentation on Solar Energy and young Scientist from Central Ground Water Authority (CGWA) Sri Anees Kumar gave his presentation on Rules and legislation framed by Govt. of India on drawing water from earth for industries and others. Prof. Tapan Kumar Shandilya, Principal, COCAS was the Chief Guest. A large gathering of faculties, students and member of associations participated. 186 participants participated in this seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Prof. T.K. Shandilya (Principal), Dr. Ashutosh Upadhyay (Scientist ICAR), Dr. A. Rahman and Sri Anees Kumar in the SEMINAR ON WATER HARVESTING organized on 16/09/2019**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Participants during the event in the SEMINAR ON WATER HARVESTING  
organized on 16/09/2019**

**SEMINAR ON JANTA KO NYAY JANTA KI BHASHA HINDI MEIN**

**Date: 18.09.2019**

A seminar was organized by IQAC and College of Commerce, Arts & Science, Patna on dt. 18.09.2019 on the topic “Janta ko Nyay Janta ki Bhasha Hindi mein”. The Chief Guest, Honourable Justice Sri. Arvind Srivastava, Patna High Court said the language used in the judicial process plays a big role in ensuring justice. On this occasion, he said that now we have to consider that laws should be made in two ways. One draft of the laws should be in the language used by the courts and the other in the language which the common man can

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

understand. He further stressed that this work must be done, because only then the common people will be able to understand the laws properly.

The distinguished guest Honourable Justice Sri. Anil Kumar Upadhyay, Patna High Court supported his views and elaborated that Article 348(1) of the Constitution of India provides that all proceedings in the Supreme Court and every High Court shall, unless Parliament by law otherwise provides, be held in the English language. Further, he shared that the use of Hindi has been authorized in proceedings as well as in judgments, or orders in the High Courts of the states of Madhya Pradesh, Uttar Pradesh and Bihar. The Government of India had received proposals from the Governments of Tamil Nadu, Gujarat and Chhattisgarh to allow the use of Tamil, Gujarati and Hindi in the proceedings of the Madras High Court, Gujarat High Court and Chhattisgarh High Court respectively. 174 participants participated in the seminar.



  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Prof. Mangala Rani (Department of Hindi), Honourable Justice Sri. Arvind Srivastava, Patna High Court, Prof. T.K. Shandilya in the SEMINAR ON JANTA KO NYAY JANTA KI BHASHA HINDI MEIN organized on 18.09.2019**



**Fig.: Prof. Mangala Rani (Department of Hindi), Honourable Justice Sri. Arvind Srivastava (Patna High Court) Prof. T.K. Shandilya, Prof. Vijay Kant Das (Member, University Service Commission, Patna), Prof. J.M. Deo (Department of Psychology) in the SEMINAR ON JANTA KO NYAY JANTA KI BHASHA HINDI MEIN organized on 18.09.2019**

### **SEMINAR ON ADHYATMIK RASHTRAVAAD (SPIRITUAL NATIONALISM)**

**Date: 21.09.2019**

A seminar was organized by College of Commerce, Arts & Science, Patna in association with Bihar Chamber of Commerce and Industries dt. 21.09.2019 on Adhyatmik Rashtravaad. The

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





resource person was Acharya Shri Arun Divakar Nath Vajpayee. He discussed that spiritual nationalism (Adhyatmik Rashtravaad), inspired by the basic values of Indian culture, was a call to not be limited to theoretical rhetoric in the field of thought but to enter into the field of action. The honourable Vice Chancellor Prof. G.C.R. Jaisawal (Patliputra University, Patna) said that Adhyatmik Rashtravaads' seed mantra was Vande Mataram and its aim was the all-embracing progress of the motherland. Beyond the popular form of nationalism, it is an emotional praise for the motherland. Prof. T.K. Shandilya (Principal, COCAS) said that this school of thought is based on timeless values and it is a remarkable contribution of modern India in the field of thinking. 207 participants participated in this seminar.





**Fig.: Prof. G.C.R. Jaisawal (Vice Chancellor, Patliputra University, Patna), Acharya Shri Arun Divakar Nath Vajpayee (Resource Person) and Prof. T.K. Shandilya (Principal, COCAS) with others in the SEMINAR ON ADHYATMIK RASHTRAVAAD (SPIRITUAL NATIONALISM) organized on 21.09.2019**



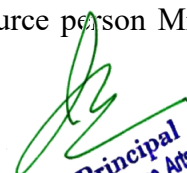
**Fig.: Prof. G.C.R. Jaisawal (Vice Chancellor, Patliputra University, Patna), Acharya Shri Arun Divakar Nath Vajpayee (Resource Person) in the SEMINAR ON ADHYATMIK RASHTRAVAAD (SPIRITUAL NATIONALISM) organized on 21.09.2019**

## **WORKSHOP ON ELECTRONIC BANKING AWARENESS CUM TRAINING**

### **PROGRAMME**

**Date: 24.09.2019**

College of Commerce, Arts & Science, Patna organized a workshop on Electronic Banking Awareness and Training on dt 24.09.2019. Internet banking, is also known as online banking or e-banking. It has revolutionized the way people conduct financial transactions. With the advancement of technology and the widespread use of the internet, online banking has become a convenient and secure way for people to manage their finances. The resource person Mr.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna


स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

Dubey from RBI, Regional Branch, Patna demonstrated that by accessing the bank accounts through a web browser or mobile application, people can perform a range of banking activities, including transferring funds, paying bills, checking account balances, and viewing transaction history. He further pointed out that internet banking has become an increasingly popular choice for individuals and businesses in recent times so the awareness of internet banking is crucial for the people to take advantage of the benefits it offers. However, he added that people also need to be aware of the risks and security measures necessary to protect their financial information. Overall, 67 participants participated in this workshop.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Phone : 0612-2350116 (O)  
E\_mail : principalcocaspata@gmail.com  
ditapanshandilya@yahoo.co.in  
Website : www.cocaspata.ac.in

  
**College of Commerce, Arts & Science**  
Kankarbagh, Patna – 800 020  
(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)  
NAAC RE-ACCREDITED 'A' Grade, with CGPA 3.10

---

**OFFICE OF THE PRINCIPAL**

Ref-..... Date - 20/09/2019

**NOTICE**

College of Commerce, Arts & Science, Patna in collaboration with the Reserve Bank of India is organizing a one day 'Electronic Banking awareness cum Training Programme' at the College.

All students, teachers and non-teaching staff of the college are requested to attend this programme.

Date :- 24.09.2019  
Time :- 10:45 A.M. onwards  
Venue :- Vanijya Sabhagar

*Handwritten signature*  
21/9/19

*Handwritten signature*  
20/09/2019

Prof.(Dr.) Tapan Kumar Shandilya  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020  
*Handwritten signature*  
20/09/2019

**Fig.: Notice of the WORKSHOP ON ELECTRONIC BANKING AWARENESS CUM TRAINING PROGRAMME organized on 24.09.2019**

**SEMINAR ON THE STORY OF STARS AND EXISTENCE OF LIFE ON SOME PLANETS**

*Handwritten signature*  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Date: 14/11/2019**

A Seminar was organized by IQAC and Department of Physics on 14.11.2019 on the topic "The story of stars and existence of life on some planets". The resource person was Prof. Vijay A. Singh, Former Professor of IIT-Kanpur, TIFR, Mumbai and HBCSE, Mumbai. Prof. Singh has been a noted theoretical physicist of India and presently he is developing innovative low-cost experiments for easy science communications. He said that despite a lot of research in outer space, scientists have not yet been able to find evidence of life forms on any other planet other than Earth. Earth is very hospitable, which makes living here easy. Earth has water, which living creatures need to survive. Total 75 participants participated in this study.



**Fig.: Poster of the SEMINAR ON THE STORY OF STARS AND EXISTENCE OF LIFE ON SOME PLANETS organized on 14/11/2019**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Prof. Vijay A. Singh (Former Professor of IIT-Kanpur, TIFR, Mumbai and HBCSE, Mumbai) with the participants in SEMINAR ON THE STORY OF STARS AND EXISTENCE OF LIFE ON SOME PLANETS organized on 14/11/2019**



**Fig.: Participants in the SEMINAR ON THE STORY OF STARS AND EXISTENCE OF LIFE ON SOME PLANETS organized on 14/11/2019**



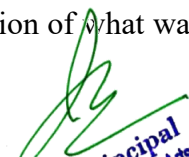
## NATIONAL SEMINAR ON LOCAL HISTORY AND HISTORIOGRAPHY

**Date: 17.11.2019 to 18.11.2019**

**Inaugural Address** – Prof. Girish Kumar Chaudhary, Pro Vice Chancellor, PPU Patna

A National Seminar on “Local History and Historiography” was organized by the Department of History, College of Commerce, Arts & Science, Patna in collaboration with Itihas Sankalan Samiti, Bihar. There were about 220 participants which included eminent academicians from different parts of India, young scholars and students who actively participated in academic deliberations. The vibrant presentation made by different scholars on the topic of the Seminar made it a successful event. The National Seminar which was held for two days, began with an inaugural session. After the inaugural function one plenary session was conducted. In this session four important lectures on the theme were delivered. Academic session followed by 06 (Six) technical sessions in which 37 (Thirty-Seven) papers were presented and a valedictory function in the Vanijya Sabhagar of the college. The participants came from abroad & different states of the country and presented their papers.

The Chief Guest Prof. B. Labh, Vice Chancellor, Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda recalled the glorious history of Bihar and gasped at its splendid past though with a touch of remorse. He however believed that the space to progress is not blocked. The keynote speaker Prof. Anand Shankar Singh, Principal, Ishwar Sharan Degree College, Allahabad (U.P.), while tracing the roots of historiography in the oral tradition. The Pro Vice Chancellor of the Patliputra University in his piercing speech compared the historiography of India with other developed countries. Dr. Bal Mukund Pandey, Speaker and Organising Secretary, Akhil Bhartiya Itihas Sankalan Yojna, New Delhi kept nodding his head in approbation of what was

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

said. He said that History is everything and everything has a history. History that misleads generations is more dangerous than a weapon of mass destruction. A large number of teachers, research scholars and students were present. There were representations from all over country and about two hundred delegates participated in the Seminar. Vote of thanks was proposed by the coordinator of seminar Prof Rajesh Shukla, Head, Dept. of History, College of Commerce, Arts & Science, Patna. The valedictory session of the seminar was engrossing and enlightening as two key speeches were delivered by two eminent historians, Prof. Rajiva Sinha, Head, Dept. of History, T. M. Bhagalpur University, Bhagalpur. He stressed on the importance of Local History as the main source while tracing its genesis. Prof Rajiva Sinha opined that historiography is false without local history. He also said that Indian history should be viewed from the Bhartiya perspective while The Chairperson of all the sessions summarized focal points of their sessions in brief. The Chief Guest of the session Prof. Sanjay Paswan said that it is the right time to discuss local tradition of our nation which is replete with several examples of diversity and have always provided strong threads of unity to us. The Principal of the College Prof. T. K. Shandilya chaired the final session and applauded the efforts of the History department for such great initiative and hoped that the tradition of academic discourse will continue much the same way even in future. The Organising Secretary Prof. Rajeev Ranjan presented the secretary report and proposed the vote of thanks.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





**Fig.:** Prof. B. Labh (Vice Chancellor, Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda), Prof. Anand Shankar Singh (Principal, Ishwar Sharan Degree College, Allahabad, U.P.), Dr. Bal Mukund Pandey, (Akhil Bhartiya Itihas Sankalan Yojna, New Delhi) with others in the NATIONAL SEMINAR ON LOCAL HISTORY AND HISTORIOGRAPHY organized on 17.11.2019 to 18.11.2019

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**ONE- DAY WORKSHOP ON INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS IN  
PERSPECTIVE OF HIGHER EDUCATION**

**Date: 22.11.2019**

College organized one- day workshop on Intellectual Property Rights in Perspective of Higher Education on 22.11.2019. The resource person Mrs. Sugandha Sinha, Chanakya National Law University, Patna discussed that intellectual property rights (IPRs) are the backbone of innovation and new ideas. It encourages prospective researchers and protect their interests. These rights give innovators an exclusive right over their creations for a certain period. The session was chaired by Prof. T. K. Shandilya, Principal, COCAS, Patna. 67 participants participated in this workshop.



**Fig.: Mrs. Sugandha Sinha (Chanakya National Law University, Patna) Prof. T. K. Shandilya, Principal, COCAS, Prof. A.K. Bhaskar and others in ONE- DAY WORKSHOP ON INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS IN PERSPECTIVE OF HIGHER EDUCATION organized on 22.11.2019**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Mrs. Sugandha Sinha (Chanakya National Law University, Patna) Prof. T. K. Shandilya, Principal, COCAS, Prof. A.K. Bhaskar and others in ONE- DAY WORKSHOP ON INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS IN PERSPECTIVE OF HIGHER EDUCATION organized on 22.11.2019**

## **INTERNATIONAL YEAR OF PERIODIC TABLE (IYPT)-2019**

**Date: 28/11/2019**

Dmitri Mendeleev, the major discoverer of the Periodic Table of Chemical Elements organized the table in 1869 which is considered as the year of discovery of the Periodic System. 2019 is its 150th anniversary and has therefore been proclaimed the "International Year of the Periodic Table of Chemical Elements (IYPT2019)" by the United Nations General Assembly and UNESCO. The Periodic Table, which has undergone transformations since the time of Mendeleev, is considered to be one of the most significant achievements in science. This occasion is being celebrated all over the globe in various forms. UNESCO held the Opening Ceremony on 29th of January 2019 at Paris, France. The IYPT 2019 India Program was launched on January 12, 2019 at Raman Science Centre, Nagpur.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949

NAAC Re-Accredited

With Grade - A | CGPA of 3.10/4

In view, Department of Chemistry College of commerce arts and Science (COCAS), Patna have organised one day workshop on international year of Periodic Table 2019 on 28th November 2019. In the event, Lectures by Faculty members, Presentations by PG students, and Model Display by UG students were conducted in which more than two hundred students and forty teachers had participated. The programme was convened by Dr. Dimple Kumari, assistant professor, Dept. of Chemistry, COCAS, Patna.

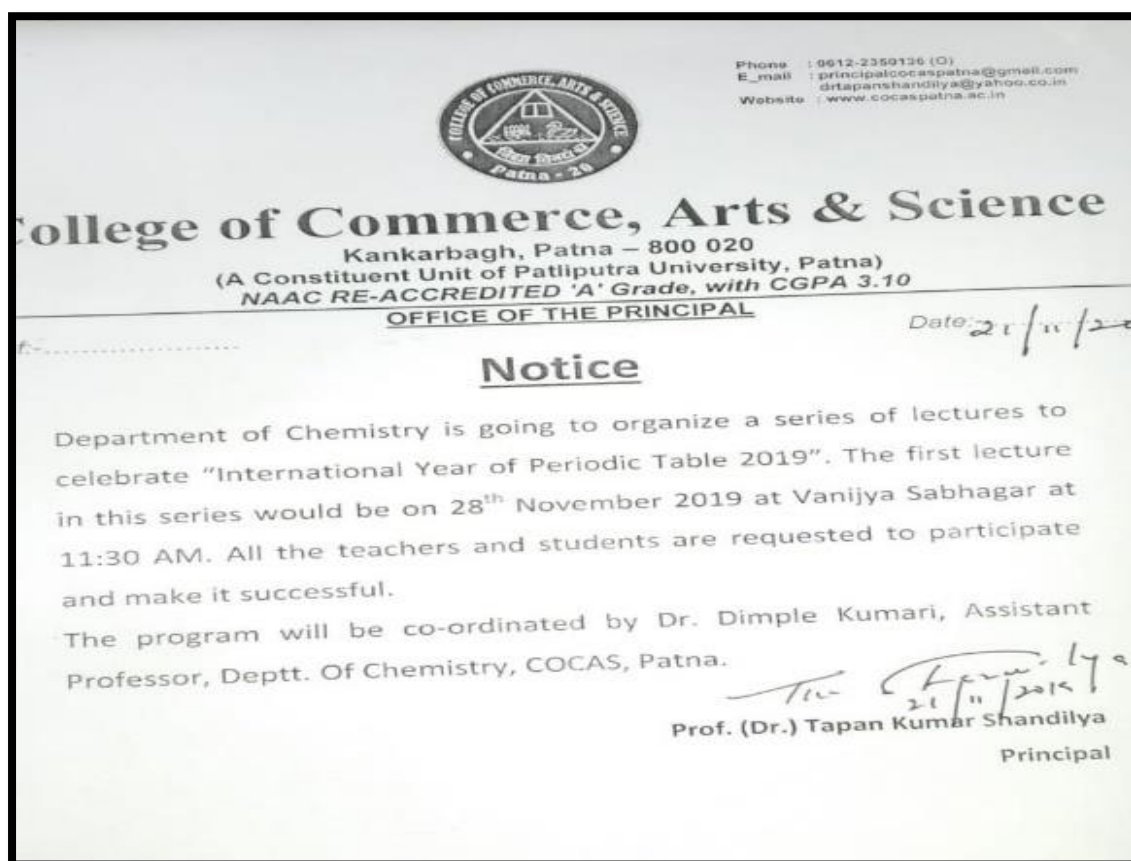


Fig.: Notice of the programme INTERNATIONAL YEAR OF PERIODIC TABLE (IYPT)-2019 organized on 28/11/2019


Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: Lightening of the lamp during the event INTERNATIONAL YEAR OF PERIODIC TABLE (IYPT)-2019 organized on 28/11/2019**



**Fig.: Prof. Kalpna Shahi, Department of Chemistry (left), Dr. Smita Kumari (Department of Chemistry), Prof. A.K. Bhashkar (Department of Physics) and the**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**

A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

**participants (right) during the event INTERNATIONAL YEAR OF PERIODIC TABLE  
(IYPT)-2019 organized on 28/11/2019**

**WORKSHOP ON THIN FILM TECHNOLOGY AND SYNTHESIS OF  
ELECTRONIC MATERIALS**

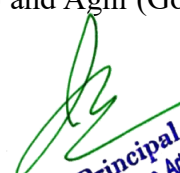
**11/12/2019**

A one- day workshop was organized on Thin Film Technology and Synthesis of Electronic Materials on 11.12.2019. the resource person was Dr. Ramjanay Choudhary, Scientist G at UGC-DAE Consortium for Scientific Research, Indore. He discussed that the controlled synthesis of materials as thin films (a process referred to as deposition) is a fundamental step in many applications. Total 58 participants participated in this workshop.

**SEMINAR ON QUALITY: ROLE AND RELEVANCE IN THE LIFE OF A NATION**

**Date: 23.12.2019**

K.K. Sinha Memorial Seminar was organized by IQAC and Department of Economics in association with KK Sinha Uma Sinha Foundation (KKSUSF) on dt. 23.12.2019 on the topic “Quality-Role and relevance in the life of a nation”. Director general of Bureau of Indian Standards Pramod Kumar Tiwari said that a nation's character, respectability and credibility depend on the standards of quality it maintains. In his keynote speech he said that culture of tolerance developed in country in 6th century B.C. Tiwari pointed that the society needs amendments. The struggle of human beings for a good living started way back when fire was invented. The prayers dedicated to Indra (God of rains), Varun (God of wind) and Agni (God

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



of fire) showcase the seeking of materialistic pleasures by rishis and the accreditation given to materialistic benefits as depicted by those books reveal the consciousness of humans towards quality even during those times. He further added that the 6th century BC period was of extreme importance as the culture of tolerance and resistance in the country was developed during the phase. The evening started with welcome address by KKSUSF secretary Pravir Krishna. After the felicitation of guests and the ceremonial lighting of the lamp, Ashok Priyadarshi of the Jan Mukti Sangharsh Morcha spoke about his association with K. K. Sinha and thanked him for contributing to Bihar's growth story. Other dignitaries were also invited to speak on relevant social issues and share their association with professor (late) K K Sinha. The event was organized by the foundation to carry forward Sinha's message and teachings. Prof. Shandilya presented a vote of thanks and KKSUSF president Dr Uma Sinha thanked the audience and dignitaries for making the event successful. 209 participants participated in this seminar.



**Fig.: Lightening of the lamp ceremony during the SEMINAR ON QUALITY: ROLE AND RELEVANCE IN THE LIFE OF A NATION organized on 23.12.2019**



**Fig.: Newspaper Coverage of the SEMINAR ON QUALITY: ROLE AND RELEVANCE IN THE LIFE OF A NATION organized on 23.12.2019**



**Fig.: Newspaper Coverage of the SEMINAR ON QUALITY: ROLE AND RELEVANCE IN THE LIFE OF A NATION organized on 23.12.2019**

*[Signature]*  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





**2020**

**A ONE DAY SEMINAR ON CONTRIBUTIONS OF SAVITRI BAI PHULE IN  
EDUCATION AND WOMEN EMPOWERMENT**

**DATE: 09-01-2020**

One-day seminar on "Contribution of Savitri Bai Phule in Education and Women Empowerment," was organized to commemorate the 169<sup>th</sup> birth anniversary of Savitri bai Phule by Dr. Manju Kumari, Head of the Department of Maithili, held on January 9, 2020, at Vanijya Sabhagar, College of Commerce Arts and Science. The Distinguished Chairpersons of the event were Prof. T.K. Shandilya, the Principal of the College of Commerce; Prof. Bharti S. Kumar from Patna University; Prof. Usha Prasad, a Member of the Bihar State University Service Commission; Dr. Tanuja from C.C.D.C. Patliputra University; and Shri Asrafi Kumar Sada, a Senate Member of B. N. Mandal University. The stage coordination was flawlessly handled by Prof Rajiv Ranjan, Dr. Santosh Kumar, Dr. G.P. Gadkar, and Smt. Anita Sagar. The day commenced with a floral tribute of Savitri Bai Phule. This was followed by warm welcome extended by Dr. Santosh Kumar and Dr. G.P. Gadkar, setting a positive tone for the engaging discussions. The highlight of the day was the enlightening presentations by the keynote speakers, Prof Bharti S. Kumar and Shri Asrafi Kumar Sada , who eloquently highlighted the profound impact of Savitri Bai Phule's work on education and women empowerment. The symposium saw active participation from Prof Usha Prasad, Dr. Tanuja, and Prof. T.K. Shandilya, who shared their perspectives and expertise. Prof Rajiv Ranjan delivered the final vote of thanks, expressing gratitude to the participants, organizers, and distinguished guests for making the symposium a resounding success. With a total of 200 participants actively engaging in discussions and presentations, the symposium provided a platform for intellectual exchange and reflection on the significant contributions of Savitri Bai Phule in shaping education and empowering women.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Pictures of the dignitaries of One-day seminar on "Contribution of Savitri Bai Phule in Education and Women Empowerment," organized to commemorate the 169<sup>th</sup> birth anniversary of Savitri bai Phule by Dr. Manju Kumari, Head of the Department of Maithili, held on January 9, 2020, at Vanijya Sabhagar, College of Commerce Arts and Science.

## MARCHING FRONTIERS OF BIOTECHNOLOGY: A TWO DAYS' WORKSHOP

Date: 21 to 22 January, 2020

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



A two- day workshop on “Marching frontiers of Biotechnology “was organised from dt. 21-01-2020 to 22-01-2020. 66 participants participated in this workshop and neuromas other faculty members were also graced this event with their presence. A glimpse of the inaugural function and Keynote talk:



Fig.: The Principal of the college addressing the inaugural speech on the two-day workshop and seminar on “Marching Frontiers of Biotechnology” organized on 21<sup>st</sup> January, 2020 and 22<sup>nd</sup> January, 2020.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: A view of the dignitaries on stage of the two day workshop and seminar on “Marching Frontiers of Biotechnology” organized on 21<sup>st</sup> January, 2020 and 22<sup>nd</sup> January, 2020.



Fig.: A glimpse of the participants of the two-day workshop and seminar on “Marching Frontiers of Biotechnology” organized on 21<sup>st</sup> January, 2020 and 22<sup>nd</sup> January, 2020.

**NATIONAL SCIENCE DAY SEMINAR**

**Date: 28-02-2020**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



National Science Day was celebrated in the college on 28-02-2020. Professor Raj Mani Prasad Sinha, Former H.O.D Physics, Patna University, Former Chairman, Bihar School Examination Board and Former Vice Chancellor L N. Mithila University was the keynote speaker. He spoke on the History of Development of Science and innovation. Overall, 58 participants participated in this event.



Fig.: The Principal of the college addressing the inaugural speech on **NATIONAL SCIENCE DAY SEMINAR** celebrated on 28-2-2020.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Felicitation to the Chief Guest of NATIONAL SCIENCE DAY SEMINAR organized on 28-2-2020.

### A SEMINAR CUM WORKSHOP ON THE EVE OF INTERNATIONAL WOMEN'S DAY

**Date: 06/03/2020**

A seminar cum workshop was organised in our college on the eve of International Women's day in collaboration with C3 (centre for catalysing change). The entire discussion was centered towards "Women in Bihar": Work, Barriers and Enablers. The program was truly worth in today's perspective. 52 participants participated in this workshop.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: A glimpse of the dignitaries of the seminar cum workshop organised in the college on the eve of International Women's day in collaboration with C3 (centre for catalysing change) on 6/3/2020.

# माहौल बिना महिलाओं का पूर्ण विकास बाधित



महिलाओं को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. तपन कुमार शांडिल्य (दाएं)। • जागरण

जासं, पटना : कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस पटना में शुक्रवार को 'बिहार में महिला : कार्य, बाधाएं और समर्थक' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि आजादी के बाद प्रारंभिक पांच वार्षिक योजनाओं में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कोई ठोस योजना का अभाव दिखा।

सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज की अनामिका प्रियदर्शनी, गुंजन बिहारी और सोनाक्षी चौधरी ने पावर प्वाइंट

प्रेजेंटेशन से विभिन्न कार्यक्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सकारात्मक माहौल के अभाव में महिलाओं का पूर्ण विकास बाधित है। आयोजन अर्थशास्त्र विभाग और 'सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज' ने संयुक्त रूप से किया था। संचालन प्रो. मृदुला कुमारी व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रश्मि अखौरी ने किया। प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. संजय पांडेय, प्रो. आशुतोष कुमार सिन्हा, प्रो. खालिद अहमद, प्रो. संतोष कुमार, डॉ. बैकुंठ राय आदि कई मौजूद थे।

Fig.: Newspaper clipping of the seminar cum workshop organised in the college on the eve of International Women's day in collaboration with C3 (centre for catalysing change)





COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

## WEBINAR ON IMPACT OF COVID-19 ON INDIAN ECONOMY

**Date: 09-05-2020**

A National Webinar on Impact of Covid 19 on Indian Economy was organised by the college in collaboration with Global Leaders Foundation, New Delhi on 09-05-2020. The Webinar explained extensively how the corona pandemic affected Indian Economy and what are the various ways to boost Indian Economy. 150 participants participated in this seminar.

**College of Commerce, Arts and Science, Patna**  
**in collaboration with**  
**Global Leaders Foundation, New Delhi**  
**National Webinar On**  
**Impact of Covid 19 on Indian Economy**

कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइन्स  
पटना - 20  
स्थापित - 1949

**Webinar Date : 09 May, 2020 at 3:00 PM IST**  
**Zoom Meeting ID : 9164172837 | Password : 383193**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Brochure of the webinar on Impact of Covid 19 on Indian Economy, organised by the college in collaboration with Global Leaders Foundation, New Delhi on 09-05-2020.

**LIVING UNDER THE SHADOW OF COVID 19: WEBINAR CONDUCTED BY  
DEPARTMENT OF ENGLISH**

**DATE: 09-06-2020**

Department of English of College of Commerce, Arts & Science organised a webinar entitled “Living Under the Shadow of Covid 19” on 09-06-2020. The Webinar started with the speech of Principal who declared Covid 19 as the biggest disaster of the century and urged to take precautionary measures to deal with this pandemic. Prof.(Dr.) Kumar Chandradeep, Prof. (Dr.) Saloni Kumar, Dr. Afroz Ashrafi and many scholars also expressed their opinions. Over all the webinar proved to be quite healing and refreshing in this hour of crisis. 168 participants participated in this webinar.

## कोविड-19 सदी की सबसे बड़ी त्रासदी : प्रो. शांडिल्य

पटना। कालेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइंस पटना के अंग्रेजी विभाग द्वारा सोमवार को श्लोविंग अंडर द शैडो ऑफ कोविड 19 विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रिंसिपल प्रोफेसर तपन कुमार शांडिल्य ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. शांडिल्य ने इस महामारी को सदी की सबसे बड़ी त्रासदी बताते हुए कहा कि हमें कोरोना के साथ जीने की आदत डालनी होगी और इस महामारी का पूरी सतर्कता के साथ मुकाबला करना होगा। वेबिनार

में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर कुमार चंद्रदीप ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के आलोक में पुनर्निर्माण की आवश्यकता है। इसे से निपटने के लिए राजनीति, समाज और नैतिक स्तर पर मुकाबला करने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। डॉ. राजेन्द्र सिंह ने अपने व्याख्यान में कोविड 19 को सामाजिक न्याय से जोड़ते हुए झुआ छूत को पारिभाषित भी किया और सामाजिक दूरी जैसे शब्द को एक सामाजिक संदर्भ भी दिया। डॉ. शिव कुमार यादव ने कोविड-19 की

विवेचना करते हुए इसे एक ऐतिहासिक परिवेश में परखा और साहित्य महामारी के आपसी ताल मेल की विस्तार से विवेचना की।

डॉ. सैय्यद अफरोज अशरफ़ी ने इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए महामारी काल खंड में साहित्य को मरहम के रूप में प्रस्तुत करने की सलाह दी। वेबिनार की संयोजक अंग्रेजी की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सलोनी कुमार ने कोविड 19 के दुष्प्रभावों को साहित्य के माध्यम से उजागर करने और इस से निपटने के

सुझाव खोजने तथा समाज में इस बीमारी के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने की सलाह दी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अर्दित ने किया। यह वेबिनार अंग्रेजी विभाग की उपलब्धियों में से एक है। वेबिनार से अन्य विभागों के प्रोफेसर डॉ. रश्मि अखौरी, डॉ. पद्मिनी प्रसाद, डॉ. कोर्ति, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. पदमदेव भी शामिल हुए। इस वेबिनार की अवधि लगभग दो घंटे रही जिसमें छात्रों ने भी भाग लिया और अपने प्रश्नों के द्वारा अपनी जागरूकता भी दर्ज की।

मति दास शह: की अंत वे 2 विव नारा सडू लग उन्ह राज

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Newspaper clipping of the webinar entitled “Living Under the Shadow of Covid 19” on 09-06-2020.

# कोरोना के साथ जीने की आदत डाल लें

लाइफ रिपोर्ट@पटना

कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस पटना के अंग्रेजी विभाग द्वारा सोमवार को 'लीविंग अंडर द शैडो ऑफ कोविड 19' विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया. इसकी अध्यक्षता प्रिंसिपल प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने की. अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. शांडिल्य ने इस महामारी को सदी की सबसे बड़ी त्रासदी बताते हुए कहा कि हमें कोरोना के साथ जीने की आदत डालनी होगी और इस महामारी का पूरी सतर्कता के साथ मुकाबला करना होगा. वेबिनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर कुमार चंद्रदीप ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के आलोक में पुनर्निर्माण की आवश्यकता है. इसे से निपटने के लिए राजनीति, समाज और नैतिक स्तर पर मुकाबला करना होगा.

## छात्राओं ने अपने विचारों को रखा

**पटना.** गंगा देवी महिला कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की ओर से ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया. वेबिनार का विषय कोविड 19 पैडमिक का प्रभाव था. इसमें कुल 58 टीचर्स और छात्राओं ने भाग लिया. कॉलेज की प्राचार्या प्रो मणिबाला ने छात्राओं को कोविड 19 और स्वास्थ्य पर होने वाले इसके प्रभाव के बारे में बताया. उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया वे सभी प्रॉपर डायट और समय पर खाना लें ताकि उनका इम्यून सिस्टम स्ट्रॉंग बना रहें.

## कामगारों को उनके कौशल के अनुसार मिले काम

**पटना.** पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के एसएमडी कॉलेज, पुनपुन में 'कोविड-19: अप्रवासी कामगारों के दैनंदिनी जीवन' विषय पर वेबिनार हुआ. वेबिनार का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो जीसीआर जायसवाल ने कहा कि कि कुशल, अर्द्ध कुशल एवं अकुशल कामगार जिन-जिन प्रदेशों में लौटे हैं, उन्हें उनके कौशल के अनुकूल काम दिया जाना चाहिए ताकि फिर से

उनके जीवन में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी खुशी लीट सके. वे अपने को जड़ों से उखड़े हुए महसूस न करें. उन्होंने कहा कि उनकी समस्या इस वैश्विक महामारी में दोहरी हो चुकी है. पुराना काम छूट गया और नया मिला नहीं. ऐसी परिस्थिति में उन्हें देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धारा में लाने का प्रयास करना होगा.

Fig.: Newspaper clipping of the webinar entitled “Living Under the Shadow of Covid 19” on 09-06-2020.

**IMMUNITY BOOSTING HIGHER PLANTS AND COVID 19: WEBINAR  
CONDUCTED BY DEPARTMENT OF BOTANY**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



11-06-2020

A webinar entitled “Immunity Boosting Higher plants and Covid 19” was conducted by Department of Botany in collaboration with IQAC on 11-06-2020. Prof. N.N. Tripathi, Ex.H.O.D. Botany, Deen Dayal Upadhyaya University, Gorakhpur was the chief speaker who laid stress on the importance of Immunity and also suggested certain ways to make the immune system healthy. 183 participants participated in this webinar.

## रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिए औषधीय पौधे बेहतर विकल्प

**पटना (आससे)**। कालेज आफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइंस पटना में बनिस्पत विज्ञान और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले औषधीय पौधे और कोविड-19 विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के वनस्पति विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो एन एन त्रिपाठी ने कोरोना वायरस के बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए औषधीय पौधों से बनी दवाओं के इस्तेमाल का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि मैथी, अजवाइन का इस्तेमाल कर के उच्च रक्तचाप और पीलिया की बीमारी से बचा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कीवी में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है और यह फल दम्मा के मरीजों के लिए

फायदेमंद है। उन्होंने कहा ग्रीन टी, प्याज, लहसुन, काली मिर्च के अलावा अदरक, गिलोय, तुलसी और अश्वगंधा का प्रयोग कर के कोरोना से बचा जा सकता है।

प्रो. तिवारी ने बताया कि अल्कोहल युक्त सेनाटाइजर के अधिक उपयोग से चर्म रोग होने की संभावना बढ़ जाती है है इसलिए एलोवेरा को इसके विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार शान्दिल्य ने लोगों को देशी चिकित्सा पद्धति को अपना कर अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में भी देसी औषधीय पौधों का इस्तेमाल कर बहुत सारी जटिल बीमारियों की दवायें बनाई हैं जो रोग पर कारगर रूप से असर करती और इसका कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होता है। बनिस्पत विभाग के

विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने औषधीय पौधों के गुणों और विभिन्न बीमारियों विशेष रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में इसके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वेबिनार के सचिव डॉ. मुन्वर फजल ने घर में इस्तेमाल होने वाले मसालों हल्दी, अदरक और दालचीनी औषधीय गुणों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सात्वना रानी ने किया। वेबिनार से पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. मनोज कुमार, एन एस एस के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार, पटना विश्वविद्यालय के चौधरी शरफुद्दीन के अलावा लखनऊ, हैदराबाद, उड़ीसा, कोलकाता और उत्तराखंड के लगभग ढाई सौ से अधिक विशेषज्ञों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

Fig.: Newspaper clipping of the webinar entitled “Immunity Boosting Higher plants and Covid 19”, conducted by Department of Botany in collaboration with IQAC on 11-06-2020.

## प्याज, लहसुन व गिलोय का करें प्रयोग

**पटना (एसएनबी)**। दीनदयाल उपाध्याय विवि गोरखपुर के वनस्पति विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एनएन त्रिपाठी ने कोरोना वायरस के बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए औषधीय पौधों से बनी दवाओं के इस्तेमाल का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मैथी, अजवाइन का इस्तेमाल कर उच्च रक्तचाप और पीलिया से बचा जा सकता है। उन्होंने ये बातें कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में वनस्पति विज्ञान और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले औषधीय पौधे और कोविड-19 विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में कहीं। उन्होंने कहा कि कीवी में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

### कोरोना से बचाव

यह फल दम्मा के मरीजों के लिए फायदेमंद है। ग्रीन टी, प्याज, लहसुन, काली मिर्च के अलावा अदरक, गिलोय, तुलसी और अश्वगंधा का प्रयोग कर कोरोना से बचा जा सकता है। अल्कोहल युक्त सैनिटाइजर के अधिक उपयोग से चर्म रोग खतरा बढ़ जाता है। इसलिए एलोवेरा को इसके विकल्प के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शान्दिल्य ने देसी चिकित्सा पद्धति को अपना कर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सुझाव दिया।

वनस्पति विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने औषधीय पौधों के गुणों और

विभिन्न बीमारियों विशेष रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में इसके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वेबिनार के सचिव डॉ. मुन्वर फजल ने हल्दी, अदरक और दालचीनी के औषधीय गुणों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सात्वना रानी ने किया। वेबिनार में पाटलिपुत्र विवि के कुलानुशासक प्रो. मनोज कुमार, एनएसएस के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार, पटना विवि के चौधरी शरफुद्दीन, कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. तारिक फातमी के अलावा लखनऊ हैदराबाद, उड़ीसा, कोलकाता और उत्तराखंड के ढाई सौ से अधिक विशेषज्ञों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Newspaper clipping of the webinar entitled “Immunity Boosting Higher plants and Covid 19”, conducted by Department of Botany in collaboration with IQAC on 11-06-2020.

## WATER MANAGEMENT AND ADMINISTRATION : WEBINAR CONDUCTED BY DEPARTMENT OF ECONOMICS

12-06-2020

A national webinar entitled “**Water Management and Administration**” was conducted by Department of Economics in collaboration with IQAC on 12-06-2020. Meghna Mukherjee, a renowned social scientist from Netherland, was the chief speaker who emphasized the need of cooperative effort of government as well as local bodies and society in water management. 120 participants participated in this webinar.



Fig.: Newspaper clipping of the national webinar entitled “**Water Management and Administration**”, conducted by Department of Economics in collaboration with IQAC on 12-06-2020

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



# जल प्रबंधन में सरकार व सामान्य जन की भूमिका अहम

पटना (एसएनबी)। नीदरलैंड की सामाजिक वैज्ञानिक मेघना मुखर्जी ने कहा कि जल प्रबंधन में सरकार की आम भूमिका के साथ स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सामान्य जन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने ये बातें कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइंस में अर्थशास्त्र विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में जल प्रबंधन और शासन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में कहीं। उन्होंने कहा कि इस विषय की प्रासंगिकता सम्पूर्ण विश्व में है। जल अमूल्य प्राकृतिक संसाधन है, जो सम्पूर्ण परिस्थितिक तंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। श्री

मुखर्जी ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन संबंधी नीति निर्माण में सदा ही पारंपरिक व्यवस्थाओं तथा कौशल को शामिल किया जाना चाहिए।

जल संसाधन प्रबंधन के अन्य आयामों तथा गुणवत्ता, विवाद तथा आपूर्ति संबंधी समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जल विवादों का उचित निर्णयन, गुणवत्ता की सुनिश्चितता तथा जल की आपूर्ति संबंधी समस्याओं के उचित निर्वहन के लिए विकसित अर्थव्यवस्था एक आवश्यक शर्त है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का समूचित प्रबंधन एवं वितरण ही अर्थव्यवस्था को

विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शान्दिल्य ने कहा कि अगर हम सही मायने में विकसित होना चाहते हैं तो हमें प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रबंधन अनिवार्य रूप से करना होगा। संचालन अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि अखौरी ने किया। वेबिनार में अन्य लोगों के अलावा प्रो. मृदुला कुमारी, प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. केएन यादव, प्रो. विवेक कुमार, प्रो. रमेश चौधरी, प्रो. संजय पांडेय, प्रो. बैकुण्ठ राय, आईक्यूएसी के संयोजक प्रो. संतोष कुमार, अंग्रेजी की विभागाध्यक्ष प्रो. सलोना कुमार, मनोविज्ञान की प्रो. कीर्ति आदि मौजूद थे।

Fig.: Newspaper clipping of the national webinar entitled “Water Management and Administration”, conducted by Department of Economics in collaboration with IQAC on 12-06-2020

## COVID 19 AND ITS IMPACT ON INDIAN ECONOMY: A WEBINAR CONDUCTED BY DEPARTMENT OF ECONOMICS

DATE: 13-06-2020

A webinar on the impact of Covid 19 on Indian Economy was organised by Department of Economics in collaboration with IQAC, Economic Association of Bihar and Indian Economic Association. Prof. Puleen B. Nayak from Delhi School of Economics, New Delhi was the chief speaker. He asserted the need of framing policies keeping in mind social, political and economic dimensions. 156 participants participated in this webinar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## श्रमिकों के कष्ट निवारण के लिए सामाजिक संरक्षण कार्यक्रम पर ध्यान देना होगा: प्रो. देव

पटना (आससे)। इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. महेन्द्र देव ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पहले ही आर्थिक मंदी का शिकार थी और कोविड के कारण ऐसी संभावना है कि मुख्य उद्योगों का जीवोप ऋणात्मक होने के कारण जीडीपी का ऋणात्मक दर अनुमानित किया गया। उन्होंने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कब इस प्रकोप से उभरेगी यह कहना मुश्किल है। श्रमिकों के कष्ट को दूर करने के लिए समाजिक संरक्षण कार्यक्रम पर विशेष ध्यान होगा। यह बात कॉलेज ऑफ कामर्स आर्ट्स एंड साइंस में कोविड-१९ और भारतीय पर इसका प्रभाव विषय पर संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन अर्थशास्त्र विभाग, इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन तथा बिहार इकोनॉमिक एसोसिएशन के संयुक्त में तत्वावधान में

आयोजित की गयी।

कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने भारत में कोविड-१९ के प्रभाव विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों की समस्याओं तथा उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उपायों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रवासी मजदूरों के लिए छोटे-छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देना जरूरी है। इसके अलावे वेबिनार को इकोनॉमिक एसोसिएशन ऑफ बिहार के सचिव प्रो. अनिल कुमार ठाकुर, इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के समन्वयक डॉ एस नारायण, अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि अखौरी, प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. के. यादव, प्रो प्रवीण कुमार, डॉ मृदुला कुमारी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएसी के संयोजक प्रो. संतोष कुमार ने किया।

## भारतीय अर्थव्यवस्था कब उबरेगी कहना मुश्किल : प्रो. एस महेन्द्र

■ पटना (एसएनबी)।

कॉलेज ऑफ कामर्स आर्ट्स एंड साइंस में कोविड -19 और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव विषय पर शुक्रवार को अर्थशास्त्र विभाग और इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन तथा बिहार इकोनॉमिक एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

कोविड -19 और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार

उनका कहना था कि भारतीय अर्थव्यवस्था कब इस प्रकोप से उबरेगी कहना मुश्किल है। अधिकतम श्रमिक असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। श्रमिकों के कष्ट को दूर करने के लिए समाजिक संरक्षण कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने सुरक्षा और संवर्धन के उपायों की चर्चा करते हुए कहा कि प्रवासी मजदूरों के लिए न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा और निपुणता निर्माण प्रावधान आवश्यक है। प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार

इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट वाशिंगटन डीसी के उपाध्यक्ष प्रो. एस महेन्द्र देव ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पहले ही आर्थिक मंदी का शिकार थी और कोविड के कारण ऐसी संभावना है कि मुख्य उद्योगों का जीवोप ऋणात्मक होने के कारण जीडीपी का ऋणात्मक दर अनुमानित किया गया है।

शान्दिल्य ने कहा कि प्रवासी मजदूरों के लिए छोटे-छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देना जरूरी है। इकोनॉमिक एसोसिएशन ऑफ बिहार के सचिव प्रो. अनिल कुमार ठाकुर ने कहा कि कोविड-19 ने भारत सहित विश्व की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य की आवश्यकता है।

Fig.: Newspaper clipping of the webinar on the impact of Covid 19 on Indian Economy, organised by Department of Economics in collaboration with IQAC on 13-6-2020.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## लॉकडाउन व्याख्यान श्रृंखला-5 का आयोजन

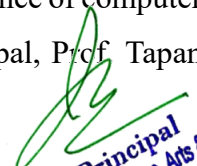
पटना। अर्थशास्त्र विभाग और आइक्यूएसी, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, इकोनॉमिक एसोसिएशन ऑफ बिहार और इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के सहयोग के साथ लॉकडाउन व्याख्यान श्रृंखला-5 का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का प्रभाव था। प्रो. पुलीन बी. नायक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली प्रमुख वक्ता थे। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आय और संपत्ति में असमानता है। उन्होंने पिछले 25 वर्षों के जीडीपी वृद्धि दर को ध्यान में रखते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पहले से ही अप्रत्याशित गिरती हुई जीडीपी वृद्धि दर से प्रभावित था। कोविड-19 के कारण आय असमानता और भी गहरी हो गई है। किसी भी समस्या के समाधान के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयाम को ध्यान में रखते हुए ही नीतियों का निर्माण होना चाहिए। स्वास्थ्य क्षेत्र में बीमा को उन्होंने अपनी सहमति नहीं दी। उनके अनुसार लोगों के मानसिक विचारों में परिवर्तन लाना होगा। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के संभावित वृद्धि पथ पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अर्थव्यवस्था के पुनः प्रवर्तन में समय लगेगा क्योंकि जीडीपी वृद्धि दर ऋणात्मक अनुमानित है।

Fig.: Newspaper clipping of the webinar on the impact of Covid 19 on Indian Economy, organised by Department of Economics in collaboration with IQAC on 13-6-2020.

### ONE WEEK FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME ON “LIBREOFFICE IMPRESS” IN COLLABORATION WITH IIT, MUMBAI

15-06-2020 to 21-06-2020

A one-week Faculty Development Programme in collaboration with IIT, Mumbai was organised to make the students as well as faculty members aware of the importance of computer and technology in education. The programme was inaugurated by the principal, Prof. Tapan

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





Kumar Shandilya. 210 teachers and students from different universities participated in this one-week FDP.

## कॉलेज ऑफ कॉमर्स में फैकल्टी डेवलपमेंट

**पटना.** कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस पटना में आइआईटी मुंबई के सहयोग से सोमवार को एक सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार शान्दिल्य ने किया. उन्होंने कहा कि कोरोना के समय में हर शिक्षक को कंप्यूटर तकनीक से अवगत होना आवश्यक है और यह प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा. प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक प्रो. बिंदु सिंह ने एक सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दौरान शिक्षकों को लिबरे ऑफिस इम्प्रेस के माध्यम से प्रशिक्षित किया जायेगा. उद्घाटन कार्यक्रम में प्रो अनीता सागर, आइक्यूएसी के संयोजक प्रो. संतोष कुमार ने भी विचार व्यक्त किये. एक सप्ताह के इस प्रोग्राम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्टूडेंट्स ने भाग लिया.

## शिक्षक सीख रहे कंप्यूटर तकनीक

पटना। कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में आइआईटी मुंबई के सहयोग से सोमवार को एक सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार शान्दिल्य ने किया। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय में हर शिक्षक को कंप्यूटर तकनीक से अवगत होना आवश्यक है और यह प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक प्रो बिंदु सिंह ने एक सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दौरान शिक्षकों को लिबरे ऑफिस इम्प्रेस के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रो. अनीता सागर, आइक्यूएसी के संयोजक प्रो. संतोष कुमार ने भी विचार व्यक्त किए। एक सप्ताह के इस फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग दो सौ से अधिक शिक्षक भाग ले रहे हैं।

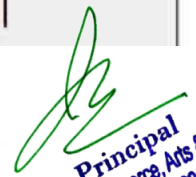
  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Newspaper clipping of the one-week Faculty Development Programme organized by the college in collaboration with IIT, Mumbai from 15-6-2020 to 21-6-2020.

**IMPACT OF COVID 19 & POLICY IMPLICATIONS: A WEBINAR CONDUCTED  
BY DEPARTMENT OF ECONOMICS**

**18-06-2020**

A webinar entitled “Impact of Covid 19 & Policy Implications” was organised by Department of Economics in collaboration with IQAC of the college. Prof. Sukhdev Thorat, Ex -chairman, UGC was the chief speaker. He explained extensively the impact of Covid 19 on informal workers especially daily wages labours. 164 participants participated in this webinar.



Fig.: Newspaper clipping of the webinar entitled “Impact of Covid 19 & Policy Implications” organised by Department of Economics in collaboration with IQAC of the college organized on 18-6-2020.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



# कोविड से श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित

## बोले प्रो. सुखदेव

पटना (एसएनबी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुखदेव थोराट ने कहा कि कोविड - 19 से 38 प्रतिशत अनौपचारिक श्रमिक और दस प्रतिशत स्वनियोजित श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। वे बुधवार को कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइंस और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में अर्थशास्त्र विभाग में 'कोविड - 19 उसके परिणाम और अपेक्षित नीतियां' विषय पर आयोजित वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड के प्रभाव से उबरने के लिए लोगों को भूख से

बचाने के लिए हमें मांग का सृजन करना होगा। वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार शान्दिल्या ने कोविड की विभीषिका और उससे उत्पन्न स्थिति में विशेष रूप से

## लोगों को भूख से बचाने के लिए हमें मांग का सृजन करना होगा

प्रवासी श्रमिकों और उद्योग जगत पर पड़ने वाले प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के समन्वयक प्रो. एस नारायण ने कहा कि लॉकडाउन के कारण संक्रमण के मामले में कमी आई है और इससे स्वास्थ्य प्रणाली को संसाधन जुटाने और

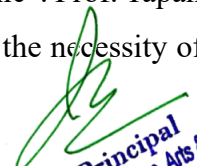
बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिली है। वेबिनार में अन्य लोगों के अलावा छत्तीसगढ़ के प्रो. रवींद्र ब्रो, प्रो. बोपी चन्द्रमोहन, प्रो. अनिल कुमार ठाकुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि अखौरी ने विषय प्रवेश कराते हुए अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लघु अवधि और दीर्घकालीन अवधि के उपायों की चर्चा की। वेबिनार का संचालन प्रो. संजय पांडेय ने किया। व्याख्यान श्रृंखला में प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. केएन यादव, प्रो. मृदुला कुमारी, प्रो. विवेक कुमार, प्रो. रमेश चौधरी, प्रो. वैकुण्ठ राय, कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. तारिक फातिमी शामिल हुए।

Fig.: Newspaper clipping of the webinar entitled "Impact of Covid 19 & Policy Implications" organised by Department of Economics in collaboration with IQAC of the college organized on 18-6-2020.

## WEBINAR ON FREE DOOR TO DOOR SANITIZATION & FREE WATER HYGIENE TESTING

19-07-2020

College of Commerce, Arts & Science in collaboration with Service Facility India PVT LTD organised a webinar entitled "How to safeguard home during Covid 19 pandemic". Prof. Tapan Kumar Shandilya, Principal of the college, was the chief guest. He explained the necessity of

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



social distancing and sanitization in the hour of covid 19 pandemic and requested everyone to follow strictly the guidelines issued by the government from time to time. 136 participants participated in this webinar.

WEBINAR ON FREE DOOR TO DOOR SANITIZATION & FREE WATER HYGIENE TESTING

**COLLEGE OF COMMERCE ARTS AND SCIENCE & SERVICELLO FACILITY INDIA PVT LTD IS ORGANISING A WEBINAR ON "HOW TO SAFEGUARD HOME DURING COVID19 PANDEMIC"**

**CHIEF GUEST  
PROF. TAPAN KR SHANDILYA**

**JULY 19, 2020  
TIME 2PM**

Logos for College of Commerce, Arts & Science Patna - 20 and servicello.com are also present.

Fig.: Brochure of WEBINAR ON FREE DOOR TO DOOR SANITIZATION & FREE WATER HYGIENE TESTING organized on 19-07-2020

Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



## MORAL IMPLICATION OF GROWTH AND DEVELOPMENT: A WEBINAR

DATE: 19-07-2020

A webinar on the moral implications of growth and development was organised by Department of Philosophy in collaboration with IQAC of the college. Prof. R. C. Sinha, Ex H.O.D. Philosophy, Patna University, was the chief speaker who touched upon the emotional and psychological aspects of man under Covid 19 pandemic scenario. 167 participants participated in this webinar.

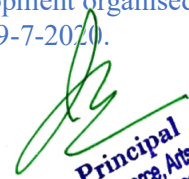
# अर्थव्यवस्था के साथ मनुष्य भी चिंता या अवसाद से गुजर रहा है

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस में शनिवार को विकास की नैतिकता पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस दौरान पटना विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आरसी सिन्हा ने कहा कि मनुष्य का आर्थिक ही नहीं सांस्कृतिक पहलू भी है। उन्होंने मनुष्य के भावनात्मक और संज्ञानात्मक पहलुओं की चर्चा की। विकासशील देशों में सीमांत व्यक्ति विकसित नहीं होता है। विकास के लिए अगर हम नैतिकता की बात करें तो विकास की प्रकृति

समावेशी होनी चाहिए। आज अर्थव्यवस्था के साथ-साथ मनुष्य भी चिंता या अवसाद से गुजर रहा है। वहीं कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने बताया कि आज के समय में विकास में नैतिकता के सिद्धांत का महत्व है। कोविड-19 के दौर में इस विषय की प्रासंगिकता की चर्चा करते हुए कहा कि विकास सामाजिक न्याय के साथ होना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. रश्मि अखौरी, डॉ. पूर्णिमा सिंह, प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. श्यामल किशोर, प्रो. सलोनी, प्रो. कीर्ति, प्रो. अनिल नाथ, प्रो. बीके सिन्हा, प्रो. अरविंद कुमार नाग, प्रो. मृदुला कुमारी आदि मौजूद रहे।

Fig.: Newspaper clipping of webinar on the moral implications of growth and development organised by Department of Philosophy in collaboration with IQAC of the college on 19-7-2020.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



# विकास सामाजिक न्याय के साथ होना चाहिए

पटना ( आससे ) । कालेज आफ कामर्स आर्ट्स एण्ड साइंस पटना में शनिवार को विकास की नैतिकता विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया । वेबिनार के मुख्य वक्ता पटना विश्वविद्यालय दर्शन शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आर. सी. सिंहा ने कहा कि विकास के लिए अगर हम नैतिकता की बात करें तो विकास की प्रकृति समावेशी होनी चाहिए । उन्होंने कहा कि आज अर्थव्यवस्था के साथ साथ मनुष्य भी चिंता या अवसाद से गुजर रहा है । ऐसी परिस्थिति में उन्होंने ने मिल और बेन्थम के सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला । वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि आज के समय में विकास में नैतिकता के सिद्धांत का काफी महत्व है । उन्होंने कहा कि प्रो. एडम स्मिथ भी इसी विचारधारा के ससमर्थक थे । उन्होंने कहा कि विकास सामाजिक न्याय के साथ होना चाहिए । वेबिनार का संचालन करते हुए अर्थ शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो रश्मि आखौरी ने कहा कि विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति करते समय हमें नैतिक सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए । वेबिनार में प्रो. उमेश प्रसाद, प्रो. श्यामल किशोर, प्रो. कीर्ति, प्रो. सलोनी कुमार, प्रो. बी.के सिंहा, प्रो ए के नाग प्रो. मृदुला कुमारी, प्रो. संतोष कुमार और डॉ पूर्णिमा सिंह समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और छात्रों ने भी अपने विचार व्यक्त किए । वेबिनार का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग और आईक्यूएसी ने संयुक्त रूप से किया था ।

Fig.: Newspaper clipping of webinar on the moral implications of growth and development organised by Department of Philosophy in collaboration with IQAC of the college on 19-7-2020.

**CONTEMPORARY ISSUES IN BIO SCIENCE: A NATIONAL WEBINAR  
CONDUCTED BY DEPARTMENT OF BOTANY**

**DATE: 07-09-2020**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



A National Webinar entitled “Contemporary Issues in Bio Science” was conducted by Department of Botany in collaboration with IQAC of the college. Prof. Anwar Shehzad of Aligarh Muslim University was the chief speaker who spoke on Tissue culture and analysed how tissue culture can be useful in the field of agriculture. 159 participants participated in this webinar.

## टिशू कल्चर से विलुप्त हो रही वनस्पतियों को कर सकते हैं संरक्षित

**पटना.** कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस में वनस्पति विज्ञान विभाग और आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को कंटेम्पररी इशूज इन बायो साइंसेज विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो अनवर शहजाद ने विलुप्त हो रही वनस्पतियों को टिशू कल्चर के माध्यम से संरक्षित करने तथा कम समय में और कम जगह में अधिक उत्पादन करने की विधि की चर्चा करते हुए कहा कि कृषि के क्षेत्र में यह तकनीक काफी उपयोगी साबित हो सकती है. वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में टिशू कल्चर

माध्यम से कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है. वेबिनार को डॉ मुनव्वर फजल, प्रो कीर्ति, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रो मनोज कुमार तथा डॉ मनोज कुमार ने संबोधित किया. कार्यक्रम का संचालन प्रो सांत्वना रानी ने किया.

वेबिनार में प्रदेश और देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. इससे पूर्व वेबिनार का उद्घाटन करते हुए प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य किया. उन्होंने कोरोना काल में विज्ञान के सकारात्मक प्रयोग तथा इसके महत्व पर प्रकाश डाला.

Fig.: Newspaper clipping of the National Webinar entitled “Contemporary Issues in Bio Science” was conducted by Department of Botany in collaboration with IQAC of the college organized on 7-9-2020.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**कॉलेज ऑफ  
कॉमर्स में वेबिनार**  
पटना। कॉलेज ऑफ कॉमर्स  
में रविवार को हुए वेबिनार में  
प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य  
ने कोरोना काल में विज्ञान के  
सकारात्मक प्रयोग तथा इसके  
महत्व के बारे में बताया। पीपीयू  
के पूर्व डीन प्रो. जैनेंद्र कुमार ने  
विभिन्न वनस्पतियों का उपयोग  
कर कोरोना से बचाव पर विस्तार  
से चर्चा की। अलीगढ़ मुस्लिम  
विवि के प्रो. अनवर शहजाद, डॉ.  
मनोज कुमार ने भी विचार रखे।

Fig.: Newspaper clipping of the National Webinar entitled “Contemporary Issues in Bio Science” was conducted by Department of Botany in collaboration with IQAC of the college organized on 7-9-2020.

### **A TALK ON UNDERSTANDING GANDHI THROUGH THE LENS OF A DEVELOPMENTAL ECOLOGIST**

**DATE: 01-10-2020**

On the occasion of Gandhi Jayanti, a talk was organised in the college on the topic, “Understanding Gandhi through the Lens of a Developmental Ecologist”. Dr. Somnath Bandopadhyaya, School of Ecology and Environment Studies, was the invited speaker while Dr. Santosh Kumar, Co-ordinator IQAC, was the moderator. 187 participants participated in this webinar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

The brochure is for a talk on "Understanding Gandhi through the Lens of a Development Ecologist" organized by IQAC, College of Commerce, Arts and Science, Patna. It features a central image of Mahatma Gandhi and lists the following details:

- College of Commerce, Arts & Science**  
Kankarbagh, Patna - 800020  
(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)  
NAAC RE-ACCREDITED 'A' GRADE, with CGPA 3.10
- A talk on**  
**Understanding Gandhi through the Lens of a Development Ecologist**  
As a tribute to the father of the Nation on the occasion of GANDHI JAYANTI
- Inaugural Address**  
Prof. (Dr.) Tapan Kumar Shandilya  
Principal,  
College of Commerce, Arts and Science, Patna.
- Invited Speaker**  
Dr. SOMNATH BANDYOPADHYAY  
School of Ecology & Environment Studies,  
Nalanda University, Rajgir (Bihar), India.
- Moderator**  
Dr. Santosh Kumar  
Associate Professor of Physics & IQAC Co-ordinator,  
College of Commerce, Arts and Science, Patna.
- Vote of Thanks**  
Prof. Rachna Suchinmayee  
Professor of Political Science,  
College of Commerce, Arts and Science, Patna.
- Organized By**  
IQAC, College of Commerce, Arts and Science, Patna.

Fig.: Brochure of the TALK ON UNDERSTANDING GANDHI THROUGH THE LENS OF A DEVELOPMENTAL ECOLOGIST organized on 1-10-2020.



**A NATIONAL WEBINAR CONDUCTED ON PANDIT MADAN MOHAN MALVIYA  
EVAM BHARTIYA BHASHA MEIN NYAYA**

**DATE: 24-12-2020**

A National Webinar conducted on Pandit Madan Mohan Malviya evam Bhartiya Bhasha mein Nyaya. 143 participants participated in this webinar.

Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020




**कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस**  
कंकड़बाग, पटना - 800020  
(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई)  
एवं  
**भारतीय भाषा अभियान,**  
**शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास (बिहार प्रदेश)**

---

द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन



**विषय :- पंडित मदन मोहन मालवीय एवं भारतीय भाषा में न्याय**


**सान्निध्य :-** प्रो० डॉ० विजयकान्त दास  
सदस्य, बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग, पटना  
एवं क्षेत्र संयोजक, बिहार और झारखंड

**अध्यक्षता :-** प्रो० डॉ० तपन कुमार शांडिल्य  
प्राचार्य, कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस  
कंकड़बाग, पटना - 20

**मुख्य वक्ता :-**

- डॉ० आनंद शंकर सिंह,  
प्राचार्य, ईश्वर शरण पी० जी० कॉलेज, प्रयागराज  
पूर्व सदस्य सचिव, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्  
नई-दिल्ली
- डॉ० दिलीप कुमार,  
वरिय एग्जीक्यूटिव, एन० सी० ए० ई० आर०, नई-दिल्ली
- प्रो० विनय कुमार सिन्हा,  
विधि विभाग, कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना

**धन्यवाद ज्ञापन :-** प्रो० संजय कुमार पाण्डेय, अर्थशास्त्र विभाग  
कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना



Google Meet Link : <https://meet.google.com/sra-rruc-qsr>  
तिथि: 25 दिसम्बर 2020 (शुक्रवार) समय: 11:00 सुबह (भारतीय समयानुसार)

Fig.: Brochure of the National Webinar conducted on Pandit Madan Mohan Malviya evam Bhartiya Bhasha mein Nyaya on 24-12-2020.

2021

**WEBINAR ON DHAMMA- CENTRIC SECULARISM, SOCIAL CONTRACT & POLITICS:  
A BUDDHIST PERSPECTIVE**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

19/01/2021

The department of Philosophy and IQAC of the college organized the webinar on the Buddhists believe. The topic of the webinar was “Dhamma- Centric Secularism, Social Contract & Politics: A Buddhist Perspective” on 19 January, 2021 at 11.30 am. The webinar shed light on various concepts related to Dhamma that is a central belief in Buddhism which means 'to uphold' the religion and the natural order of the universe. The chief speaker Prof. H. S. Prasad discussed said that the main principles of Dhamma are based on the teachings and actions of the Buddha and the social contract is based on the idea of mutual benefit and the interdependence of individuals in society. The inequality in the society is neither natural nor permanent. The inaugural address was given by Prof. Tapan Kumar Shandilya, Principal, College of Commerce, Arts & Science, Patna. The chief speaker of the webinar was Prof. H. S. Prasad, Professor & Head (Rtd.), Department of Philosophy, University of Delhi, Delhi. The webinar was moderated by Prof. Pramod Kumar, Professor & Head, Department of Philosophy, College of Commerce, Arts & Science, Patna. Vote of thanks was given by Dr. Sushma Kumari, Assistant Professor, College of Commerce, Arts & Science, Patna. Overall, 180 participants participated in the webinar.

**College of Commerce, Arts & Science**  
Kankarbagh, Patna – 800020  
(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)  
NAAC RE-ACCREDITED 'A' GRADE, with CGPA 3.10

**WEBINAR**  
ON  
**TOPIC : DHAMMA-CENTRIC SECULARISM, SOCIAL CONTRACT & POLITICS : A BUDDHIST PERSPECTIVE**

**Inaugural Address**  
Prof. (Dr.) Tapan Kumar Shandilya  
Principal,  
College of Commerce, Arts and Science, Patna.

**Invited Speaker (Chief Speaker)**  
Prof. H. S. Prasad  
Professor & Head (Rtd.), Department of Philosophy,  
University of Delhi, Delhi.

**Moderator**  
Prof. Pramod Kumar  
Professor & Head, Department of Philosophy,  
College of Commerce, Arts and Science, Patna.

**Vote of Thanks**  
Dr. Sushma Kumari  
Assistant Professor, Department of Philosophy,  
College of Commerce, Arts and Science, Patna.

**Organized By**  
Department of PHILOSOPHY & IQAC,  
College of Commerce, Arts and Science, Patna.

Google Meet Link : <https://meet.google.com/ozs-nhdk-asz>  
Date: 19th January, 2021 (Tuesday)  
Time: 11:30 AM IST

Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4


Fig.: Brochure of the webinar on Dhamma- centric secularism, social contract & politics: a Buddhist perspective on 19/1/2021.

**THE 10<sup>th</sup> K.K. SINHA MEMORIAL LECTURE**  
**31-1-2021**

K.K. Sinha Uma Sinha Foundation in association with College of Commerce, Arts and Science, Patliputra University, Patna organized the 10<sup>th</sup> K.K. Sinha Memorial Lecture on Panchayati Raj: Empowerment and Accountability by Dr. Ashok Lahiri (keynote speaker) on Sunday, 31<sup>st</sup> January, 2021. Total 223 participants participated in this lecture.

**K.K. Sinha Uma Sinha Foundation**  
in association with  
**College of Commerce, Arts & Science, Patliputra University, Patna**  
presents  
**The 10th K.K. Sinha Memorial Lecture**  
by  
**Dr. Ashok Lahiri**  
on the topic  
**Panchayati Raj: Empowerment & Accountability**  
Sunday, January 31 2021, 4pm onwards

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Our Keynote Speaker:**  
**Dr. Ashok Lahiri**

Dr. Ashok Lahiri currently serves as a member of the 15th Finance Commission and has held the following positions in the past:

- Chief Economic Adviser to the Government of India
- Executive Director of the Asian Development Bank
- Senior Economist, International Monetary Fund
- Consultant, World Bank
- Chairman of Bandhan Bank
- Director of the National Institute of Public Finance and Policy
- Reader at the Delhi School of Economics, Delhi University

His academic works have been widely published in eminent international and national journals.

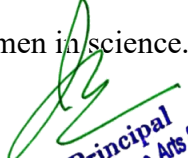
**K. K. Sinha Uma Sinha Foundation**

Fig.: Brochure of the 10<sup>th</sup> K.K.Sinha Memorial Lecture on 31/1/2021.

## WORKSHOP ON GLOBAL WOMEN BREAKFAST (GWB)- 2021

11-02-2021

The International Union of Pure and Applied Chemistry (IUPAC) is an international federation of “National Adhering Organizations” that represents chemists in individual countries. IUPAC was established in 1919 and well known for IUPAC nomenclature of organic compounds. IUPAC organizes Global Women’s Breakfast on different themes. First IUPAC Global Women’s Breakfast (Women Sharing a Chemical Moment in Time) was organized as part of the International Year of Chemistry (IYC2011) on 18, January, 2011. There were close to 100 breakfasts in 44 countries attended by approximately 5000 women chemists, making it one of the largest gatherings of women scientists at that time. Successful Global Women’s Breakfast events held in 2019 and 2020 have demonstrated the need to build a network of both women and men working together to address the barriers and inequalities faced by women in science.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

Department of chemistry, College of Commerce, Arts and Science, Patna had organized an online program on 11th February 2021 for this occasion of IUPAC - Global Women Breakfast 2021. The program was registered on IUPAC's website with the topic of "Women Empowerment in Education". The program was focused on women empowerment. There were three lectures delivered by three female faculty members of COCAS, Patna Prof. Dr. Bindu Singh, Department of Zoology, Prof. Dr. Mangala Rani, Dept. of Hindi and Dr. Padimini from the Dept. of Commerce. The program was coordinated by Dr. Dimple Kumari, Assistant professor Dept. of Chemistry. Vote of thanks was given by Prof. Dr. Mridula Kumari, dept. of Economics. Technical support of program was done by Prof. Dr. Rashmi Akhouri, Dept. of Economics and Dr. Santosh Kumar, coordinator IQAC, COCAS, Patna. Total 105 participants participated in this event.

**IUPAC** INTERNATIONAL UNION OF PURE AND APPLIED CHEMISTRY

WHO WE ARE WHAT WE DO EVENTS PROJECTS NEWS

### Women Empowerment in Education

JOIN THE CONVERSATION

CONTACT: Dr. Dimple Kumari, dimple.ku@gmail.com

VENUE: Commerce College E Rd Patna, BR 800020 India

TIME: 11:00 (UTC +05:30)

**Summary**  
IUPAC Global Women's Breakfast at College of Commerce, Arts and Science Patna: College of Commerce, Arts and Science, Patna is organizing a program on the occasion of Global Women Breakfast 2021. Program is registered on the topic of "Women Empowerment in Education" which is scheduled to be held on 09.02.2021.

**College of Commerce, Arts and Science, Patna**  
(A constituent unit of Patliputra University, Patna)  
NAAC Re-accredited with Grade-A (CGPA 3.10/4)

**A Program on Women Empowerment in Education (IUPAC Global Women's Breakfast 2021) organized by College of Commerce, Arts and Science, Patna (Patliputra University, Patna)**

Date: 09<sup>th</sup> February, 2021  
Time: 11:00 A.M.

**You are cordially invited to participate in the program**

Platform: Zoom  
Link: <https://us02web.zoom.us/j/85743328739?pwd=MHU0a2NGUzMTZMFgwNmJaM1lteVVCdz09>  
Meeting ID: 85743328739  
Passcode: COCAS

Fig.: brochure of workshop on global women breakfast (GWB)- 2021 on 11-02-2021

## SEMINAR ON GST: POLICY AND PRACTICE

15-2-2021

The Department of Business Management (MBA) and IQAC of the college organized a seminar on **GST: Policy and Practice** on 15<sup>th</sup> February, 2021. The chairperson was the

Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Principal of the college while the speaker was Mr. Rajesh Kumar Mishra, IRS at 12 pm. The venue of the event was Conference Hall behind Principal chamber. All the faculty members and students of the college participated in this event. The students were quite enthusiastic and even asked many questions in the questionnaire round. Vote of thanks was proposed by Dr. Baikunth Rai. This lecture was quite informative for the students. Total, 49 participants participated in this seminar.



Fig.: A picture of the seminar on GST: policy and practice on 15/2/2021.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



# जीएसटी से केंद्र और राज्य सरकारों की आय में वृद्धि

पटना (एसएनबी)। कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में सोमवार को जीएसटी : नीति और प्रक्रिया विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में जीएसटी के पूर्व कमिश्नर राजेश कुमार मिश्रा मौजूद थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी कई पुराने करों जैसे सर्विस

टैक्स, सेल्स टैक्स समेत कई करों को समाहित कर इसे बनाना गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने

जीएसटी से संबंधित नीति निर्धारण तथा इसके कार्यान्वयन के लिए जीएसटी काउंसिल का गठन किया है। उन्होंने इस व्यवस्था को राष्ट्र के लिए लाभकारी और जन हित में बताया। प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार शांडिल्या ने कहा कि देश में 'एक देश एक टैक्स' व्यवस्था लागू करने के



जीएसटी : नीति और प्रक्रिया पर व्याख्यान देते पूर्व आयुक्त राजेश कुमार मिश्रा ।

लिए संविधान में संशोधन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने से केंद्र और राज्य सरकारों की आय में वृद्धि होगी और कर चोरी पर भी अंकुश लगेगा। उन्होंने जीएसटी को स्वागत योग्य बताया। व्याख्यान के प्रश्न-उत्तर काल में छात्रों ने जीएसटी से संबंधित प्रश्न पूछे। व्याख्यान में अन्य लोगों के अलावा प्रो

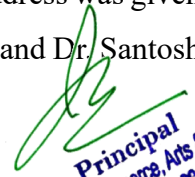
संजय पांडेय, प्रो मृदुला कुमारी, प्रो रश्मि अखौरी, प्रो सलोनी कुमार, प्रो आरयू सिंह, प्रो इम्तियाज हसन, नैक के समन्वयक प्रो संतोष कुमार, प्रो. केबी पद्मदेव और कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. तारिक फातमी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बैकुंठ राय ने किया।

Fig.: A paper cutting of the seminar on GST: policy and practice on 15/2/2021.

## SEMINAR ON NATIONAL SCIENCE DAY

1-3-2021

The College organized a one- day seminar on the National Science Day on 1<sup>st</sup> March, 2021 at 11 am at Vanijya Sabhagar of the college campus. There were three lectures on the day. The first lecture was by Prof. N.K. Pandey, Department of Physics, University of Lucknow on 'Scientific Temper'. The second lecture was by Smt. Pragya Nopani, New Delhi on 'Role of Observation in Scientific Inquiry' and the third lecture was by Prof. Rajmani Prasad Sinha, Former VC, Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga on 'Raman Spectroscopy'. The event was presided by Principal, Prof. Tapan Kumar Shandilya, the welcome address was given by Dr. B.C.Rai. Prof. Bindu Singh was the observer while Dr. Manoj Kumar II and Dr. Santosh

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





Kumar were the moderators. The vote of Thanks was proposed by Dr. Smita Kumari. Overall, 164 participants participated in this seminar.



Fig.: A picture of the National Science Day on 1-3-2021.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949

NAAC Re-Accredited

With Grade - A | CGPA of 3.10/4



### College of Commerce, Arts & Science

Kankarbagh, Patna - 800020

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

NAAC RE-ACCREDITED 'A' GRADE, with CGPA 3.10



#### NATIONAL SCIENCE DAY CELEBRATION

On Monday, 1<sup>st</sup> March, 2021 at 11 A.M,

Venue :- Vanijya Sabhagar, College of Commerce, Arts & Science, Patna.

#### Program Schedule

Lecture - 1 "SCIENTIFIC TEMPER"

By Prof. N. K. Pandey, Department of Physics,  
University of Lucknow.

Lecture - 2 "ROLE OF OBSERVATION IN SCIENTIFIC INQUIRY"

By Smt. Pragya Nopani, New-Delhi.

Lecture - 3 "RAMAN SPECTROSCOPY"

By Prof. Rajmani Prasad Sinha, Former V. C.,  
Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga.



#### PRESIDED BY

Prof.(Dr.) Tapan Kumar Shandilya

Principal,

College of Commerce, Arts and Science, Patna.

#### WELCOME ADDRESS

Dr. B. C. Rai

#### VOTE OF THANKS

Dr. Smita Kumari

#### OBSERVATION

Prof. Bindu Singh

#### MODERATION

Dr. Manoj Kumar II

Dr. Santosh Kumar

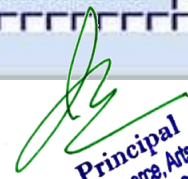
  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: A brochure of the National Science Day on 1-3-2021.

**SEMINAR ON UNION AND BIHAR BUDGET**

**2-3-2021**

Gandhi Arth Parishad, Department of Economics of the college organized a seminar on Union and Bihar Budget on 2<sup>nd</sup> March, 2021 at 11.30 am. The faculty members and students of the Economics department were actively engaged in the program. Faculty members and students of other departments also participated in this symposium. The program was anchored by Sourabh Kumar, MA III<sup>rd</sup> Semester and vote of thanks was given by Soni Singh, MA IV<sup>th</sup> Semester. 57 participants participated in this seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

# बजट में कृषि के लिए आवंटित राशि में की गई कटौती

■ सहारा न्यूज व्यूरो  
पटना।

गंधी अर्थ परिषद, कॉलेज ऑफ कॉमर्स अंड आर्ट्स एंड साइंस, पटना के तत्वावधान में मंगलवार को बिहार और केंद्र सरकार के बजट पर परिचर्चा आयोजित किया गया। परिचर्चा की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शान्दिल्य ने की। परिचर्चा में

कॉलेज ऑफ कॉमर्स अंड आर्ट्स एंड साइंस में बिहार और केंद्र सरकार के बजट पर आयोजित परिचर्चा में बोले प्रोफेसर

अर्थशास्त्र विभाग के छात्र और छात्राओं ने केंद्र और राज्य के बजट के विभिन्न अंगों विशेष रूप से इन्फ्रस्ट्रक्चर, वित्तीय पूंजी, कृषि, स्वास्थ्य, स्पॉर्ट्स और युवा जगत जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे।

प्रो. संजय पांडेय ने बिहार बजट की समीक्षा करते हुए कहा कि बजट में कृषि के लिए आवंटित फंड में कटौती की गई है। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रधानाचार्य प्रो.



कॉलेज ऑफ कॉमर्स में परिचर्चा के दौरान मौजूद अतिथि।

तपन कुमार शान्दिल्य ने केंद्रीय बजट में 'ज्ञान है, ज्ञान है' पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षा की हिस्सेदारी सबसे अधिक है जबकि योजना मद का 60 प्रतिशत ग्रामीण आबादी के जीवन स्तर पर सुधार लाने पर खर्च होगा। उन्होंने कहा कि बिहार के बजट में रोजगार सृजन के लिए उद्योगों के विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा

कि बिहार में कृषि आधारित उद्योगों की कमी संभावनाएं हैं।

परिचर्चा में अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि अखौरी, प्रो. मुदुला कुमारी, प्रो. वैकुण्ठ राय, प्रो. संगीता कुमारी, प्रो. एके भास्कर के आलावा अर्थशास्त्र विभाग के छात्रों अभिषेक कुमार, कन्हैया कुमार, सौरभ कुमार, मुस्कान आनंद, राहुल

सिंह और ऋषभ राज ने बजट की खूबियों और खामियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एमए तृतीय वर्ष सेमेस्टर के छात्र सौरभ कुमार ने किया जबकि भन्वराव ज्ञान एमए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सोनी सिंह ने किया। परिचर्चा में विभिन्न विभागों के शिक्षकों के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



## रोजगार सृजन के लिए उद्योगों के विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए

पटना। कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस में गांधी अर्थ परिषद द्वारा मंगलवार को बिहार और केंद्र सरकार के बजट पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा के दौरान प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि केंद्रीय बजट में जान है जखन है पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षा की हिस्सेदारी सबसे अधिक है जबकि योजना मद का 60 प्रतिशत ग्रामीण आवादी के जीवनस्तर पर सुधार लाने पर खर्च होगा। उन्होंने कहा कि बिहार के बजट में रोजगार सृजन के लिए उद्योगों के विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि बिहार में कृषि आधारित उद्योगों की काफी संभावनाएं हैं। परिचर्चा में अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि अखौरी, प्रो. मृदुला कुमारी, प्रो. वैकुण्ठ राय, प्रो. संगीता कुमारी, प्रो. एके भास्कर भी मौजूद रहे।

Fig.: Paper clipping of the seminar on union and budget of Bihar on 2-3-2021



Fig.: A glimpse of the discussion on Union and Bihar Budget on 2-3-2021.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**SEMINAR ON INTERNATIONAL WOMEN'S DAY**  
**8-3-2021**

International Women's Day was celebrated in the Vanijya Sabhagar of the college on 8<sup>th</sup> March, 2021. This seminar was organized by the department of Economics and the department of History of the college in collaboration with the Centre for gender studies, Patna. The topic of the symposium was **Leadership: Achieving an Equal Future in a Covid-19 World**. The guest speakers of the program were Prof. Shefali Rai, Department of Political Science, Patna University and Prof. Bharti S. Kumar, Department of History (retired), Patna University. Overall, 148 participants participated in this seminar.



Fig.: A glimpse of the International Women's Day celebrated on 8-3-2021.



Fig.: A glimpse of the International Women's Day celebrated on 8-3-2021.

### SEMINAR ON “INSTITUTIONAL CHALLENGES AND OPPORTUNITIES AMIDST AND POST COVID 19”

16-3-2021

A seminar on “**Institutional challenges and opportunities amidst and post Covid 19**” was organised at the college on 16-3-2021. Prof. (Dr.) Rajvardhan Azad, Hon’ble Chairman Bihar State University Service commission was the chief guest along with Prof. (Dr.) Vijay Kant Das, member, Bihar State University Service Commission, Patna and Prof. (Dr.) Usha Prasad, member, Bihar State University Service Commission, Patna. 182 participants participated in this seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Arrival of the chief guest and keynote speaker on the occasion of the seminar on “Institutional challenges and opportunities amidst and post covid 19” on 16-3-2021.






Fig.: Chief guest and keynote speaker on the occasion of the seminar on “Institutional challenges and opportunities amidst and post covid 19” on 16-3-2021.

## INTERNATIONAL SEMINAR ON ENVIRONMENTAL DAY

5-6-2021

An international seminar on ‘**Sustainable Development for Protection of Nature**’ was organized by College of Commerce, Arts and Science in collaboration with Global Leader Foundation on World Environment Day. Padmashree M.H. Mehta, Ex-Vice Chancellor of Gujarat Agricultural University emphasized on protection of rivers. On this occasion, were present, the Principal of the college, Prof. Tapan Kumar Shandilya, Chairman of ASDI, A.I.Ajit, Chairman of Dangusham Cement Corporation, Mr. Dorgi Norbi, Chairman of Leader Foundation, Mr. Ramesh Tripathi. Among the audience were Miss Swati Gupta from

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Chandigarh, Mr. Dilip Kumar from University of Delhi, Prof. Aruni Kumar from Begusarai and all the Head of the departments along with other faculty members and students of the college. 139 participants participated in this seminar.

### पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन जरूरी : शांडिल्य

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस पर कॉलेज ऑफ कॉमर्स और ग्लोबल लीडर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर प्रोटेक्शन ऑफ नेचर विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। इसमें गुजरात एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति पद्मश्री एमएच मेहता ने पर्यावरण संरक्षण के लिए नदी नवोन्निवेश पर बल दिया। मौके पर प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य, एएसडीआई के चेयरमैन प्रो. आई अजित, डंगूशाम सीमेंट कारपोरेशन भूटान के चेयरमैन डोरगी नोरबी, ग्लोबल लीडर फाउंडेशन के चेयरमैन रमेश त्रिपाठी, दिलीप कुमार, चंडीगढ़ की स्वाति गुप्ता, बेगुसराय के प्रो. अरुणी कुमार, प्रो. रश्मि अखौरी, डॉ. बैकुंठ, प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. कीर्ति, प्रो. एके नाग, प्रो. सलोनी कुमार, डॉ. संगीता सिंहा उपस्थित थे।

### पर्यावरण संरक्षण को प्रबंधन आवश्यक

पटना। कॉलेज ऑफ कॉमर्स और ग्लोबल लीडर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर प्रोटेक्शन ऑफ नेचर विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। जूम के माध्यम से आयोजित संगोष्ठी में गुजरात एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति पद्मश्री एमएच मेहता ने पर्यावरण के संरक्षण के लिए नदी नवोन्निवेश पर बल दिया। प्रधानाचार्य प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों का उल्लेख किया। संगोष्ठी को एएसडीआई के चेयरमैन प्रो अजित, डंगूशाम सिमेंट कारपोरेशन भूटान के चेयरमैन डोरगी नोरबी, ग्लोबल लीडर फाउंडेशन के चेयरमैन रमेश त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Paper clipping of the international seminar on environmental day on 5-6-2021

## WEBINAR ON INTERNATIONAL YOGA DAY

21-6-2021

College of Commerce, Arts and Science in collaboration with Shiksha Sanskriti Utthan Nyas organized a one-day national webinar on the topic 'YOG AND VIGYAN' on 21<sup>st</sup> June, 2021 from 1.00 to 3 pm. The program started with an introductory note by Dr. Harish Das, Assistant Professor, Sanskrit department, Patna University with a yoga session by Dr. Vinayak Kumar Dubey and Dr. Ravikant Tiwari from BHU. Prof. Tapan Kumar Shandilya, the principal of the college was the chairperson and gave the presidential speech of the program while the Vote of Thanks was proposed by the IQAC Coordinator, Dr. Santosh Kumar. 189 participants participated in this seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





# कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस एवं



## शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, बिहार प्रान्त के सहयोग से

### अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर "योग एवं विज्ञान" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार

21st जून 2021, समय - दोपहर 1:00 - 3:00 बजे तक

TENTATIVE PROGRAMME SCHEDULE	
कार्यक्रम के प्रारम्भ में सरस्वती-वन्दना और अंत में कल्याण-मंत्र का गायन करेगी डॉ. साधना शर्मा, सहायक-आचार्य, व्याकरण-विभाग, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा	
 <b>डॉ. हरीश दास</b> सहायक आचार्य स्नातकोत्तर संस्कृत-विभाग पटना विश्वविद्यालय, पटना-800005	विषय प्रदेश - योग समय: 1:00-1:15
 <b>डॉ. विनायक कुमार दुबे</b> सहायक-आचार्य शारीरिक-शिक्षा विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-05	(मूल-वक्ता) विषय : योगसन का वैज्ञानिक-दृष्टिकोण समय: 1:15-2:05
 <b>डॉ. रशिकान्त तिवारी</b> योग-प्रशिक्षक छान्द-स्वस्थ कल्याण केन्द्र काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-05	(विश्लेष-वक्ता) विषय : अष्टाङ्ग-योग समय: 2:05-2:25
 <b>डॉ तपन कुमार शास्त्रिय</b> प्राचार्य, कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस, पटना	अध्यक्षीय भाषण समय: 2:25-2:55
 <b>डॉ सतीश कुमार</b> संयोजक IQAC कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस, पटना	धन्यवाद प्रस्ताव समय: 2:55-3:00pm



Registration : Pl send the Name, Affiliation and Whatsapp number in the email mentioned below  
Google Meet - Meeting ID: <https://meet.google.com/mbd-aypf-sqr>  
E-Certificate will be issued only to the registered participants  
Whatsapp: 9431049871/ email: [principalcocaspatna@gmail.com](mailto:principalcocaspatna@gmail.com)  
Registration - [https://docs.google.com/forms/d/1vtgfNRYX1eAjXuU9c10g6\\_w5AIFfoiqqCqAPAXnAE0](https://docs.google.com/forms/d/1vtgfNRYX1eAjXuU9c10g6_w5AIFfoiqqCqAPAXnAE0)

Fig.: Brochure of the Webinar on International Yoga Day on 21-6-2021

## OVERCOMING THE CHALLENGES: BIHAR POPULATION PROSPECTS

11.07.2021 to 12.07.2021

On the occasion of World Population Day, 2021 P.G. Department of Geography in Collaboration with IQAC of College organized webinar on 11th and 12th July,2021. The theme of the Population day for 2021 was “The Impact of the Covid-19 Pandemic on Fertility”. Based on above theme we based our webinar on “Overcoming the Challenges: Bihar Population Prospects”. Two speakers have presented their lectures:

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Topic 1: “The silent Killer and the Power of Prevention” by Dr. Prashant Kumar Singh. Scientist ‘D’ (Population Studies), ICMR – National Institute of Cancer Prevention & Research (NICPR), Indian Council of Medical Research (ICMR), Dept. of Health Research, Ministry of Health & Family Welfare, GoI, New Delhi.

Topic 2: “Population and Development in Bihar: Issues and Challenges” by Dr. U.V. Somayajulu, President of Indian Association for The Study of Population (IASP), Vice President of Indian Association for Social Sciences and Health (IASSH), Co-Founder, CEO and Executive Director at Sigma Research and Consulting.


Total students joined the webinar through google meet link and attended the lecture. The lecture witnessed 95 students and 8 faculty members from different departments (total 103 participants). The topic being too interesting and multidimensional was particularly fascinating to the audience. The first speaker addressed the students on how substance abuse is dangerous and can be prevented. And the second speaker addressed the demographic detail of Bihar state and its development scenario in context to issues and challenges. At the end the question answer session was also conducted where students actively participated. The session received positive feedback from the participants. The event was well coordinated by teaching, non-teaching members and student volunteers of the Department of Geography.


**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna, Bihar)  
NAAC Re-Accredited with Grade - A | CGPA of 3.10/4

On the occasion of **World Population Day: 2021**  
P.G. Department of Geography in Collaboration with the IQAC of College  
INVITES YOU ALL TO ATTEND THE WEBINAR  
On 11<sup>th</sup> and 12<sup>th</sup> July, 2021  
Theme: “Overcoming the Challenges: Bihar Population Prospects”

**Topic 1: “The Silent Killer and The Power of Prevention”**  
11<sup>th</sup> July, 2021 (11:00 AM)

**Topic 2: “Population and Development in Bihar: Issues and Challenges”**  
12<sup>th</sup> July, 2021 (2:00 PM)

Speaker 1  **Dr. Prashant Kumar Singh**  
Scientist 'D' (Population Studies)  
ICMR – National Institute of Cancer Prevention & Research (NICPR)  
Indian Council of Medical Research (ICMR), Dept. of Health Research,  
Ministry of Health & Family Welfare, GoI, New Delhi

Speaker 2  **Dr. U.V. Somayajulu**  
President of Indian Association For The Study of Population (IASP),  
Vice President of Indian Association For Social Sciences And Health (IASSH),  
Co-Founder, CEO and Executive Director at Sigma Research and Consulting.


COCAS, Patna Pg. 1


**Chairperson cum Principal**  
**Prof. Tapan Kumar Shandilya**  
College of Commerce, Arts & Science, Patna

**Coordinator IQAC & NAAC**  
**Dr. Santosh Kumar**  
Associate Professor  
Dept. of Physics, COCAS

**Convener** **Coordinator** **Organizing Secretary/ Moderator**

 **Dr. Rashmi Ranjana**  
HoD, Assistant Professor

 **Dr. Abhay Shankar**  
Assistant Professor

 **Dr. Vidya Yadav**  
Assistant Professor

**Advisory Committee Members:**  
1. Prof. Navin Chandra Sinha (Head, P.G. Dept. of Geography, Patliputra University)  
2. Dr. Manoj Kumar (Associate Professor, P.G. Dept. of Geography, Patliputra University)  
3. Dr. Anoop Kumar Singh (Associate Professor, P.G. Dept. of Geography, Patliputra University)

**Programme Flow**

1. Inaugural address & welcome speech by Moderator
2. Address by Chairperson
3. Speech by Expert Speaker
4. Discussion session
5. Vote of thanks

Google Meet joining info  
<https://meet.google.com/cmx-feto-bwb>

COCAS, Patna Pg. 2

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Brochure of the Webinar on **Overcoming the Challenges: Bihar Population Prospects** on 11.07.2021 to 12.07.2021

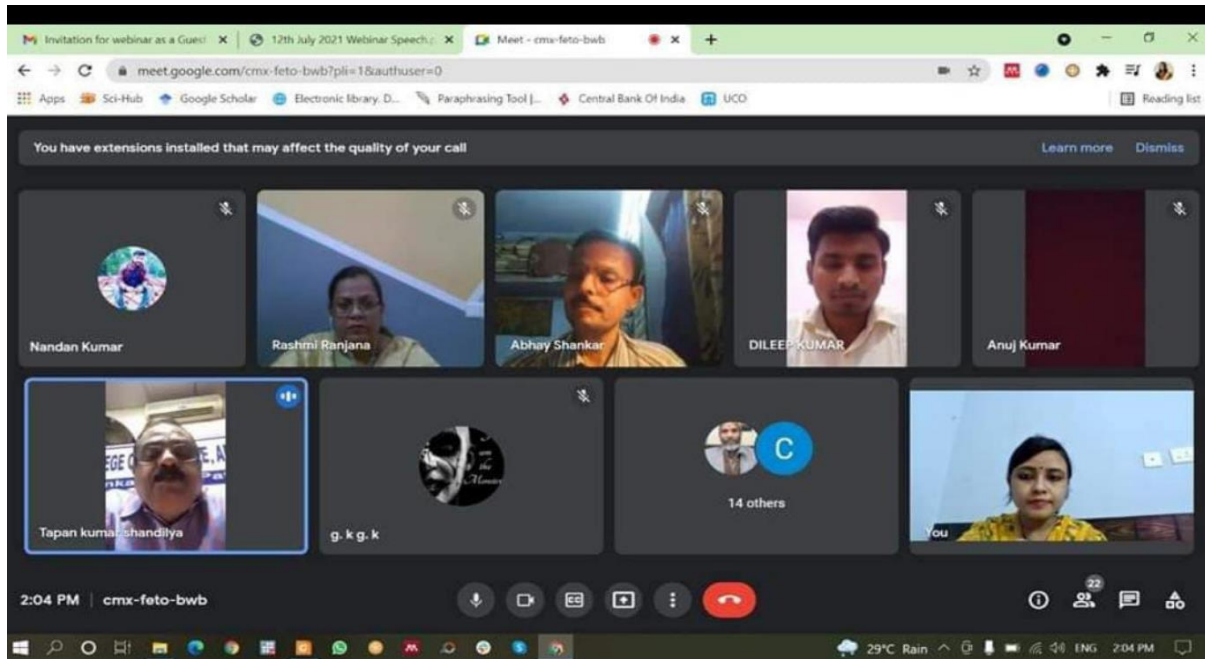


Fig.: A view of the participants of the webinar on **Overcoming the Challenges: Bihar Population Prospects** on 11.07.2021 to 12.07.2021

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**देश में छिड़ी जनसंख्या वृद्धि पर बहस, प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार खाडिल्य बोते, जनसंख्या वृद्धि रोकने व रोजगार बढ़ाने के लिए रोज मेष की आवश्यकता**



विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना के सहकायक भूरेख विभाग और आइ-एन-ए-ए-सी के संयुक्त आयोजन में आयोजित हो दिवसीय बैठक का संचालन प्रो. तपन कुमार खाडिल्य ने किया। "ओपनसिंग एंड पैसेजिबल बिजनेस पायुटेबल प्रोपोजिटिव" विषय पर आयोजित हो दिवसीय ऑनलाइन बैठक का आयोजन करते हुए प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार खाडिल्य ने बिहार की तरकरी की वृद्धि पर आगे से जाने के लिए जनसंख्या के इच्छित उपयोग और कृषि आधारित पर बात देते हुए कहा कि इस के लिए सरकार को एक टैटनीय बजट मानव शक्ति उपयोग के लिए निवेश करना चाहिए ताकि लोगों को मूठ रोज में ही रोजगार उपलब्ध हो सके।

उन्होंने बताया कि रोजगार तथा आवेदनिका रूकन में इसके उपयोग के कारण कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था का मूलधार

**कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्रधानाचार्य तपन कुमार खाडिल्य बोते, जनसंख्या वृद्धि में गुणात्मक सुधार लाने की आवश्यकता**



विश्व जनसंख्या दिवस पर कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना के भूरेख विभाग और आइ-एन-ए-ए-सी के संयुक्त आयोजन में संचालित "ओपनसिंग एंड पैसेजिबल बिजनेस पायुटेबल प्रोपोजिटिव" विषय पर हो दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार खाडिल्य ने की। उन्होंने भारत में तेजी से बढ़ रही जनसंख्या पर चिंता व्यक्त की तथा इससे निमित्त बनने की बात कही है। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. खाडिल्य ने जनसंख्या वृद्धि में गुणात्मक सुधार लाने की आवश्यकता पर बात देते हुए इसे राष्ट्रीय विकास में कड़ी बाधा बताया।

भारत में जनसंख्या वृद्धि में गुणात्मक सुधार लाने की आवश्यकता

भारत में जनसंख्या वृद्धि में गुणात्मक सुधार लाने की आवश्यकता पर और देते हुए, उन्होंने कहा कि संरक्षण एक बहुत महत्वपूर्ण घटक है। भारत में विकास की गति की अनेक जनसंख्या वृद्धि

UNEP/WHO on population growth in the country

UNEP/WHO on population growth in the country

संख्या वृद्धि का बड़ा, अनुपम हो रहा है। जनसंख्या वृद्धि रोकने व रोजगार बढ़ाने का

मसला है। यह 100 प्रतिशत जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध कराने और शिक्षण से अधिक लोगों को रोजगार देना है। यह केवल परिसर उपलब्ध में इसका योजना वर्ष 2008-07 में लगभग 31.5 प्रतिशत है। यह काफी सामग्री का भी एक महत्वपूर्ण खंड है। सामग्री अनेक ओपेनसिंग उपलब्ध विवेक, उचित, सौकरणी, कृषि आधारित तथा अनेक प्रकार की उपलब्ध वस्तुओं के लिए इच्छा भी भरी है।

बैठक की संयोजित करते हुए आर्ट्स-ए-ए-ए-सी के सहित वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कार्यविधि सुझाव देते, सार्वजनिक, केंद्र, टीवी, इत्यादि के माध्यम से साप्ताहिक विचार देते व संकल्प, सफल यदि से होने वाली कार्यविधि व उनके दुष्प्रभाव संश्लेषण से प्रकृत्य लाना।

आर्ट्स-ए-ए-ए-सी के प्रिंसिपल डॉ. प्रो. बी. सोमकान्त ने बिहार की जनसंख्या और विकास से संबंधित मुद्दों एवं चुनौतियों के बारे में बताया। यह मान्य है कि संरक्षण के इच्छित उपयोग पर बात देना। उन्होंने राष्ट्रीय, वैश्व, क्षेत्रीय, प्रशास, परिवार नियोजन, मानव शक्ति एवं बाजार सार्वजनिक अर्थ मुद्दों पर कार्य की लोगों के प्रकृत्य को रोकने तथा रोजगार में जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध बनाने के लिए उन्होंने कृषि आधारित उद्योगों के साथ-साथ उद्योगिक आधारित उद्योगों, कृषि प्रोसेसिंग, सेवा, सार्वजनिक उद्योगों, अर्थ के विकास का सुझाव दिया। रोजगार रोजगार में सुधार के साथ रोजगार इच्छित करके लाने की आवश्यकता बताई।

बैठक का संरक्षण डॉ. विद्या साह ने किया। संचालन सार्वजनिक भूरेख की विभागाध्यक्ष डॉ. रवि रंजन ने किया। बैठक में आइ-एन-ए-ए-सी के संचालक प्रिंसिपल डॉ. तपन कुमार, कुलसचिव डॉ. मनीष कुमार, सहकायक भूरेख विभाग के डॉ. अरुण कुमार सिंह, सार्वजनिक विभाग के भूरेख विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनुपम साह, प्रोफेसर रवि विरल, डॉ. ए. ए. शक्ति की डॉ. विनीत प्रसाद और डॉ. अरुण कुमार खाडिल्य कई विचारों ने भाग लिया। बैठक में कड़ी संकल्प में विचारों और सार्वजनिक - सार्वजनिक ने भाग लिया।

संख्या वृद्धि को रोकने का बड़ा, अनुपम हो रहा है। जनसंख्या वृद्धि रोकने व रोजगार बढ़ाने का

मसला है। यह 100 प्रतिशत जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध कराने और शिक्षण से अधिक लोगों को रोजगार देना है।

यह जनसंख्या 2.1 है। इसका प्रकृत्य पर मान्य प्रकृत्य है। सार्वजनिक विचारों पर भारत और पूर्वी भारत, विश्व विचार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा जैसे राज्य हैं। इनमें कुछ प्रकृत्य प्रकृत्य पर बात दे प्रकृत्य है। यह भारत के अनेक एक क्षेत्रीय अनुपलब्ध पैदा करता है। यह विनीत भाग में विकास का भी और जनसंख्या अधिक है, जो ऐसे स्थान से लोग रोजगार तथा आवेदनिका की उपलब्ध में अन्य स्थानों पर प्रकृत्य करते हैं। विनीत संरक्षणों की उद्योगिक तथा जनसंख्या की अधिकता उत्पन्न प्रकृत्य है, विनीत क्षेत्रों में प्रकृत्य प्रकृत्य कड़ी न कड़ी संरक्षणों के लिये संरक्षण से प्रकृत्य हुआ है।



बैठक की संयोजित करते हुए आर्ट्स ए-ए-ए-सी के सहित वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद कुमार सिंह और भारतीय जनसंख्या अर्थ सार्वजनिक डॉ. प्रो. बी. सोमकान्त ने "दि साप्ताहिक विचार देते व बाजार अर्थ विचार, पायुटेबल पैदा उपयोग में इन विचार, इच्छित पैदा पैसेजिबल विषय पर विचार से प्रकृत्य लाना। अपने संरक्षण में इन

Fig.: Paper clippings of the webinar on Overcoming the Challenges: Bihar Population Prospects on 11.07.2021 to 12.07.2021

*Principal*  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## SEMINAR ON PREMCHAND ON THE OCASSION OF PREMCHAND JAYANTI

31-7-2021

Premchand jayanti was celebrated in the college campus on 31<sup>st</sup> July, 2021. Premchand was an Indian writer famous for is modern Hindustani literature and was also a pioneer of Hindi and Urdu literature. This program was organised by the department of Hindi of the college. The coordinator of the program was Dr. B.K.Mangalam, Associate Professor, Department of Hindi. The chief guest of the program, Prof. Surendra Pratap Singh, VC, Patliputra University inaugurated the program and threw light on the famous Indian author, Premchand. 104 participants participated in this event.



Fig.: Principal of the college inaugurating the seminar on PREMCHAND ON THE OCASSION OF PREMCHAND JAYANTI on 31-7-2021

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





Fig.: A glimpse of the teachers and students on PREMCHAND on the occasion of PREMCHAND JAYANTI on 31-7-2021.

### TRAINING PROGRAM BY BIHAR MATHEMATICAL SOCIETY

29-8-2021

Bihar Mathematical Society conducted a Training Program of TSTM and TNP in the college campus on 29<sup>th</sup> August, 2021. This program was organized by the Education department, Patna. The chief guest of the program was Sri Shrikant Shashtri, SPD, Education department, Bihar. The distinguished speakers of the program were Sri Surendra Kumar Sinha, RDD Patna, Sri Abhyanand, Former DGP of Bihar, Sri Amit Kumar, DEO, Patna and Prof. Tapan Kumar Shandilya, Principal of the college. The convenor cum Executive Joint Secretary was Dr. Vijay Kumar, Department of Mathematics of the college. 46 participants participated in the training program



Fig.: A view of the TRAINING PROGRAM BY BIHAR MATHEMATICAL SOCIETY

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



on 29-8-2021



Fig.: A view of the TRAINING PROGRAM BY BIHAR MATHEMATICAL SOCIETY  
on 29-8-2021

### SEMINAR ON EVOLUTION OF AN EDUCATIONAL INSTITUTION

5-9-2021

Foundation day of the college was organized in the Indu Shekhar Jha Memorial Hall of the college. The Principal of the college, Prof. Tapan Kumar Shandilya commenced the program with his introductory speech while the DSW of the Patliputra University, Prof. A.K.Nag welcomed the guest of honours. The guest speakers for the occasion were renowned Padmashree Dr. C.P. Thakur, former member of Rajya Sabha, physician and a leader of BJP along with the eminent Indian experimental physicist, author and emeritus professor of the Indian Institute of Technology Kanpur, Padmashree Prof. H.C.Verma. They emphasized that educational institutions like colleges are a temple and a source of power but he was dejected that education today, is not connecting students with the real world and its problems. Prof. H.C. Verma also implanted a tree in the campus. The stage organiser of the program was Prof. Saloni while the vote of Thanks was proposed by Prof. Kirti. The hall was full with the distinguished teachers, students and staff of the college. 217 participants participated in the seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



# छात्र अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हों : डॉ. सीपी ठाकुर

पटना ( आससे )। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सी पी ठाकुर ने छात्रों में व्यावहारिक शिक्षा के साथ साथ तकनीकी शिक्षा और देश भक्ति की भावना को

करते हुए आई आई टी कानपुर के प्रोफेसर पद्मश्री डॉ एच सी वर्मा ने कहा कि शिक्षण संस्थान जीवन की शक्ति का स्रोत होता है और भारतीय संस्कृति

ले कर आती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो तपन कुमार शान्दिल्य ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो. शान्दिल्य ने कहा कि पंडित इंदू शेखर झा विकट परिस्थितियों में राज्य में कामर्स की शिक्षा के विकास के उद्देश्य से इस महाविद्यालय की स्थापना की और वर्तमान में इस महाविद्यालय में कामर्स के साथ साथ विज्ञान , कला के अलावा व्यवसायिक कोर्सों की पढ़ाई हो रही है। उन्होंने कहा कि कालेज में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और योग्य शिक्षकों के कारण महाविद्यालय को नैक से **एएफ** ग्रेड प्राप्त है। इस से पहले पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के डीएसडब्लू प्रो. ए के नाग ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच का संचालन प्रो. सलोनी कुमार न जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. कीर्ति ने किया। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा प्रो. संतोष कुमार, कुलानुशासक डॉ. मनोज कुमार, शिक्षक संघ के सचिव डॉ. ए के भास्कर, प्रो. के वी पद्मदेव, प्रो. राजीव रंजन, प्रो. कंचना सिंह, प्रो. अशुतोष कुमार सिन्हा, पुस्तकालय अध्यक्ष उपेन्द्र कुमार, विनोद कुमार सिंह, संजीव तिवारी समेत बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो एच सी वर्मा ने महाविद्यालय में वृक्षारोपण भी किया।



जागृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। वे सोमवार को कालेज आफ कामर्स आर्ट्स एण्ड साइंस पटना के 72 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित पंडित इंदू शेखर झा स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकट परिस्थितियों में भी उन्हें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। व्याख्यान को संबोधित

में इसे मंदिर भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मंदिरों में सिर्फ मूर्तियों का दर्शन होता भगवान का नहीं उसी तरह आज ज्यादातर शिक्षण संस्थानों में सत्य के दर्शन नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम पढ़ाई को ज़िन्दगी के साथ कनेक्ट नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिनाइयां होंगी तभी अवसर प्राप्त होगा क्योंकि कठिनाइयां अवसर

**Fig.: Paper clipping of the SEMINAR ON EVOLUTION OF AN EDUCATIONAL INSTITUTION organized on 5-9-2021**

## SEMINAR ON BHARATENDU HARISHCHANDRA JAYANTI

9-9-2021

A symposium on Bharatendu Jayanti was organised by IQAC, College of Commerce, Arts & science, Patna on 9<sup>th</sup> September, 2021. The principal of the college, Prof. Tapan Kumar Shandilya delivered a lecture on Bharatendu Harishchandra Jayanti. 66 participants participated in this seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: A view of the symposium on SEMINAR ON BHARATENDU HARISHCHANDRA JAYANTI organized on 9-9-2021**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: A view of the symposium on SEMINAR ON BHARATENDU HARISHCHANDRA JAYANTI organized on 9-9-2021**

### **SEMINAR ON NATIONAL MATHEMATICS DAY**

**22-9-2021 and 23-9-2021**

A two-day seminar was organised by the Department of Science and Technology, Govt. of Bihar in collaboration with our college on National Mathematics Day on 22-23 December, 2021. Eminent Professors, Scientists, faculty members and students of all over Bihar participated in this seminar. Total 186 participants were benefitted from it.

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: A glimpse of the two day seminar on **SEMINAR ON NATIONAL MATHEMATICS DAY** celebrated on 22-9-2021 and 23-9-2021

**SEMINAR ON 21ST NATIONAL LEADERS SUMMIT & EXCELLENCE AWARD**  
**25-9-2021 and 26-9-2021**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



21st National Leaders Summit & Excellence Award-2021 ceremony was organised by College of Commerce, Arts & Science, Patna with Global Leaders Foundation, Delhi. It was a two-day seminar. The theme of the seminar was **Transformational Reforms in Nation Building**. Teachers and students of our college as well as from other colleges participated in this seminar. Total 216 participants participated and all the participants were given certificates.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: A glimpse of the Principal and participants on the **SEMINAR ON 21ST NATIONAL LEADERS SUMMIT & EXCELLENCE AWARD** organised on 25-9-2021 and 26-9-2021



Fig.: A certificate presented to the participant on **SEMINAR ON 21ST NATIONAL LEADERS SUMMIT & EXCELLENCE AWARD** organised on 25-9-2021 and 26-9-2021

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





## **SEMINAR ON ROLE OF SOCIETY IN THE PRESERVATION OF MONUMENTS**

**4-10-2021**

Padmashree KK Muhammed a well-known archaeologist visited our college and gave a keynote address in a seminar organised by the Department of History, College of Commerce, Arts & Science, Patna and Itihas Sankalan Samiti, Patna on the topic 'Role of Society in the Preservation of Monuments'. Presenting his lecture on Bateshwar Temple Complex, Muraina, Madhya Pradesh, where he had collected the scattered remains of the history in the form of broken stone pillars of the temples of the bygone days. After a long, strenuous and tedious time spent on the complex he finally managed to bring it back to its old pristine glory. The romance of the story and the irony of the situation lies in the fact that the entire area was dacoits infested and the place was more or less in their control and one cannot venture into the area / region without taking them into the confidence.

However, he succeeded in his historical and archaeological enterprise and handed over the restored heritage site to the ASI and the locals for future preservation, protection and maintenance. 232 participants participated in this seminar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: A view of the participants of the SEMINAR ON ROLE OF SOCIETY IN THE PRESERVATION OF MONUMENTS organized on 4-10-2021



Fig.: Paper clipping of the SEMINAR ON ROLE OF SOCIETY IN THE PRESERVATION OF MONUMENTS organized on 4-10-2021.

**SEMINAR ON MENTAL HEALTH DURING COVID-19 PANDEMIC**

**8-10-2021**

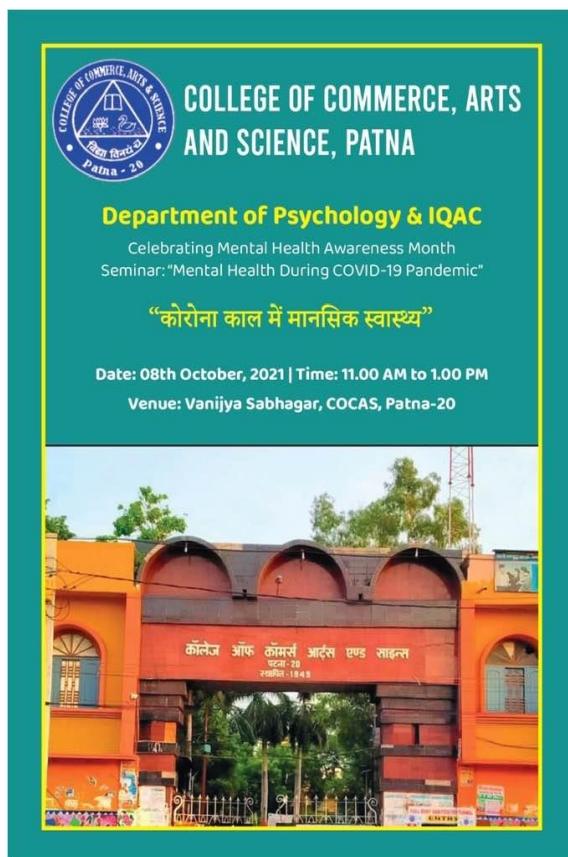
  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

Department of Psychology in collaboration with IQAC celebrated Mental Health Awareness Month on 08.10.2021 and organized a seminar on the topic “Corona Kaal Mein Mansik Swasthya” shading the light on the mental health issues during COVID-19 era and strategies to maintain mental health. Dr. Rajesh Kumar, Professor & Head, Department of Psychiatry, IGIMS, Patna shared his views on the topic: Mental Health in Times of COVID-19 Pandemic while Ms. Priya Kumar, Clinical Psychologist, IGIMS, Patna discussed on the topic: Coping with Mental Health Issues During the Pandemic. The programme co-ordinator was Prof.(Dr.) Kirti-H.O.D., Dept. of Psychology, COCAS, Patna, the convenor was Prof. Jai Mangal Deo, co-convenor was Dr. Pranay Gupta and the program was moderated by Dr. Vandana Maurya, and Dr. Pranay Gupta, Dept of Psychology, COCAS, Patna. 130 participants participated in this seminar.




**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE, PATNA**

**Department of Psychology & IQAC**  
Celebrating Mental Health Awareness Month  
Seminar: "Mental Health During COVID-19 Pandemic"

**“कोरोना काल में मानसिक स्वास्थ्य”**

Date: 08th October, 2021 | Time: 11.00 AM to 1.00 PM  
Venue: Vanijya Sabhagar, COCAS, Patna-20



**OUR SPEAKERS**



**Dr. Rajesh Kumar**  
Professor & Head,  
Department of Psychiatry, IGIMS, Patna  
Topic: Mental Health in Times of COVID-19 Pandemic



**Ms. Priya Kumar**  
Clinical Psychologist, IGIMS, Patna  
Topic: Coping with Mental Health Issues During the Pandemic

**PATRON**



**Prof. Tapan Kumar Shandilya**  
Principal, College of Commerce, Arts and Science, Patna

**Programme Co-ordinator:** Prof.(Dr.) Kirti-H.O.D., Dept. of Psychology, COCAS, Patna  
**Convenor:** Prof. Jai Mangal Deo, Dept. of Psychology, COCAS, Patna  
**Co-Convenor:** Dr. Pranay Gupta, Dept. of Psychology, COCAS, Patna  
**Moderators:** Dr. Vandana Maurya, Dept. of Psychology, COCAS, Patna  
Dr. Pranay Gupta, Dept. of Psychology, COCAS, Patna

Fig.: Brochure of the **SEMINAR ON MENTAL HEALTH DURING COVID-19 PANDEMIC** organized on 8-10-2021

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

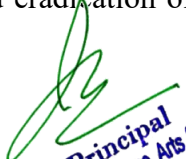


Fig.: A view of the **SEMINAR ON MENTAL HEALTH DURING COVID-19 PANDEMIC** organized on 8-10-2021

**SEMINAR ON INTERCONNECTION AND ERADICATION OF PHYSICAL AND MENTAL POLLUTION**

**22-10-2021**

A talk was delivered on 22<sup>nd</sup> October, 2021 in the college campus (conference hall) by Sh. B.K. Bharat Bhushan ji, National Co-ordinator, Scientists and Engineering wing, Brahmakumari Ishwariya Vishwavidyalaya. He deliberated on the topic “Interconnection and eradication of

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



physical and mental pollution “. The chairperson of the program was Prof. Tapan Kumar Shandilya, Principal of the college. It was a fulfilling experience for the audience.



Fig.: A view of the teachers and participants of the SEMINAR ON INTERCONNECTION AND ERADICATION OF PHYSICAL AND MENTAL POLLUTION organized on 22-10-2021



Fig.: A view of the teachers and participants of the SEMINAR ON INTERCONNECTION AND ERADICATION OF PHYSICAL AND MENTAL POLLUTION organized on 22-10-2021

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: A view of the teachers and participants of the SEMINAR ON INTERCONNECTION AND ERADICATION OF PHYSICAL AND MENTAL POLLUTION organized on 22-10-2021**



2022

NATIONAL SEMINAR ON CRYPTO-CURRENCY

21<sup>st</sup> February, 2022

The college organized one- day seminar on Crypto- Currency. Prof. Aman Aggarwal of the Indian Institute of Finance said that cryptocurrency should actually be called a product rather than a currency. There is a need to be careful in this. He was addressing the national seminar organized under the joint aegis of College of Commerce, Arts and Science, Patna and Purvanchal Economic Association, Varanasi, on the topic 'Future of Digital Currency'. He cautioned the people and said that crypto does not have the main features of currency like legal recognition and guarantee of any institution. In manufacturing of paper currency and coins expenses will be saved. Bitcoin is a highly volatile cryptocurrency. 60 participants participated in this event.

# निवेश करते समय युवा रहें सावधान

पटना | वरीय संवाददाता

भारतीय वित्त संस्थान के प्रो. अमन अग्रवाल ने कहा कि क्रिप्टो करेंसी को वास्तव में मुद्रा की बजाय उत्पाद कहा जाना चाहिए। वे रविवार को डिजिटल करेंसी का भविष्य विषय पर कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना और पूर्वांचल आर्थिक संघ वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि मुद्रा की प्रमुख विशेषताएं जैसे कानूनी मान्यता और किसी संस्थान की

## क्रिप्टो करेंसी

- क्रिप्टोकरेंसी को मुद्रा की बजाय उत्पाद कहना चाहिए
- कानूनी मान्यता और किसी संस्थान की गारंटी प्राप्त नहीं

गारंटी क्रिप्टो को प्राप्त नहीं है। इसे मुद्रा की बजाय उत्पाद कहना ज्यादा उचित होगा। उन्होंने कहा कि विश्व के तमाम देश डिजिटल मुद्रा पर काम कर रहे हैं। वर्तमान बजट में भारत में भी डिजिटल मुद्रा लाने की बात कही गई है और अगर ऐसा हुआ तो भारत विश्व का पहला

देश होगा। कहा कि अर्थव्यवस्था को इसका बहुत लाभ मिलेगा क्योंकि इस से कागजी मुद्रा और सिक्कों के निर्माण पर होने वाला खर्च बचेगा। प्रिंसिपल प्रो. तपन कुमार शान्दिल्य ने युवाओं को क्रिप्टो करेंसी में निवेश के प्रति सावधान करते हुए कहा कि इस में लगाया हुआ धन डूब सकता है। मौके पर संघ के सचिव डॉ. विश्वनाथ कुमार, डॉ. चंद्र प्रकाश राय, डॉ. तरुण द्विवेदी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. कृष्णभूषण पद्मदेव, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अकबर अली और डॉ. राधवेन्द्र किशोर समेत अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे।

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Paper clipping of the seminar on NATIONAL SEMINAR ON CRYPTO-CURRENCY organized on 21<sup>st</sup> February, 2022

## SEMINAR ON SELF-RELIANCE THROUGH PRODUCTIVITY

26th February 2022

The college organized a seminar in association with Bihar State Productivity Council on the topic “Self-reliance through Productivity” on 26.02.2022. 63 participants participated in this event. The venue of the seminar was the conference hall of the college where teachers and students gathered in large numbers to gain knowledge on the topic. The Principal of the college was the chairperson of this seminar.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





**Fig.: The Principal of the college giving the inaugural speech on SEMINAR ON SELF-RELIANCE THROUGH PRODUCTIVITY organized on 26th February 2022.**

## **SEMINAR ON THE LIFE AND TIMES OF HOMI BHABHA**

**28<sup>th</sup> February 2022**

College of Commerce, Arts & Science, Patna organized a seminar on the topic “The Life and Times of Homi Bhabha” and celebrated National Science Day on 28<sup>th</sup> Feb 2022. Hon’ble Vice-Chancellor, Patliputra University graced the occasion. The speaker of the seminar was Professor Vijay A Singh, retired Professor, IIT Kanpur, TIFR and HBCSE who threw light on the topic of the seminar with special emphasis on Dr. Homi Bhabha whereas the Chief guest was the Vice-Chancellor of the Patliputra University, Prof. R. K. Singh. Around 198 participants participated in this event which included students and faculty members of the college and also of other colleges.

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: The Principal of the college welcoming the chief guest of the seminar on **THE LIFE AND TIMES OF HOMI BHABHA** celebrated on 28<sup>th</sup> February 2022.



  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Dignitaries of the seminar THE LIFE AND TIMES OF HOMI BHABHA celebrated on 28<sup>th</sup> February 2022.



Fig.: Paper clipping of the National Science Day celebrated in the college on 28-2-2022.

**WORLD WILDLIFE DAY**

**DATE: 3<sup>rd</sup> MARCH 2022**

College of Commerce, Arts & Science, Patna was celebrated World Wildlife Day on 3<sup>rd</sup> March 2022. A talk on “Cancer awareness” was delivered by Padmashree Prof. Prof. J.K. Singh. Principal of this college had been facilitated to the speaker with memento. 184 participants participated in this event.

*[Signature]*  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Presentation of memento to the Chief Guest on SEMINAR ON CANCER AWARENESS ON WORLD WILDLIFE DAY organised on 3<sup>rd</sup> March 2022



Fig.: The Principal of the college giving the inaugural speech on SEMINAR ON CANCER AWARENESS ON WORLD WILDLIFE DAY organized on 3<sup>rd</sup> March 2022.

### TALK ON CANCER AWARENESS

3/03/2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

A lecture on "Cancer Management: Present Perspective & Future Direction." In a significant collaborative effort, the PG Department of Zoology at Patliputra University, Patna and the Department of Zoology, College of Commerce, Arts & Science, organized a compelling event on Cancer Awareness. The event was graced by Padma Shri Dr. Jitendra Kumar Singh, a distinguished expert in the field, who delivered an enlightening lecture on "Cancer Management: Present Perspective & Future Direction."

Dr. Jitendra Kumar Singh's lecture provided valuable insights into the current state of cancer management and the anticipated advancements in the field. His expertise and experience shone through as he highlighted crucial aspects of cancer care and research. Prof. R. K. Singh, Vice Chancellor of Patliputra University, as the Chief Guest, stressed and emphasized on the academic and institutional importance of various awareness programmes.

Interestingly, this date coincided with World Wildlife Day, so general discussion also took place on this theme. The vice-chancellor Prof RK Singh was the chief guest on this occasion.

The programme was attended by students, faculty, and enthusiasts eager to expand their understanding of cancer management and raise awareness about this pressing health issue. The event not only promoted knowledge dissemination but also facilitated a platform for collaboration and exchange of ideas in the pursuit of effective cancer care. Such initiatives play a vital role in empowering the community with information that can lead to early detection, prevention, and ultimately, better outcomes in the battle against cancer. 184 participants participated in this event.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Dignitaries of the SEMINAR ON CANCER AWARENESS ON WORLD WILDLIFE DAY organized on 3<sup>rd</sup> March 2022



Fig.: A view and paper clipping of the SEMINAR ON CANCER AWARENESS ON WORLD WILDLIFE DAY organized on 3<sup>rd</sup> March 2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



# कैंसर जैसी बीमारी से बचा जा सकता है - कुलपति आर० के० सिंह, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय



संस्कार | सुबोधन सप्त

आज कॉलेज में स्वास्थ्यपरिचर जंतु विभाग विभाग पाटलिपुत्र एवं स्वास्थ्यपरिचर जंतु विभाग विभाग कॉलेज ऑफ कॉमर्स के संयुक्त रूप से "कैंसर जागरूकता" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार के मुख्य अतिथि एवं उद्घाटन करने प्रोफेसर आर०के० सिंह, कुलपति, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय थे। सेमिनार के मुख्य अतिथि पंचमी डॉ० दिलीप कुमार सिंह, पूर्व निदेशक, महामंत्री कैंसर संस्थान Patna थे। इस अवसर पर संबन्धी हुए पाटलिपुत्र

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर०के० सिंह ने जनसमूह के महत्व पर जोर दिया और कहा कि कैंसर का जन्म पचा लगभग ही जन्म बरपाई जा सकती है। पंचमी डॉ० दिलीप कुमार सिंह ने विभिन्न प्रकार के कैंसर और उनके कारणों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं में कैंसर रोकथाम के लिए केन्द्रीय का कार्य चल रहा है। 9 वर्ष से 19 वर्ष की उम्र की लड़कियों को केन्द्रीयकरण करना आवश्यक है, यह यह उपाय प्रभावी हो सकता है। सेमिनार के प्राथमिक प्रोफेसर डॉ० रामन कुमार सुबोधन ने अत्यन्त महत्व से बताया कि कैंसर जनसमूह तक अभिव्यक्त नभय से शुरू करने योग्य।

वही इस बीमारी से बचना जा सकता है। सभी युवाओं का प्रयोग नहीं करें, यह बुरी आदत है और यह अभियान में कैंसर का रोग बहलाने का संभव है। सभी विभागों का प्रोफेसर विद्यु सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय पर प्रस्ताव किया। पंचमी डॉ० कैंसर के कारण के बारे में जनसमूह का कैंसर के लिए एक नीति पर प्रस्तुति की एवं प्रोफेसर व डॉ० प्रतिभा प्रतिबोधन एवं भी अत्यन्त महत्वपूर्ण ने किया गया। जय संवत्सव डॉ० रविश शर्मा के द्वारा किया गया एवं सम्भवतः प्रथम प्रोफेसर रविश शर्मा द्वारा किया गया।

Fig.: Paper clipping of the SEMINAR ON CANCER AWARENESS ON WORLD WILDLIFE DAY organized on 3<sup>rd</sup> March 2022

## NATIONAL WEBINAR ORGANISED ON “VISION, STRUCTURE AND ASSESSMENT SYSTEM IN HIGHER EDUCATION WITH REFERENCE TO NATIONAL EDUCATION POLICY (2020): CHALLENGES IN IMPLEMENTATION”

15th March 2022

The NEP 2020 is the first education policy of the 21st century and replaces the thirty-four-year-old National Policy on Education (NPE), 1986. Built on the foundational pillars of Access, Equity, Quality, Affordability and Accountability, this policy is aligned to the 2030 Agenda for Sustainable Development

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

and aims to transform India into a vibrant knowledge society and global knowledge superpower by making both school and college education more holistic, flexible, multidisciplinary, suited to 21st century needs and aimed at bringing out the unique capabilities. 191 participants participated in this event.

**Fig.: Brochure of the NATIONAL WEBINAR ORGANISED ON “VISION, STRUCTURE AND ASSESSMENT SYSTEM IN HIGHER EDUCATION WITH REFERENCE TO NATIONAL EDUCATION POLICY (2020): CHALLENGES IN IMPLEMENTATION” organized on 15th March 2022**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





## SEMINAR ON EMPLOYMENT OPPORTUNITIES AND CAREER PROSPECTS

6<sup>th</sup> April 2022

A seminar on “Employment Opportunities and Career Prospects” was organised on 6<sup>th</sup> April 2022 at our college by the Department of History. The Principal of the college gave an inaugural speech throwing light on the topic of the seminar. 179 participants participated in the seminar and they also received certificate for the same. Students of the college as well as from other colleges participated in this seminar and also gained benefits from this.



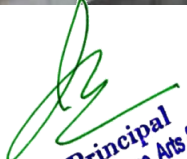
  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: The Principal of the college giving the inaugural speech on **SEMINAR ON EMPLOYMENT OPPORTUNITIES AND CAREER PROSPECTS** organized on 6<sup>th</sup> April 2022



Fig.: Certificate presented to a participant on **SEMINAR ON EMPLOYMENT OPPORTUNITIES AND CAREER PROSPECTS** organized on 6<sup>th</sup> April 2022

## **SEMINAR ON BREAST CANCER AWARENESS**

**12<sup>th</sup> April 2022**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



An awareness workshop on “Breast Cancer Awareness Session” was organised on 12<sup>th</sup> April 2022 by NSS of the college in collaboration with Maitri Club sponsored by Ruban Hospital, Patna. This seminar was chaired by the Principal of the college. 200 participants participated in the seminar. Maximum participation was seen by the girl candidates of the college and also from other colleges. They gained special knowledge on this breast cancer awareness programme. Apart from this, teachers and other staff members of the college also participated in this event making it a grand success.



Fig.: A glimpse of few teachers and participants on **SEMINAR ON BREAST CANCER AWARENESS** organized on 12<sup>th</sup> April 2022

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: Dignitaries of the SEMINAR ON BREAST CANCER AWARENESS organized on 12<sup>th</sup> April 2022

### AWARENESS WORKSHOP ON “TAX FOR WEALTH”

14th May 2022

A workshop was organized by the College in collaboration with “Tax for Wealth” foundation. The event discussed on detail several aspects related to taxation and Indian economy. It also proved to be a financial awareness programme. The principal laid emphasis that liberalization, privatization, and globalization can lead to rapid economic growth and that can also aid in more job opportunities. This workshop also laid foundation for e-learning on this topic. Many teachers of the college including Dr. Manoj Kumar, Dr. A. K. Bhaskar, Dr. K.P.Yadav were present. Around 300 students participated in this seminar, of which maximum number of students were from the department of MCA. Chartered Accountant, Mr. Himanshu Kumar also emphasized that education along with skill learning will create many job opportunities.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## ग्लोबलाइजेशन, लिबरलाइजेशन और प्राइवेटाइजेशन से अर्थव्यवस्था में सुधार संभव - शांडिल्य

\*\* टैक्स फॉर वेल्थ कार्यशाला में विशेषज्ञों का विचार।

संवाददाता | पञ्चकेतनस ग्युज

पटना : 12 मई  
कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना के प्रिंसिपल प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने कहा है कि ग्लोबलाइजेशन लिबरलाइजेशन और प्राइवेटाइजेशन के माध्यम से अर्थव्यवस्था में सुधार कर रोजगार सृजित किया जा सकता है। प्रो. शांडिल्य मंगलवार को

कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना में टैक्स फॉर वेल्थ तथा एमसीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इनकम टैक्स, वेल्थ मैनेजमेंट एंड फाइनेंस के ई लर्निंग प्लेटफॉर्म के कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. शांडिल्य ने कहा कि शिक्षा और स्किल के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराये जा सकते हैं वरन् उन्हें प्रैक्टिकल नॉल्लिज हो। कार्यक्रम समन्वयक डॉ विजय कुमार, ने कहा कि बिहार जैसे पिछड़े प्रदेश के छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए टैक्स फॉर वेल्थ जैसी संस्थाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए आगे आने की जरूरत है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए टैक्स फॉर वेल्थ के दिनेश पांडे ने कहा कि प्रैक्टिकल बेस्ड नॉल्लिज रोजगार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध हो सकती है है। ग्लोबलाइजेशन कोर्स के समन्वयक प्रो. मनोज कुमार, डॉ ए के भारद्वाज, डॉ के पी यादव के अलावा लगभग 300 से अधिक छात्र छात्राएं कार्यशाला में उपस्थित थे।



Fig.: Paper clipping of the AWARENESS WORKSHOP ON “TAX FOR WEALTH” organized on 14-5-2022

## A SEMINAR ON HIGHER EDUCATION IN INDIA-CRITICAL EVALUATION IN TODAYS PERSPECTIVE

30<sup>th</sup> May 2022

A seminar on “Higher Education in India-Critical Evaluation in Today's Perspective” was organised on 30<sup>th</sup> May 2022 at our college by the Department of Commerce in collaboration with IQAC of the college. The speaker of the programme was Professor Jagat Bhushan Nadda, Director of Consortium for Educational Communication (an inter University centre of UGC). Professor Nadda delivered a lecture on “Higher Education in India: A critical evaluation in today's perspective”. This seminar was chaired by the Principal of the college, Prof. Tapan Kumar Shandilya and the chief guest was Prof. Rajendra Prasad Gupta, Hon'ble MLC Bihar.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



All the faculty members and staff of the Department of Commerce along with other departments were present in this seminar. 186 participants participated in the seminar.



Fig.: Dignitaries of the SEMINAR ON HIGHER EDUCATION IN INDIA-CRITICAL EVALUATION IN TODAY'S PERSPECTIVE organized on 30<sup>th</sup> May 2022



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Bouquet presentation to the Chief Guest by the Principal on A SEMINAR ON HIGHER EDUCATION IN INDIA-CRITICAL EVALUATION IN TODAY'S PERSPECTIVE organized on 30<sup>th</sup> May 2022

## प्रेमचंद जयंती सेमिनार: भारतीय समाज और प्रेमचंद

दिनांक: 29th July 2022

इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो. वीरेन्द्र नारायण यादव (पू. हिंदी विभागाध्यक्ष व पू. मानविकी संकायाध्यक्ष, जे. पी. विश्वविद्यालय, छपरा एवं सदस्य, बिहार विधान परिषद्), प्रो. छाया सिन्हा (विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय) और प्रो. शिवनारायण (संपादक, नई धारा एवं चर्चित साहित्यकार) थे। इस कार्यक्रम में “भारतीय समाज और प्रेमचंद” विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी जिसमें प्रेमचंद की रचनाओं के परिप्रेक्ष्य में भारतीय समाज के स्वरूप और उसकी प्रवृत्तियों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस चर्चा में मुख्य वक्ताओं के अतिरिक्त महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, हिंदी विभाग के अध्यक्ष, अन्य कई विभागों के अध्यक्ष, हिंदी व अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं 214 छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: The Principal and the chief guest giving speech on the seminar organized on Premchand on 29-7-2022.



Fig.: Chief guest giving speech on the seminar organized on Premchand on 29-7-2022.

## तुलसी जयंती: वर्तमान समय और तुलसीदास

दिनांक: 5th August 2022

आज कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना में हिंदी विभाग एवम् IQAC के तत्वाधान में तुलसी जयंती मनाई गई तथा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो. तरुण कुमार (हिंदी विभागाध्यक्ष व मानविकी संकायाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय, पटना) और डॉ. कुणाल कुमार (पू.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





प्राध्यापक व पू. संपादक, राजभाषा पत्रिका) थे। इस कार्यक्रम में “वर्तमान समय और तुलसीदास” विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी जिसमें वर्तमान समय की विसंगतियों और समस्याओं के सन्दर्भ में तुलसी साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार किया गया। इस चर्चा में मुख्य वक्ताओं के अतिरिक्त महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, हिंदी विभाग के अध्यक्ष, अन्य कई विभागों के अध्यक्ष, हिंदी व अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं 178 छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।



Fig.: A picture of the participants of the seminar on Tulsidas Jayanti organized on 5-8-2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Dignitaries of the Seminar on Tulsidas Jayanti organised on 5-8-2022

## डॉ. सीताराम दीन और डॉ. उषारानी सिंह का साहित्य

दिनांक 01/09/2022

इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. उषाकिरण खान (प्रख्यात साहित्यकार), प्रो. किरण घई (पटना विश्विद्यालय और श्री अनिल सुलभ (अध्यक्ष, हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना) थे। इस कार्यक्रम में डॉ. सीताराम दीन और डॉ. उषारानी सिंह की रचनाओं के विभिन्न पहलुओं पर विशद चर्चा की गयी। इस चर्चा में मुख्य वक्ताओं के अतिरिक्त महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, हिंदी विभाग के अध्यक्ष, अन्य कई विभागों के अध्यक्ष, हिंदी व अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं 111 छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



## प्रो इंदुशेखर झा स्मृति व्याख्यान

दिनांक: 7 सितंबर 2022

आज दिनांक 7 सितंबर 2022 को कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना के संस्थापक एवम् संस्थापक प्रधानाचार्य प्रो इंदुशेखर झा स्मृति व्याख्यान माला महाविद्यालय परिसर के वाणिज्य सभागार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम् मुख्य वक्ता विश्व प्रख्यात नेत्र चिकित्सक संप्रति बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष डाक्टर राजवर्धन आजाद थे तथा उक्त आयोग के सदस्य तथा रसायन विज्ञान के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वान प्रो उपेंद्रनाथ वर्मा विशिष्ट वक्ता थे। उनके साथ ही आयोग की सदस्या तथा इस महाविद्यालय के ही इतिहास के विद्वान प्रो उषा प्रसाद सम्मानित अतिथि थी। हिंदी व अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं 156 छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।



Fig.: Dignitaries of the lecture organised on InduShekhar Jha Memorial Lecture organized on 7-9-2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: A glimpse of the InduShekhar Jha Memorial Lecture organized on 7-9-2022

## हिन्दी दिवस संगोष्ठी: साहित्य, संस्कृति और मीडिया

दिनांक: 8 सितम्बर 2022

आज दिनांक 8 सितम्बर 2022 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी, विषय साहित्य, संस्कृति और मीडिया पर हिन्दी विभाग, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना द्वारा कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया जिसके मुख्यअतिथि वक्ता हिन्दी साहित्य के विद्वान एवम् गगनांचल के सम्पादक डॉक्टर आशीष कांधवे थे। इस कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और मीडिया के अंतर्संबंध पर चर्चा की गयी। इस कार्यक्रम में हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो श्रीकांत सिंह ने स्वागत भाषण दिया, प्रो मंगला रानी ने मंच का संचालन किया तथा डॉक्टर अजय कुमार ने कविता पाठ किया तथा डॉक्टर विनीता गुप्ता ने धन्यवाद

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



ज्ञापित किया। इस चर्चा में मुख्य वक्ताओं के अतिरिक्त महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, हिंदी, अन्य कई विभागों के अध्यक्ष, हिंदी व अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं 43 छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।



Fig.: Memento presentation to the chief guest on Hindi Diwas organized on 8-9-2022



Fig.: A view of the participants of Hindi Diwas organized on 8-9-2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## NATIONAL SEMINAR ON DIMENSIONS OF TRIBAL AND DALIT MOVEMENT

24-25<sup>th</sup> September 2022

Two days National Seminar on “Dimensions of Tribal and Dalit Movement” was organised by the department of History, College of Commerce, Arts and Science Patna on 24th and 25th, September 2022 sponsored by ICHR, New Delhi. Prof. Bal Mukund Pandey, Secretary ICHR, New Delhi, Prof. Girish Kumar Chaudhary, VC Patna University, Prof. Ram Kishore Singh, Head, University P.G. Department of History was the speaker in this conference. 234 participants were participated in this national seminar.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020

Fig.: Dignitaries of the Two days National Seminar on “Dimensions of Tribal and Dalit Movement” organised by the Department of History, College of Commerce, Arts and Science Patna on 24th and 25th, September 2022

## जन शब्द की परिकल्पना वेद में किन्तु दलित राजनीतिक शब्द : बालमुकुन्द पाण्डेय

**खबरों की तह तक**

**पटना।** डा. आलोक सिन्हा। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित भारत में जनजातीय एवं दलित आंदोलन के अवलोकन दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन इतिहास संकलन समिति, बिहार के द्वारा कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना के प्राथमिक सभागार में किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन पटना महाविद्यालय के कुलपति गिरिश कुमार चौधरी, इतिहास संकलन समिति, नई दिल्ली के संकलन सचिव बालमुकुन्द पांडे, इतिहास संकलन समिति, बिहार प्रो राजीव रंजन, प्राध्यापक प्रो इंद्रजित कुमार राय, मंडीवट्ट इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ मनीष कुमार, टोपीएस कॉलेज प्राध्यापक जयेंद्र प्रसाद सिंह, एसडीएस कॉलेज प्राध्यापक प्रो राम किशोर सिंह, ने संयुक्त रूप से दोपहर 12 बजे संगोष्ठी को शुरू किया।



किन्ता। राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन अवसर पर संगोष्ठी रंजन ने विषय प्रवेश करते हुए कहा कि देश गुलाम बनने के बावजूद लंबे समय तक जनजातीय स्वतंत्र रहे, क्योंकि इनका स्व जोषित था। जनजातीय संघर्ष अस्तित्व उनके स्व के रक्षण का संघर्ष है। संकलन सचिव बालमुकुन्द पांडे ने कहा कि जन शब्द की परिकल्पना वेद में मिलती है, किन्तु दलित शब्द भारतीय संस्कृति को नहीं

है, वह राजनीतिक शब्द है। साम्राज्यवादियों ने वैदिक कर्म व्यवस्था को समाज के तहत जाति व्यवस्था में बदल दिया। कुलपति गिरिश चंद्र चौधरी ने तिलकमंडी को स्मरण किया। प्रो राम किशोर सिंह ने एकराज मानववाद के अवलोकन में जनजातीय एवं दलित आंदोलन को रखा। महाविद्यालय प्राध्यापक प्रो इंद्रजित कुमार राय ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में प्राथमिक स्तरों

के महत्व और वैज्ञानिक सोच पर जोर देने को कहा। बीच-बीच में हुए प्रो. राम रंजन ने जनजातीय संघर्ष के अध्ययन के लिए मौखिक स्रोतों के महत्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय के दिवंगत शिक्षक डॉ गौरी नारायण राय को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा इनके द्वारा संपादित पुस्तक युग-गोपन, मंदराचल का विमोचन प्रकाशित किया गया। कार्यक्रम में उनकी पत्नी रेखा झा एंव पुत्री उपस्थित थीं। संगोष्ठी में स्मार्तिष्ठ का भी विमोचन हुआ जिसमें 160 प्रश्न आलेखों का सार प्रस्तुत किया गया। विभाजन को ज़ासदी विषय पर एक छात्राध्यक्ष प्रदर्शनी का उद्घाटन भी कार्यक्रम में हुआ। कार्यक्रम सत्र का संचालन प्रो. राम रंजन एवं धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी समन्वयक इतिहास संकलन समिति बिहार के माससचिव डॉ सोलैश कुमार ने किया।

Fig.: Paper clipping of the Two days National Seminar on “Dimensions of Tribal and Dalit Movement” organised by the Department of History, College of Commerce, Arts and Science Patna on 24th and 25th, September 2022

**WORLD MENTAL HEALTH DAY SEMINAR: MAKE MENTAL HEALTH & WELL-BEING FOR ALL A GLOBAL PRIORITY**

10/10/2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



On 10th October 2022, World Mental Health Day Seminar was organised by the department of Psychology, College of Commerce, Arts and Science, Patna. Speakers were Prof. Riti Kumari of S M D College, Punpun, Patna and Shri Niraj Kumar of Paras Hospital, Patna in presence of all the faculty members of the department including HOD Prof. Kirti and IQAC Incharge Dr. Santosh Kumar and departmental students. 81 participants participated in this seminar.



Fig.: Dignitaries of the **WORLD MENTAL HEALTH DAY SEMINAR: MAKE MENTAL HEALTH & WELL-BEING FOR ALL A GLOBAL PRIORITY** organized on 10/10/2022

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





**Fig.: A glimpse of the participants of WORLD MENTAL HEALTH DAY SEMINAR: MAKE MENTAL HEALTH & WELL- BEING FOR ALL A GLOBAL PRIORITY organized on 10/10/2022**

## **11<sup>TH</sup> K. K. SINHA FOUNDATION DAY**

**15th October 2022**

11<sup>th</sup> K K Sinha and Dr Uma Sinha Foundation Prize distribution ceremony was organised at College of Commerce Arts and Science, Patna. Keynote speaker were Mr Vergis George, Prof. Nawal Kishore Chaudhary, Guest of Honour, Mr Ram Updesh Dr Uma Sinha, foundation secretary, his son Pravir Krishna, his daughter Priyam Kumari and her family members were also present. Vote of thanks was given to Prof Rashmi Akhoury, HOD Economics. 188 participants were participated in this national seminar.

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: The chief guest on dice on 11<sup>th</sup> K K Sinha and Dr Uma Sinha Foundation organized on 15-10-2022.





Fig.: A glimpse of the 11<sup>th</sup> K K Sinha and Dr Uma Sinha Foundation organized on 15-10-2022.

## **WORKSHOP ON ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT**

**17<sup>th</sup> October 2022**

Workshop on Entrepreneurship Development was organised at College of Commerce, Arts and Science, Patna and Atal Incubation Centre Bihar Vidyapith, Patna. Chief Guest was Shri Vijay Prakash, Retired IAS and its Chairman cum CEO and secretary Shri Pramod Karn. A MOU was also signed with incubation centre. 67 participants were participated in this workshop.

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4



Fig.: Dignitaries of the **WORKSHOP ON ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT** organized on 17<sup>th</sup> October 2022



Fig.: A glimpse of the **WORKSHOP ON ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT** organized on 17<sup>th</sup> October 2022

**सेमिनार- आधुनिक भारत का इतिहास लेखन और संभावित साहित्य लेखन**

**दिनांक 12th November 2022**

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



आज दिनांक 12.11.2022 को कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना के सभागार में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर इतिहास विभाग द्वारा एक सिंपोजियम आयोजित किया गया जिसका विषय "आधुनिक भारत का इतिहास लेखन और संभावित साहित्य लेखन" जिसकी अध्यक्षता प्रो छाया सिन्हा, अध्यक्ष हिंदी विभाग ने की। मुख्य वक्ता प्रो हितेंद्र पटेल, रविन्द्र विश्वविद्यालय, कोलकाता तथा प्रो प्रमोदा नंद दास थे। इस कार्यक्रम में प्रो जयदेव मिश्र पटना विश्वविद्यालय, प्रो डी एन सिन्हा, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो वी पी त्रिपाठी प्रो राजीव रंजन, प्रो विनय कुमार, अविनाश कुमार झा, शोध छात्र छात्रा एवम् अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। हिंदी व अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं 60 छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।



Fig.: A view of the Seminar on "Adhunik Bharat ka Itihas lekhan aur sambhavit sahitya lekhan" organized on 12-11-2022



Fig.: A view of the participants of the Seminar on “Adhunik Bharat ka Itihas lekhan aur sambhavit sahitya lekhan” organized on 12-11-2022

## 22 DAYS TATA CONSULTANCY SERVICES (TCS) YOUTH EMPLOYMENT

### PROGRAMME WORKSHOP

3<sup>rd</sup> to 24<sup>th</sup> November 2022

TATA CONSULTANCY SERVICES (TCS) Youth Employment Programme with IQAC, College of Commerce, Arts and Science, Patna 22 days Training Programme started from 3<sup>rd</sup>

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



**COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA**  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

**स्थापित 1949**  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

Nov to 24th Nov 2022 ended today in the interest of the students. Programme was very successful. Congratulations to the college family members especially to Dr Santosh Kumar Coordinator, IQAC and Prof Rashmi Akhoury HOD Economics for their efforts. Total 460 participants participated during the workshop in 8 batches.



**Fig.: Dignitaries of TATA CONSULTANCY SERVICES (TCS) YOUTH EMPLOYMENT PROGRAMME WORKSHOP organized from 3<sup>rd</sup> to 24<sup>th</sup> November 2022**



  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



**Fig.: The Principal of the college felicitating the chief guest TATA CONSULTANCY SERVICES (TCS) YOUTH EMPLOYMENT PROGRAMME WORKSHOP organized from 3<sup>rd</sup> to 24<sup>th</sup> November 2022**



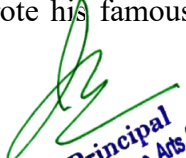
**Fig.: A view of the participants of the TATA CONSULTANCY SERVICES (TCS) YOUTH EMPLOYMENT PROGRAMME WORKSHOP organized from 3<sup>rd</sup> to 24<sup>th</sup> November 2022**

## **36TH NATIONAL CONVENTION OF INDIAN ASSOCIATION OF PHYSICS**

### **TEACHERS (IAPT)**

**02 to 04 December 2022**

College organized the 36th National Convention of Indian Association of Physics Teachers (IAPT) dt. 02.12.2022 to 04.12.2022 on the topic “Exploring Aryabhata”. It was deliberated in the convention that the period between 5th and 7th century AD can be described as the 'Golden Age' in Indian mathematics and astronomy. The Principal Prof. Indarjit Prasad Roy said Aryabhata, born during 476 AD in Kusumapura (present day Patna city), wrote his famous

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020





work 'Aryabhatiyam' during 499 AD, when he was 23 years old. Many of the later independent works on Indian astronomy and mathematics, are based on the works of Aryabhata's Aryabhatiyam. In his important work, Aryabhata has presented his work in three parts, viz, mathematics, reckoning of time and celestial sphere. The well-known mathematicians and astronomers during 5th and 7th century AD were Aryabhata (5th century), Varahamihira (6th century) and Brahmagupta & Bhaskara I (7th century). The latter three have extensively quoted Aryabhata in their works on Astronomy.

Padmashri Prof. H. C. Verma, Retd. Professor, IIT Kanpur, Kanpur, India pondered his thoughts on the topic “Knowing the History of Physics Research: Niels Bohr's work as an example”. He said diving into the pages of the history of physics research is always illuminating. It reveals the way of thinking of contemporary society and the social interactions which influence what scientists produce. A journey to the history of physics research also gives us an opportunity to discover the interesting interplay of nature and to know how she paved the path of research in physics. The Perusal of the history of physics research gives us a sense of pride too and motivates physics lovers to think independently for analyzing and discovering the finer and complex mysteries of mother nature.

Prof. Vijay A. Singh, Visiting Professor, CEBS, Mumbai, reflected his thought on the topic “Neglected Gem from Aryabhata's Ganitapada”. He extended his views and shared that the Aryabhatiya, written in 499 CE, consists of a little over a 100 verses, many of them dense with meaning. The section on Mathematics (the Ganitapada) has 33 verses and we focus on a particular one, verse XII. An understanding of this verse makes several things clear: (i) that Aryabhata was the first to define trigonometric functions such as sine; (ii) that he explicitly derived the difference formulae for trigonometric functions; (iii) that he tabulated the values of

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

sine for angles ranging from 0 to 90 degrees, a table which every student has used in some form or another without realizing who its original author was; (iv) that he laid the foundations of finite difference calculus which is one of the central techniques in computational physics.

Aryabhata invented trigonometry (not to be confused with Euclidean circle geometry). A thousand years later and some 3000 km away, Madhava and his disciples in Kerala who can be credited for the birth of calculus 1400-1600 CE) have acknowledged Aryabhata repeatedly and with great reverence. Sadly, this single seminal verse has been largely neglected.

The convention was a great success since it has a huge gathering from all over India, such as, Dr. Chandan Kumar, IISC, Bangalore, Dr. Utpal Roy, IIT, Patna, Dr. C.H. Madhusudan, IIT, Chennai, Navin Kumar Nischal, IIT, Patna, Prof. Bhupati Chakrabarti, City College, Kolkata. Overall, 254 participants participated in this event.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA  
A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

**INVITATION**

**36TH NATIONAL CONVENTION OF INDIAN  
ASSOCIATION OF PHYSICS TEACHERS (IAPT)**

--  
**02-04 DECEMBER, 2022**

To be Inaugurated by

**Justice Dr. Ravi Ranjan**  
The Hon'ble Chief Justice of  
Jharkhand High Court

in gracious presence of

**Prof. R.K. Singh**  
Hon'ble Vice-Chancellor,  
Patliputra University, Patna

on **02/12/2022** at **1:30 PM**  
**College of Commerce, Arts & Science, Patna (Bihar)**

**Dr. Santosh Kumar**  
Convener of the Convention

**Professor Indrajit Prasad Roy**  
Principal,  
College of Commerce, Arts & Science

Fig.: Brochure of the 36TH NATIONAL CONVENTION OF INDIAN ASSOCIATION OF PHYSICS TEACHERS (IAPT) organized from 02 to 04 December 2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Dignitaries of the 36TH NATIONAL CONVENTION OF INDIAN ASSOCIATION OF PHYSICS TEACHERS (IAPT) from 02 to 04 December 2022



A view of the 36TH NATIONAL CONVENTION OF INDIAN ASSOCIATION OF PHYSICS TEACHERS (IAPT) from 02 to 04 December 2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



## ‘वैज्ञानिक सोच के लिए प्रेरित करें’

पटना, वरीय संवाददाता। रांची उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. रवि रंजन ने छात्रों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार के लिए उत्सुकता और मानवीय मूल्यों को विकसित करने पर विशेष रूप से बल दिया। वे शुक्रवार को कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना में भारतीय भौतिकी शिक्षक परिषद के 36वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भौतिकी आम जनजीवन से जुड़ा हुआ विषय है। इसलिए नवाचार से आम लोग

लाभान्वित होंगे। अपने अध्यक्षीय भाषण में पाटलिपुत्र विवि के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने छात्रों को वैचारिक ज्ञान विकसित करने की सलाह दी।

प्रधानाचार्य प्रो. इंद्रजीत प्रसाद राय ने न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि रंजन, कुलपति प्रो. आरके सिंह, पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा समेत उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय परिवार इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन पर गर्व करता है। सेमिनार में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पद्मश्री

प्रो. एचसी वर्मा, भौतिकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. केपी अहलूवालिया, सचिव प्रो. रेखा, प्रो. विजय ए सिंह समेत देश विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षक भाग ले रहे हैं। मंच का संचालन डॉ. रश्मि और विद्या यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. संतोष कुमार ने किया। इससे पहले रांची उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. रवि रंजन और पीपीयू के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कालेज ऑफ कॉमर्स स्थित विधि विभाग में मूट कोर्ट का उद्घाटन किया।

## प्रयोग की परंपरा को जीवित करने की जरूरत

पटना. भारतीय भौतिकी शिक्षक परिषद की ओर से आयोजित 36वें राष्ट्रीय सम्मेलन का रविवार को समापन समारोह आयोजित किया गया। कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि देश में फिजिक्स एजुकेशन को ठीक करने के लिए परिषद अतुलनीय प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भौतिकी शिक्षक परिषद को देश के अंदर प्रयोग करने की परंपरा को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। वहीं कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर इंद्रजीत प्रसाद राय ने कहा कि भौतिकी विज्ञान के बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती है। समारोह में पद्मश्री प्रोफेसर एचसी वर्मा, प्रो विजय ए सिंह, प्रो जी वेंकटेश, प्रो भूपति चक्रवर्ती तथा प्रो राजमणि प्रसाद सिंह को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मौके पर पीपीयू के प्रति कुलपति प्रो गणेश महतो, एएन कालेज के प्रिंसिपल प्रो एसपी शाही, प्रो ओपी राय, प्रो प्रमोद रंजन सिंह, डॉ मनोज कुमार व अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

Fig.: Paper clipping of 36TH NATIONAL CONVENTION OF INDIAN ASSOCIATION OF PHYSICS TEACHERS (IAPT) from 02 to 04 December 2022

## SEMINAR ON WORLD HUMAN RIGHTS DAY

10<sup>th</sup> December 2022

Seminar on International Human Rights Day was organized at College of Commerce, Arts and Science, Patna on 10<sup>th</sup> December 2022. The Principal of the college, Prof. Indrajit Prasad Roy

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



gave the inaugural speech. Many teachers of the college were present on this occasion including Prof. Rajeev Ranjan, department of History, Prof. Rashmi Akhoury, department of Economics, IQAC Coordinator, Dr. Santosh Kumar, Proctor of the college, Dr. Munawar Fazal. 78 participants participated in this event.



Fig.: A glimpse of the SEMINAR ON WORLD HUMAN RIGHTS DAY celebrated on 10<sup>th</sup> December 2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Fig.: A glimpse of the SEMINAR ON WORLD HUMAN RIGHTS DAY celebrated on 10<sup>th</sup> December 2022

## हर व्यक्ति मर्यादा के साथ जिंदगी जी सके यह मानवाधिकार का अर्थ'

(एसएनबी)। विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर नेवार को कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइंस पटना एसएस और विधि विभाग द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन लोगों को मानवाधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। म की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो. इन्द्रजीत प्रसाद राय ने उन्होंने कहा कि मानव अधिकार का अर्थ हर व्यक्ति के साथ जिंदगी जी सके यह सुनिश्चित करना है। विधि के इंचार्ज प्रो. अनिल कुमार सिंह ने राष्ट्रीय और राष्ट्रीय परिदृश्य में मानवाधिकार के महत्व पर प्रकाश। इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव रंजन ने अधिकार के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की विस्तार से चर्चा की। अवसर पर अन्य लोगों के अलावा प्रो. रश्मि अखौरी, एस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजीव रंजन, डॉ विनय सिन्हा, डॉ स्मिता कुमारी, आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. कुमार और कुलानुशासक डॉ मनव्वर फजल समेत बड़ी में शिक्षक और छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

Fig.: A glimpse of the SEMINAR ON WORLD HUMAN RIGHTS DAY celebrated on 10<sup>th</sup> December 2022

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

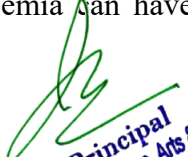


**2023**

**BLOOD DONATION CAMP ACCOMPANIED WITH THALASSEMIA  
AWARENESS**

**(06-01-2023)**

The NSS in Collaboration with NCC on 06.01.2023 organized a private blood donation camp awareness campaign accompanied with thalassemia awareness at College of Commerce Arts and Science Patna. The resource person was Dr. Niraj Singh, IGIMS, Patna and Dr. Pankaj Singh, IGIMS, Patna. They highlighted the importance of blood donation, thalassemia awareness, Blood group and blood Cancer to the students, faculties and non-teaching staffs present in the event. They nicely elaborated how Thalassemia is a group of blood disorders passed from parents to children through genes (inherited). A person who has thalassemia makes fewer healthy red blood cells. Their red blood cells do not produce enough haemoglobin, the protein that carries oxygen throughout the body. People with severe thalassemia can have

  
**Principal**  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

various medical complications. They might also require [lifelong blood transfusions](#) for treatment. the dangers of these diseases and the causes of their spread and methods of prevention. This will only be achieved by enhancing the community awareness of the need for early examination. The procedure of blood donation started with the haemoglobin level test followed by the blood pressure and sugar test after registration of the donors. Students and staff members, who donated blood were very elated and had the feeling of self-contentment. All the donors were given a Donor Card and fruits. The camp folded at 4:00PM after collecting of 63 unit of blood.

The Programme was presided under the Patron cum Principal Prof. Indrajit Prasad Roy and it was well coordinated by NSS Officers- Dr. Smita Kumari, Assistant Professor, Dept. of Chemistry and Dr. Rajeev Ranjan, Assistant professor, Department of Botany & NCC Officer -Shri. Sachchida Nand Kumar, Assistant Professor, Dept. of Chemistry. Dr. A.K. Bhaskar, Dr. Vidya Yadav, Dr. Rashmi Ranjana, Dr. Manju, Smt. Anita and HoD's of all departments were also present in the event. Overall, 146 participants participated in this awareness programme.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



6 जनवरी, 2023, शुक्रवार, समय 12:30 बजे से 3:00 बजे तक कॉलेज ऑफ कॉमर्स के **NSS/NCC** तथा प्रथमा ब्लड सेंटर के संयुक्ततत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवंस्वास्थ्य ब्लड कैंसर थैलेसीमिया के संबंध मेंजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रोफेसरइंद्रजीत प्रसाद राय ने की। उन्होंने कहा कि मानवता का पहला परिचय रक्तदान, रक्तदान

महादान इससे बड़ा ना कोई दान।स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में विशेष अतिथिडॉ नीरज एवं पंकज सिंह बाघेल स्टेट कॉ-




ऑर्डिनेटर, प्रथमा ब्लड सेंटर के द्वारा विशेष व्याख्यान पावर पॉइंट के द्वारा रक्तदान, थैलेसीमिया, ब्लड कैंसर एवं ब्लड ग्रुप की जानकारी से संबंधित जानकारी दी गई। डॉ नीरज ने कहा कि खून का एक विकार जिसमें ऑक्सीजन वाहक प्रोटीन सामान्य से कम मात्रा

में होते हैं।थैलेसीमिया एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ीमें जाने वाले खून संबंधी बीमारी है जो शरीर मेंसामान्य के मुकाबले कम ऑक्सीजन ले जानेवाले प्रोटीन (हीमोग्लोबिन) और कम संख्यामें लाल रक्त कोशिकाओं से पहचानी जातीहै।उपचार में विटामिन और रक्ताधान शामिलहै।

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित NSS कॉ-ऑर्डिनेटर - डॉ स्मिता एवं डॉ राजीव रंजन तथा NCC ऑफिसर श्री सच्चिदानंद कुमार के द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में किया गया।इसकार्यक्रम में डॉ ए के भास्कर,डॉ मंजू,अनितासागर,डॉ विद्या,डॉ रश्मि रंजना एवं सभी विभागके शिक्षकगण,छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

Fig.: Paper clipping of the seminar on **Blood Donation Camp Accompanied with Thalassemia**

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



Awareness organised on 6/1/2023.



Fig.: Inauguration of seminar on **Blood Donation Camp Accompanied with Thalassemia Awareness** organised on 6/1/2023.



Fig.: A view of the seminar and paper clipping of the seminar on **Blood Donation Camp Accompanied with Thalassemia Awareness** organised on 6/1/2023.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## रक्तदान, थैलेसीमिया के बारे में दी जानकारी

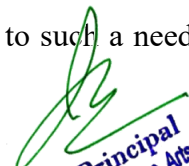
पटना. कॉलेज ऑफ कॉमर्स के एनएसएस, एनसीसी व प्रथमा ब्लड सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य व ब्लड कैंसर, थैलेसीमिया के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो इंद्रजीत प्रसाद राय ने की.

विशेष अतिथि प्रथमा ब्लड सेंटर के डॉ नीरज व पंकज सिंह बाघेल ने पावर प्वाइंट के जरिये रक्तदान, थैलेसीमिया, ब्लड कैंसर और ब्लड ग्रुप के बारे में जानकारी दी. मौके पर डॉ एके भास्कर, डॉ मंजू, अनिता सागर, डॉ विद्या, डॉ रश्मि रंजना व सभी विभाग के शिक्षक मौजूद रहे.

Fig.: A view of the seminar and paper clipping of the seminar on **Blood Donation Camp Accompanied with Thalassemia Awareness organised on 6/1/2023.**

## WORKSHOP ON NAAC (11-01-2023)

A workshop of NAAC was organised in the College of Commerce, Arts and Science, Patna on 11<sup>th</sup> January 2023 by IQAC. The speaker for this event was Prof. N K Agarwal, State Nodal Officer of Bihar. All the teaching and non-teaching staff were present in the workshop. The inaugural address was given by Prof. Indrajit Prasad Roy, Principal, College of Commerce, Arts & Science. Then, speaker was felicitated by Principal and then the speaker addresses his views how to conduct and work for NAAC in the college. He minutely discussed about the areas where college should focus and can obtain Good Grades. It is gratifying to note that Mandatory Accreditation has become a common goal of all the institutions of Higher Education. The concentrated effort of college will enhance the credibility by securing due recognition in terms of quality. But, securing Accreditation is not the duty of the management alone; in fact, the entire academic and local communities must be sensitized to such a need.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



The principal should become the change leaders in their institutions and must motivate the teachers on need of using new technology, innovation, moving beyond conventional textual knowledge and move towards capacity building and empowerment. 75 participants participated in this workshop.



## कॉलेज ऑफ कॉमर्स में व्याख्यान का आयोजन

पटना, वरीय संवाददाता। कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइंस में अर्थशास्त्र और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को चुनाव अध्ययन और सर्वेक्षण विधियों की जानकारी दी गई।

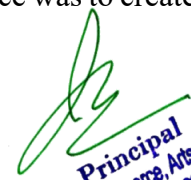
‘चुनाव अध्ययन मत सर्वेक्षण और उसकी विधियाँ’ विषय पर आयोजित व्याख्यान के मुख्य वक्ता दिल्ली एसेंबली रिसर्च सेंटर के आशीश रंजन ने कहा, जनता से किसी विषय पर राय पूछना व उसका सांख्यिकी विश्लेषण कर के निष्कर्ष निकालना ही मत सर्वेक्षण या ओपिनियन पोल है। प्रिंसिपल प्रो इंद्रजीत प्रसाद राय ने कहा कि व्याख्यान में छात्रों को चुनाव अध्ययन से संबंधित जानकारी तथा उन्हें सर्वेक्षण विधियों से अवगत कराया गया। इससे छात्रों को प्री पोल, एक्जिट पोल, पोस्ट पोल की कार्यविधि को समझने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर रश्मि अखौरी, डॉ. संजय पांडेय, बैकुंठ राय, उमेश प्रसाद, प्रवीण, संतोष, इंदिरा सिन्हा, आशा, शंभु, अरुण, अनिल आदि उपस्थित थे।

Fig.: Felicitation of the chief guest and Newspaper clipping of the workshop on NAAC organized on 11/1/2023.

## INTERNATIONAL CONFERENCE ON MATERIALS PROCESSING AND APPLICATIONS (ICOMPA- 2023)

(01-03-2023 TO 03-03-2023)

College of Commerce, Arts & Science, Patna as the constituent unit of Patliputra University, Patna organized ICOMPA-2023. It was a three-day international conference on materials processing and their applications (ICOMPA) in different fields such as energy storage, biomaterials, electronic devices, sensors etc. The primary focus of the conference was to create,

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020



## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

encourage, nurture and sustain a research atmosphere in the Colleges and Universities of Bihar. With the intent to create an ambience and motivation for research and give exposure to the science fraternity of the state for high ended contemporary research in the field of functional materials, the young and senior researchers, academicians from different parts of the globe were brought under one roof to share and discuss their ideas. The conference was conducted in hybrid mode to facilitate high-quality discussions. There were five technical sessions covering different areas of materials science.

Welcome address was given by Principal cum the Patron of the Conference Prof. Indrajit Prasad Roy and Concept enumeration was done by the Convenor Dr. Santosh Kumar. Prof Avinash C Pandey, Director, Inter University Accelerator Centre, Delhi, Prof. Pradeep Jain, Director, NIT, Patna, Prof. Girish Kale, University of Leeds addressed the participants. Sh. Dipak Kumar Singh, Additional Chief Secretary, Education Department, Government of Bihar graced the occasion. Presidential Address was given by Prof. R. K. Singh, Hon'ble Vice-Chancellor, Patliputra University, Patna. 160 participants participated in this conference.

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

# विश्वविद्यालय और कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व शोध को बढ़ावा देना जरूरी : दीपक

संवाददाता, पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध को बढ़ावा देना जरूरी है। वे बुधवार को कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना में मेटेरियल प्रोसेसिंग एंड एप्लीकेशन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप किसी भी कोर्स को करते समय कंटेंट पर ध्यान केंद्रित रखें और 25 वर्ष की आयु के आसपास किसी अच्छी जगह पर पहुंचने का प्रयास करें। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आरके सिंह ने कहा कि महाविद्यालय में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला विकसित करने की दिशा में सरकार को पहल करने की जरूरत है। कुलपति ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव से इस दिशा में कारगर पहल करने और बंद ग्रांट को तत्काल प्रभाव से



जारी करने का आग्रह किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि लीड्स विश्वविद्यालय के प्रो गिरीश काले ने नालंदा विश्वविद्यालय की चर्चा करते हुए कहा कि बिहार ज्ञान की भूमि है। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रधानाचार्य प्रो इंद्रजीत प्रसाद राय ने बताया कि विभिन्न तकनीकी सत्रों में कई राज्यों और देशों से आये वैज्ञानिक इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत कर रहे हैं। इस अवसर पर पीपीयू के डीएसडब्ल्यू प्रो एके नाग, प्रो उमेश प्रसाद, प्रो प्रवीण कुमार, प्रो खालिद अहमद, डॉ आयान

मुखर्जी, डॉ तारिक फातमी, डॉ विद्या यादव और प्रो एके भास्कर समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, शोधकर्ता और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।  
**विभिन्न तकनीकी सत्र का हुआ आयोजन** : तकनीकी सत्र में आइयूएससी दिल्ली के निदेशक डॉ अविनाश पांडेय, यूजीसी-जीएड सीएसआर के साइंटिस्ट इंदौर रामजनय चौधरी, स्वीडन से विल्म सान्याल, बीएचयू से रंजन कुमार सिंह व इटली के एंटोनियो ने व्याख्यान दिया।

Fig.: Newspaper clipping of the INTERNATIONAL CONFERENCE ON MATERIALS PROCESSING AND APPLICATIONS (ICOMPA- 2023) organized from (01-03-2023 TO 03-03-2023)

# विवि में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध का संवर्द्धन जरूरी : दीपक

पटना (एसएनबी)। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध को बढ़ावा देना जरूरी है। वे बुधवार को कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में मेटेरियल प्रोसेसिंग एंड एप्लीकेशन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी कोर्स को करते समय कंटेंट पर ध्यान केंद्रित रखें। पच्चीस वर्ष की आयु के आसपास किसी अच्छी जगह पहुंचने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन



अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ के मौके पर मौजूद अपर मुख्य शिक्षा सचिव व अन्य।

का आयोजन तो बार बार संभव नहीं है। लेकिन राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन होते रहना चाहिए ताकि शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और शोध का संवर्द्धन होता रहे।

पाटलिपुत्र विवि के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि महाविद्यालय में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला विकसित करने की दिशा में सरकार को पहल करने की जरूरत है।

■ कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में मेटेरियल प्रोसेसिंग एंड एप्लीकेशन विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

उन्होंने अपर मुख्य सचिव से इस दिशा में कारगर पहल करने एवं बंद ग्रांट को तत्काल प्रभाव से जारी करने का आग्रह किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि लीड्स विवि के प्रो गिरीश काले ने कहा कि उनका विवि कॉलेज ऑफ कॉमर्स से शोध समन्वय स्थापित करेगा।

पर  
मं  
शां  
त  
सु  
बु  
बु  
सि

पर  
नहं  
प्र  
अ  
उ  
उ  
के  
जा  
दि  
से  
शु  
प्र  
स  
अ

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020

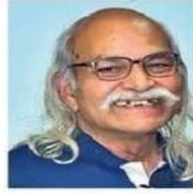


Fig.: Newspaper clipping of the INTERNATIONAL CONFERENCE ON MATERIALS PROCESSING AND APPLICATIONS (ICOMPA- 2023) organized from (01-03-2023 TO 03-03-2023)

## एचसी वर्मा बोले-रिसर्च एक्सपोजर लेबोरेट्री को स्नातकोत्तर स्तर पर खोलने की जरूरत

सिटी रिपोर्टर | पटना

कालेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एण्ड साइंस पटना में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन भव्य रहा। पद्मश्री प्रो एचसी वर्मा ने रिसर्च एक्सपोजर लेबोरेट्री को स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर पूरे देश में फैलाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने भारत में गुणवत्तापूर्ण रिसर्च के लिए रिसर्च ईको सिस्टम पर विस्तार से प्रकाश डाला। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो एनके पाण्डेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मल्टीडिस्प्लिनरी शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के बदलते विश्व परिवेश और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए एसी पढ़ाई की जरूरत है। जहां बच्चे अपनी



विशेषता के साथ साथ अन्य साफ्ट स्किल को भी बढ़ावा मिलेगा। सेमिनार में अमेरिका से आए डॉ सुधार रंजन ने फार्मास्युटिकल्स मटेरियल, सीयूबी गया के रोहित शाही ने हाइड्रोजन इनर्जी, आइएनएसटी मोहाली के डॉ रमेन्द्र सुन्दर ने अमोनिया सिंथेसिस, आईआईटी पटना के डॉ मनोरंजन कर ने मैगनेटो कौलोरिक इफेक्ट, आईआईटी बीएचयू के डॉ संजय सिंह ने एक्स रे डिफरैक्सन तथा लीड युनिवर्सिटी के प्रो अनिमेष झा ने क्वांटम डाट ग्लास और रिनुअलेबल एनर्जी पर विस्तार से चर्चा की। सम्मेलन का विषय 'मैटेरियल प्रोसेसिंग एण्ड एप्लीकेशन' रखा गया है। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान उन्नीस इंवाइटेड टॉक एक प्लेनरी तथा दो कीनोट एड्रेस होंगे।

Fig.: Newspaper clipping of the INTERNATIONAL CONFERENCE ON MATERIALS PROCESSING AND APPLICATIONS (ICOMPA- 2023) organized from (01-03-2023 TO 03-03-2023)

## TWO DAYS DISCUSSION ON KAUTILYA AND CONTEMPORARY WORLD 2023

(27-04-2023 and 28-04-2023)

Two days discussion on kautilya and contemporary world held on 27th and 28th of April at Vanijya Sabhagar. The Programme started with Inaugural session- welcoming the chief guests, lightening of lamp and welcome speech. The inaugural of the event was jointly done by Prof. R.K. Singh, Vice Chancellor, Patliputra University, Patna and Prof. Indrajit Prasad Roy (Principal, College of Commerce, Arts & Science, Patna). Eminent Scholars like Dr. Satish

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020





## COLLEGE OF COMMERCE, ARTS & SCIENCE, PATNA

A constituent unit of Patliputra University, Patna

स्थापित 1949  
NAAC Re-Accredited  
With Grade - A | CGPA of 3.10/4

Devdhar (IIM, Ahmedabad), Dr. Pramod Kumar Dubey (NCERT), Prof. Chandrakala Padia (Banaras Hindu University), Mr. Pranav (Intel Director Chankaya Aanvikshiki Pvt. Ltd) also makes their presence. The discussion follows the following dimension such as the Economic importance of kautilya Artha shastra, Bhartiya Arth Sankriti, Role of state according to kautilya, Organisation building and management and Nature and Scope of Kautilya Arthshastra and Chankya and Leadership. The distinguished guest on valedictory function was Honourable Justice (Retd.) Sanjay Kumar, Honourable Chairman, State Consumer Grievance Redressal Commission, Patna and Shri K. N. Govindacharya, famous economist, social and Political activist, founding father, Kautilya

International Foundation, New Delhi. Honourable' Justice Smt. Mridula Mishra – Vice Chancellor, Chanakya National Hindu University, Patna grace this event as special guest. The event was much more graceful with the presence of Prof. Kiran Ghai, ex M.L.C. Lecturer, Hindi Department. The vote of thanks was delivered by Shri Ajay Yadav, Senate Member, Patliputra University, Patna followed by National Anthem. 235 participants participated in this seminar.



  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna-800020



Fig.: Pictures and Newspaper clipping of two days discussion on Kautilya and Contemporary World 2023 organized from (27-04-2023 and 28-04-2023)

  
Principal  
College of Commerce, Arts & Science  
Patna- 800020